13 सितंबर, 2025
आश्विन, कृष्ण पक्ष, षष्ठी
संवत 2082
पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹3.00

रांची
शनिवार, वर्ष 10, अंक 324

* ओड़िशा संस्करण

www.epaper.azadsipahi.in

कलम कलम बढ़ाये जा

आजाद सिपाही

पीएम मोदी का मणिपुर दौरा कई मायनों में अहम (पेज 2 पर)

FLORENCE
GROUP OF INSTITUTIONS
(A Unit of :Haji Abdur Razzaque Educational Society)
ADMISSION OPEN
COLLEGE OF NURSING
2 YEARS M.Sc. Nursing
2 YEARS Post Basic B. Sc. Nursing
4 YEARS B.Sc. Nursing
3 YEARS GNM (General Nursing And Midwifery)
2 YEARS ANM (Auxiliary Nursing And Midwifery)
COLLEGE OF PARA MEDICAL SCIENCE
4 YEARS BMLT
2 YEARS DMLT
2 YEARS OT ASSISTANT
2 YEARS ECG
2 YEARS OPHTHALMIC ASST.
2 YEARS CRITICAL CARE (ICU)
2 YEARS RADIO-IMAGING
2 YEARS ANESTHESIA TECH.
1 YEARS DRESSERS
COLLEGE OF PHARMACY
2 YEARS D-PHARM
4 YEARS B-PHRRM
Separate Hostel For Boys & Girls
9031231082, 7903999411, 6205145470
E-mail: fsnirba@gmail.com
Website: www.florenceinstirba.com

SACRED CHILD ACADEMY
PLAY SCHOOL
Pre Nursery KG - I
Nursery KG - II
ADMISSION OPEN

Tiril Road, Kokar, Ranchi
9661169815

झारखंड के बकाये पर जल्द होगा फैसला: कोयला मंत्री

- केंद्र और राज्य सरकार के बीच संयुक्त कमिटी कर रही बकाये के मुद्दे पर विचार
- खान को बंद करने और झरिया मास्टर प्लान को लेकर हुई बड़ी घोषणाएं

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। केंद्रीय कोयला मंत्री जी किशन रेड्डी ने कहा है कि झारखंड सरकार द्वारा मांगी जा रही बकाया राशि के मुद्दे का जल्द ही फैसला हो जायेगा। इस पर विचार के लिए केंद्र और राज्य सरकार के बीच संयुक्त कमिटी बनायी गयी है। इसकी दो-तीन बैठकें हो चुकी हैं और जल्दी ही कोई अंतिम फैसला हो जायेगा। केंद्रीय कोयला मंत्री शुक्रवार को यहां मीडिया से बात कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने राज्य से जुड़े कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर जानकारी दी। उन्होंने स्पष्ट किया कि कोयला मंत्रालय का प्राथमिक उद्देश्य मुनाफा कमाना नहीं, बल्कि देश की ऊर्जा आवश्यकताओं की पूर्ति करना है। उन्होंने कहा कि कोल इंडिया और राज्य सरकार के अधिकारी मिलकर सभी मुद्दों पर संयुक्त निर्णय के आधार पर कार्य करेंगे।

झरिया मास्टर प्लान को लेकर नयी पहल : कोयला मंत्री ने धनबाद के झरिया क्षेत्र के लिए नये मास्टर प्लान की भी घोषणा की। उन्होंने बताया कि केंद्र और राज्य सरकार मिलकर इस योजना को क्रियान्वित करेंगे। इसके तहत 60 लोगों की टीम का गठन किया गया है, जिसमें 50 नियुक्तियां कोल मंत्रालय द्वारा की जा चुकी हैं। अब राज्य सरकार को सीइओ की नियुक्ति करनी है। योजना में पुनर्वासित लोगों के लिए रोजगार, आवास, स्वास्थ्य और शिक्षा से जुड़ी सुविधाएं सुनिश्चित की जायेंगी। सीइओ की नियुक्ति के बाद मुख्यमंत्री के साथ बैठक कर योजना को आगे बढ़ाया जायेगा।

पर्यावरणीय मानकों के अनुसार खदानों को बंद करने की प्रक्रिया शुरू

रेड्डी ने बताया कि मंत्रालय खदान के पानी के इस्तेमाल पर भी काम कर रहा है। झारखंड, ओड़िशा, छत्तीसगढ़ और गोवा जैसे राज्यों में इस दिशा में प्रयास तेज किये गये हैं। देशभर में 143 कोयला खदान ऐसी हैं, जिनमें से कोयला निकाला जा चुका है, लेकिन उन्हें अब तक बंद नहीं किया गया है। प्रधानमंत्री के निर्देश पर इन सभी को पर्यावरणीय मानकों के अनुसार बंद करने की प्रक्रिया शुरू की जा रही है। अब तक नौ खदानों को बंद किया जा चुका है और अगले दो-तीन वर्षों में ऐसी सभी खदानों को बंद करने का लक्ष्य है। इसके लिए वित्तीय संसाधनों की कोई कमी नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि खदान बंद करने के साथ-साथ इनसे निकलने वाले पानी के उपयोग पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है, जिससे स्थानीय लोगों को रोजगार के अवसर मिल सकें और राज्यों को सामाजिक-आर्थिक लाभ हो।

सीएम हेमंत से मिले कई मुद्दों पर की चर्चा

दौरे के समापन से पहले केंद्रीय मंत्री ने प्रोजेक्ट भवन में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से शिष्टाचार मुलाकात की। मुलाकात के दौरान राज्य की कोयला खदानों के अलावा नयी खदानों और श्रमिक उत्थान से जुड़े मुद्दों पर सार्थक चर्चा हुई और कई महत्वपूर्ण निर्णयों पर विचार-विमर्श किया गया। केंद्रीय मंत्री ने मुख्यमंत्री को कोयला उद्योग की नयी योजनाओं के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी।

पीएम मोदी आज मणिपुर में हिंसा प्रभावित लोगों से मिलेंगे

राज्य को 85 सौ करोड़ की परियोजनाओं की देंगे सौगात

आजाद सिपाही संवाददाता

इंफाल। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को मणिपुर आ रहे हैं। वह यहां 8500 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास करेंगे। मुख्य सचिव पुनीत कुमार गोयल ने बताया कि प्रधानमंत्री सबसे पहले मिजोरम से चुराचांदपुर पहुंचेंगे और फिर इंफाल आयेंगे। उधर पीएम मोदी के दौरे से पहले गुरुवार शाम को कुकी बहुल चुराचांदपुर जिले में दो स्थानों पर उपद्रवियों और सुरक्षा बलों के बीच झड़प हुई।

73 सौ करोड़ की परियोजनाओं का शिलान्यास : मुख्य सचिव ने कहा कि मणिपुर के समावेशी, सतत और समग्र विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के अनुरूप प्रधानमंत्री चुराचांदपुर में 7300 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली कई विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखेंगे, जबकि 1200 करोड़ रुपये से अधिक की कई विकास परियोजनाओं का भी उद्घाटन करेंगे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री की 13 सितंबर की मणिपुर यात्रा राज्य में शांति, सामान्य स्थिति और विकास का मार्ग प्रशस्त करेगी। पीएम मोदी चुराचांदपुर और इंफाल में विस्थापित लोगों से बातचीत भी करेंगे।

कड़े किये गये सुरक्षा इंतजाम

प्रधानमंत्री के दौरे से पहले इंफाल और चुराचांदपुर में सुरक्षा इंतजाम कड़े कर दिये गये हैं। इंफाल में करीब 237 एकड़ में फैले कांगला किले और चुराचांदपुर के पीस ग्राउंड के आसपास बड़ी संख्या में राज्य और केंद्रीय बलों के जवान तैनात किये गये हैं। वहां पर प्रधानमंत्री के कार्यक्रम के लिए एक भव्य मंच का निर्माण भी किया गया है।

निकाय चुनाव के मामले में 14 अक्टूबर को तय होगा आरोप

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। मुख्य सचिव अलका तिवारी, नगर विकास विभाग के प्रधान सचिव सुनील कुमार और अन्य पर नगर निकाय चुनाव संबंधी अवमाना मामले में झारखंड हाइकोर्ट 14 अक्तूबर को चार्ज फ्रेम करेगा। लेकिन चार्ज फ्रेम होने से पहले ही अलका तिवारी मुख्य सचिव पद से 30 सितंबर 2025 को रिटायर कर जायेंगी।

बता दें कि नगर निकाय चुनाव कराने को लेकर हाइकोर्ट सख्त और गंभीर दिख रहा है। वह 14 अक्तूबर तक राज्य सरकार को एक और मौका देने का संकेत दे रहा है। कोरोना महामारी को देखते हुए राज्य सरकार ने 2020 में उन नगर निकायों में चुनाव कराने में असमर्थता जतायी थी, जिनका कार्यकाल समाप्त हो गया था। उसके बाद धीरे-धीरे राज्य के लगभग सभी नगर निकायों के कार्यकाल समाप्त हो गये।

मुख्य सचिव अलका तिवारी 30 सितंबर को ही रिटायर कर जायेंगी

डॉ सीपी राधाकृष्णन बने भारत के 15वें उप राष्ट्रपति

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। नवनिर्वाचित उप राष्ट्रपति चंद्रपुरम पोन्नुसामी राधाकृष्णन ने शुक्रवार को 15वें उप राष्ट्रपति पद की शपथ ली। राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने राधाकृष्णन को शपथ दिलायी। 67 साल के सीपी राधाकृष्णन ने ईश्वर के नाम पर अंग्रेजी में शपथ ली। समारोह के बाद राधाकृष्णन ने पूर्व उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ से मुलाकात की। राधाकृष्णन का कार्यकाल 11 सितंबर 2030 तक होगा। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह समेत कई राज्यों के मुख्यमंत्री शामिल हुए।

53 दिन बाद दिखे जगदीप धनखड़ : इस्तीफा देने के 53 दिन बाद पूर्व उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ भी किसी सार्वजनिक कार्यक्रम में नजर आये।

सीएम हेमंत सोरेन ने दी बधाई : मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने देश के 15वें उप राष्ट्रपति पद की शपथ लेनेवाले डॉ सीपी राधाकृष्णन को बधाई दी है। अपने सोशल मीडिया हैंडल पर सीएम ने लिखाः देश के 15वें माननीय उप राष्ट्रपति पद की शपथ लेने के लिए आदरणीय सीपी राधाकृष्णन जी को हार्दिक बधाई, शुभकामनाएं और जोहार। बता दें कि डॉ राधाकृष्णन करीब डेढ़ साल तक झारखंड के राज्यपाल रहे हैं।

सीएम हेमंत भी शामिल होंगे जेसोवा के दीपावली मेले में

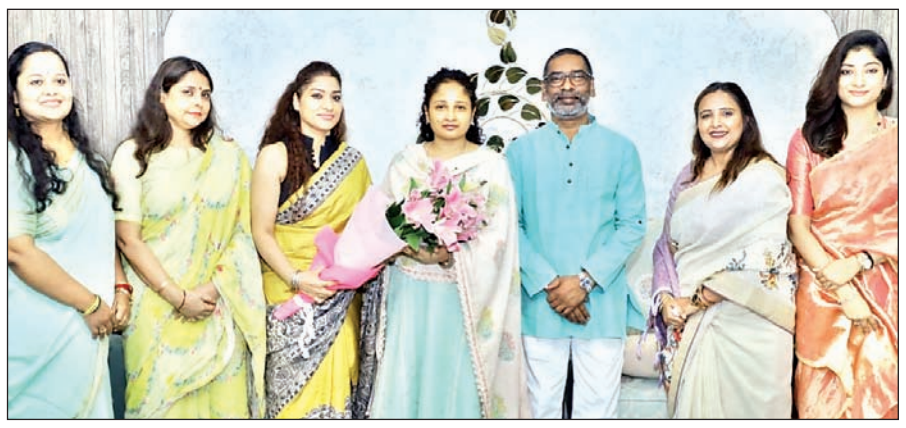

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन इस बार भी झारखंड आइएएस ऑफिसर्स वाइव्स एसोसिएशन (जेसोवा) के दीपावली मेले में शामिल होंगे। यह मेला मोरहाबादी मैदान में नौ से 13 अक्टूबर तक आयोजित किया जायेगा। जेसोवा के प्रतिनिधि मंडल ने शुक्रवार को सीएम हेमंत सोरेन और उनकी पत्नी सह विधायक कल्पना सोरेन से मुलाकात की और उन्हें दीपावली मेला में सपरिवार सम्मिलित होने के लिए आमंत्रित किया। सीएम और कल्पना सोरेन को प्रतिनिधि मंडल की सदस्यों ने मेले के दौरान आयोजित होनेवाले विभिन्न कार्यक्रमों की भी जानकारी दी। सदस्यों ने जेसोवा द्वारा किये जा रहे सामाजिक कल्याण से जुड़े कार्यों, कार्यक्रमों और गतिविधियों की भी जानकारी मुख्यमंत्री को दी। प्रतिनिधि मंडल में जेसोवा की अध्यक्ष प्रीति कुमारी, सचिव मनु झा, कोषाध्यक्ष शिवानी सिंह, कार्यकारिणी समिति सदस्य रंजना कुमार और ज्योति मंजू शामिल थीं।

BABU DINESH SINGH UNIVERSITY
(Established Under Government of Jharkhand Act-06, 2023 & Section 2(f) of the UGC Act, 1956, Member of AIU, Delhi)
BEST PRIVATE UNIVERSITY IN JHARKHAND
10000+ BOOKS AVAILABLE IN LIBRARY
150+ QUALIFIED, EXP. & MOTIVATED FACULTY
150+ ACRE CAMPUS
Where dreams BECOME REALITY
300+ RESIDES IN BOYS & GIRLS HOSTEL
1500+ REGISTERED ALUMNI
LABS WITH MODERN TOOLS & EQUIPMENTS
RAGGING FREE CAMPUS
CAREER-ORIENTED PG/UG/DIPLOMA PROGRAMMES
Programs Approved by AICTE & Apex Bodies
ADMISSION OPEN SESSION 2025-26
Faculty of Engg. & Tech
B.Tech
Civil Engineering
Electrical and Electronic Eng.
Computer Science & Eng.
CSE (Artificial Intelligence)
CSE (Cyber Security)
Polytechnic / Diploma
Civil Engineering
Mechanical Eng.
Electrical and Electronic Eng.
Computer Science & Eng.
Electrical Engineering
Faculty of Law
LL.B. B.A. LL.B. B.B.A. LL.B
Faculty of Management
Bachelor of Business Administration (BBA)
Master of Business Administration (MBA)
Faculty of Information Tech.
Bachelor of Computer Application (BCA)
Master of Computer Application (MCA)
Post Graduation in Computer Application (PGDCA)
Faculty of Education
Bachelor of Elementary Education (B.Ed)
Diploma of Elementary Education (D.El.Ed.)
M.A (Education)
Faculty of Arts & Social Science
B.A (Hindi) B.A (English) B.A (Sanskrit)
B.A (Economics) B.A (Psychology)
B.A (Sociology) M.A (Hindi) M.A (English)
M.A (Sanskrit) M.A (Economics)
M.A (Psychology) M.A (Sociology)
Faculty of Pharmacy
Diploma in Pharmacy (D.Pharm)
Bachelor of Pharmacy (B.Pharm)
Faculty of Dental Science
Bachelor of Dental Surgery (BDS)
Master of Dental Surgery (MDS)
Faculty of Homeopathy
Bachelor of Homeopathic Medicine & Surgery- BHMS
M.D Homeopathy B.Sc Medical Pathology
B.Sc Medical Biochemistry B.Sc Medical Microbiology
M.Sc Medical Microbiology
M.Sc Medical Biochemistry
Faculty of Nursing & Allied Health Science
Bachelor of Science in Nursing (B.Sc. Nursing)
General Nursing and Midwifery (GNM)
Auxiliary Nurse Midwives (ANM)
Paramedical
OT DMLT ECG X-RAY
Medical in Sanitary Inspector
Medical in Ophthalmic Assistant
Medical in Certificate in Dresser
Library Science
B.Lib.I.Sc. M.Lib.I.Sc
Faculty of Science
B.Sc. (Mathematics) B.Sc. (Chemistry) B.Sc. (Physics)
B.Sc. (Botany) B.Sc. (MLT) B.Sc. (Zoology)
B.Sc. (Pathology) B.Sc. (Biochemistry) B.Sc. (Microbiology)
M.Sc. (Mathematics) M.Sc. (Chemistry) M.Sc. (Physics)
M.Sc. (Botany) M.Sc. (Zoology) M.Sc. (Physiology)
M.Sc. (Biochemistry) M.Sc. (MLT) M.Sc (Microbiology)
Faculty of Commerce
B.Com M.Com
TRANSPORT FACILITIES
HOSTEL FACILITIES
LUSH GREEN CAMPUS
WI-FI CAMPUS
WORLD CLASS INFRASTRUCTURE
100% PLACEMENT ASSISTANCE
Admission Helpline: 9661462506, 6206297213, 9934688493
Farathiya, Garhwa-822114, Jharkhand
https://bdsu.ac.in/

नये विवाद में कांग्रेस, पीएम की मां का एआइ वीडियो पोस्ट किया

एआइ से बनी वीडियो में पीएम की मां को कहते हुए बतायाः राजनीति के लिए कितना गिरोगे

आजाद सिपाही संवाददाता

पटना। बिहार में वोटर अधिकार यात्रा के दौरान पीएम नरेंद्र मोदी को मां की गाली देने पर मचे बवाल के बाद बिहार कांग्रेस ने अपने एक्स हैंडल पर एक एआइ जेनरेटेड वीडियो पोस्ट किया है। इस वीडियो के बाद बिहार में सियासी पारा चढ़ गया है। 36 सेकेंड के इस वीडियो में पीएम मोदी से मिलते शख्स और उनकी दिवंगत मां हीराबेन से मिलती-जुलती महिला को दिखाया गया है। वीडियो के कैप्शन में लिखा है, साहब के सपनों में आयीं मां।

देखिये रोचक संवाद। गुरुवार रात शेयर हुए इस वीडियो में दिखाया गया है कि प्रधानमंत्री के सपने में उनकी मां आकर कह रही हैं कि राजनीति के लिए कितना गिरोगे। भाजपा ने इस वीडियो को प्रधानमंत्री और उनकी मां के खिलाफ आपत्तिजनक बताते हुए कांग्रेस पर हमला किया है। भाजपा का आरोप है कि कांग्रेस ने राजनीतिक बहस का स्तर गिरा कर सारी हदें पार कर दी हैं। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा, राहुल गांधी अब इतना नीचे गिर गये हैं। जैसे उनकी नकली मां है। जिन्हें अपनी मां की इज्जत का ख्याल नहीं है। वह दूसरे की मां को कहां से सम्मान देंगे। इससे 12 घंटे पहले बिहार भाजपा के हैंडल से एक एआइ जेनरेटेड वीडियो शेयर किया गया था, जिसमें राहुल गांधी और तेजस्वी यादव को मीडिया से बात करते हुए दिखाया गया। वीडियो में सीएम फेस को लेकर सवाल हो रहा है। इसके बाद राहुल के पीएम बनने और तेजस्वी के सीएम बनने पर दोनों बहस करते दिखाई दे रहे हैं।

नेपाल में संसद भंग, सुशीला कार्की अंतरिम प्रधानमंत्री

पांच दिन की हिंसा में एक भारतीय समेत 51 लोगों की मौत

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल में अंतरिम सरकार के गठन पर सहमति बनने की खबर है। देश की पहली महिला मुख्य न्यायाधीश रहीं सुशीला कार्की को अंतरिम पीएम नियुक्त किया गया है। शुक्रवार को राष्ट्रपति राम चंद्र पौडेल के साथ सेना प्रमुख जनरल अशोक राज सिग्देल की मौजूदगी में जेनरेशन-जी के नेतृत्वकर्ताओं ने एक बैठक की थी। इसमें पूर्व मुख्य न्यायाधीश सुशीला कार्की को अंतरिम सरकार का प्रमुख बनाने पर सहमति बनी थी। राष्ट्रपति ने संसद को भंग कर दिया है। दिन भर

चली बातचीत के दौरान मौजूदा संसद को भंग करने या न करने पर गंभीर गतिरोध हुआ।

इस बीच छह दिन से जारी हिंसा में अब तक होटल उद्योग को 16 अरब भारतीय रुपये) का नुकसान हुआ है। हिंसा में मरने वालों का आंकड़ा 51 पहुंच गया है, जबकि 1500 से ज्यादा लोग घायल हैं। विरोध प्रदर्शन के पांचवें दिन 17 मौतों की पुष्टि हुई। इनमें गाजियाबाद की रहने वाली एक भारतीय महिला भी शामिल है।

आजाद सिपाही
रांची, शनिवार, 13 सितंबर, 2025
www.azadsipahi.in

भारत विरोधी ताकतों की नजर सिलीगुड़ी कॉरिडोर यानी 'चिकन नेक कॉरिडोर' पर

- पड़ोसी देशों में हालिया घटनाओं से भारत को सतर्क रहने की जरूरत
- कट्टरपंथी 'चिकन नेक कॉरिडोर' को कमजोर करने की साजिश रच रहे
- कालादान प्रोजेक्ट मजबूती देगा भारत की कमजोर कड़ी को
- असम के सीएम हिमंता ने भी चेताया, स्थानीय नागरिकों को भड़काने की कोशिश लगातार हो रही

विश्व में, खासकर भारत के पड़ोसी देशों में हो रहे हालिया घटनाक्रमों को देखते हुए भारत को सतर्क रहने की जरूरत है। भारत विरोधी कई ऐसी ताकतें हैं, जो भारत को अस्थिर करने की जुगत में हैं। पहले श्रीलंका, फिर बांग्लादेश और अब नेपाल की घटना कई सवालों को जन्म देती हैं। विशेषज्ञों की मानें, तो दुनियाभर में जो सरकारें गिर रही हैं, युद्ध हो रहे हैं, उनके पीछे अमेरिकी सरकार से ज्यादा डीप स्टेट का एजेंडा छिपा हुआ है। जानकारों की मानें तो भारत का लोकतंत्र बहुत मजबूत है। भारत संविधान से चलता है। मोदी सरकार बेहतरीन काम कर रही है। भारत का नेतृत्व मजबूत हाथों में है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी सरकार भारत को मजबूत स्थिति में लाने का निरंतर प्रयास कर रही है। भारत हर मोर्चे पर मजबूत होता दिखाई पड़ता है, चाहे आर्थिक हो या फिर सुरक्षा। रह-रह कर भारत को अशांत करने के लिए कई सारे आंदोलन भी खड़े किये गये और भविष्य में जाते रहेंगे। उसके पीछे गहरी साजिश का भी अनुभव सरकार को हुआ। सामाजिक स्तर पर भी कई बार भारत विरोधी शक्तियों ने मोदी सरकार को निशाने पर लेने की कोशिश की, लेकिन हर बार विफल रही। पुलवामा हमला भी उसी साजिश की रणनीति थी, जहां धर्म पूछकर हिंदुओं को गोलियों से भून दिया गया था। नतीजा युद्ध हुआ और भारत ने पाकिस्तान को धूल चटा दी। भारत ने विश्व को अपनी ताकत से भी अवगत कराया। जो शक्तियां भारत को कमजोर आंक रही थी, उनका मुंह काल हो गया। लेकिन ये शक्तियां लगातार इसी प्रयास में हैं कि भारत को कैसे अशांत किया जाये। भारत बड़ी आबादी वाला बड़ा देश है। यहां भारत विरोधी शक्तियां राज्यों के हिसाब से भारत को अशांत करने के लिए प्रयासरत रहेंगी। हालिया घटनाक्रमों पर अगर नजर डाली जाये, तो भारत विरोधी ताकतों की नजर भारत की कमजोर कड़ी पर है। वह है सिलीगुड़ी कॉरिडोर यानि 'चिकन नेक कॉरिडोर'। अगस्त महीने में असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने दावा किया था कि बांग्लादेशी कट्टरपंथी चिकन नेक कॉरिडोर को कमजोर करने की साजिश रच रहे हैं। इसके लिए वे उन भारतीय नागरिकों को भड़काने का प्रयास कर रहे हैं, जो कभी बांग्लादेश से पलायन कर भारत आये थे। हिमंता ने कहा था कि धुबरी की स्थिति चिंताजनक है, यहां बांग्लादेशी कट्टरपंथियों का एक वर्ग स्थानीय लोगों को भड़काने और उन्हें बांग्लादेश के प्रति निष्ठा दिखाने के लिए प्रोत्साहित करने की कोशिश कर रहा है, जबकि वे बहुत पहले वहां से पलायन कर चुके हैं। क्या है यह चिकन नेक कॉरिडोर और इसपर क्यों है भारत विरोधी ताकतों की नजर बता रहे हैं **आजाद सिपाही के संपादक राकेश सिंह।**

राकेश सिंह
संपादक

भारत के नक्शे में पतले से रास्ते के तौर पर दिखने वाला रूट ही चिकन नेक कहलाता है। यह पश्चिम बंगाल में है। संकरे रूट के रूप में दिखने और संवेदशील क्षेत्र होने के कारण ही इसे चिकन नेक कहते हैं। चिकन नेक पूर्वोत्तर भारत के सात राज्यों अरुणाचल प्रदेश, असम, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नागालैंड, सिक्किम और त्रिपुरा को शेष भारत से जोड़ने वाला एकमात्र भूभाग है। इसे सिलीगुड़ी कॉरिडोर भी कहा जाता है। यह भारत के पश्चिम बंगाल में एक पतला भूभाग है, जो उत्तर-पूर्वी राज्यों को देश के बाकी हिस्सों से जोड़ता है। यह क्षेत्र भौगोलिक और रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण है। यह कॉरिडोर अपने सबसे संकरे बिंदु पर केवल 22 किलोमीटर चौड़ा है और इसकी सीमा उत्तर-पश्चिम में नेपाल और उत्तर-पूर्व में भूटान से लगती है। सिलीगुड़ी कॉरिडोर का महत्व इसकी रणनीतिक स्थिति में निहित है, क्योंकि यह एकमात्र ऐसा भू-मार्ग है, जो भारत के उत्तर-पूर्वी राज्यों को देश के बाकी हिस्सों से जोड़ता है। सिलीगुड़ी कॉरिडोर पूर्वोत्तर राज्यों के शेष भारत के साथ आर्थिक (व्यापार के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह उनके बीच एकमात्र रेलवे माल ढुलाई लाइन है) और राजनीतिक एकीकरण के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। भारत का यह पूर्वोत्तर भाग भूटान, चीन, म्यांमार और बांग्लादेश के साथ सीमा साझा करता है। यह क्षेत्र तेल, गैस और खनिजों सहित प्राकृतिक संसाधनों से समृद्ध है। यहां विविध जातीय और भाषाई समूह रहते हैं। सुरक्षा के लिहाज से ये इलाका काफी संवेदनशील है।

चिकन नेक क्षेत्र में भारतीय सेना, वायुसेना और सीमा सुरक्षा बल की मजबूत मौजूदगी है। इस इलाके में भारत की मिसाइलें, एडवांस रडार और अन्य सुरक्षा प्रणाली तैनात हैं, जो भारत की पूर्वी सीमा को सुरक्षित रखने का कार्य करती हैं। इसके अलावा असम राइफल्स और बंगाल पुलिस भी सीमाओं का सरंक्षण करती है। भारतीय सेना की त्रिशक्ति कोर इस महत्वपूर्ण क्षेत्र की रक्षा करने की जिम्मेदारी निभा रही है।

बांग्लादेश ने चीन को लालमोनिरहाट जिले में एयरबेस बनाने का प्रस्ताव दिया था

बांग्लादेश की अंतरिम सरकार में चीफ एडवाइजर मोहम्मद यूनुस जब मार्च महीने में चीन के दौरे पर गये थे, वहां उन्होंने बांग्लादेश में आर्थिक निवेश बढ़ाने को कहा और चिकन नेक का जिक्र किया था। इसके बाद से कॉरिडोर की सुरक्षा को लेकर नयी बहस छिड़ गयी है। बांग्लादेश की चीन से करीबी सिलीगुड़ी कॉरिडोर के लिए बड़ा खतरा है। भारत की चिकन नेक पर बांग्लोदश और चीन के इरादे नेक नहीं हैं। बांग्लादेश के मुखिया मोहम्मद यूनुस की चीन की यात्रा से उनके नापाक मंसूबे सामने आये थे। उन्होंने चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग को भारत की सीमा के करीब लालमोनिरहाट जिले में एयरबेस बनाने का प्रस्ताव दिया था। लालमोनिरहाट भारत के चिकन नेक कॉरिडोर के पास है। अब इसी की काट भारत ने तैयार कर ली है। उसने कालादान प्रोजेक्ट को तेजी से पूरा करने के लिए कमर कस ली है।

कालादान प्रोजेक्ट

क्या लालमोनिरहाट में चीन अपना एयरबेस बना रहा है, यह सवाल फिलहाल चर्चा का विषय बना हुआ है। अगर यह प्रोजेक्ट पूरा होता है, तो इसका सीधा सा मतलब है कि चिकन नेक और भारत की सुरक्षा खतरे में पड़ सकती है। चीनी सेना यहां पहुंचती है, तो वह पश्चिम बंगाल के करीब पहुंच जायेगी, यानी भारत के आसपास के इलाके में उसकी मौजूदगी मजबूत हो जायेगी। बांग्लादेश के लालमोनिरहाट के एक एयरबेस को लेकर पिछले कई दिनों से चर्चा तेज है कि बांग्लादेश इसे फिर से सक्रिय करने पर विचार कर रहा है। ऐसे में जब अगस्त महीने में भारत की लोकसभा में इससे संबंधित सवाल किया गया था, तो केंद्र सरकार ने अपनी प्रतिक्रिया दी थी। संसद में विदेश राज्यमंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने कहा था कि भारत ने इस विषय पर बांग्लादेश की हालिया प्रेस ब्रीफिंग का संज्ञान लिया है। मंत्री ने कहा कि भारत सरकार राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े हर घटनाक्रम पर पैनी नजर रख रही है और जरूरत के अनुसार सभी जरूरी कदम उठाये जा रहे हैं। हालांकि 26 मई को बांग्लादेश सेना के सैन्य संचालन निदेशक ने कहा था कि लालमोनिरहाट एयरबेस को सैन्य उद्देश्यों के लिए उपयोग में लाने की कोई योजना नहीं है।

अब समझिए क्यों खास है लालमोनिरहाट एयरबेस

गौरतलब है कि लालमोनिरहाट एयरबेस भारत-बांग्लादेश सीमा से केवल 12-20 किलोमीटर और सिलीगुड़ी कॉरिडोर से करीब 135 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। यह एयरबेस ब्रिटिश काल में 1931 में बना था और द्वितीय विश्व युद्ध के समय काफी अहम भूमिका निभा चुका है। फिलहाल यह बांग्लादेश वायुसेना के अधीन है, लेकिन कई दशकों से निष्क्रिय पड़ा है।

क्या है कालादान प्रोजेक्ट के पीछे भारत की सोच

कालादान प्रोजेक्ट को भारत ने अंजाम तक पहुंचाने की पूरी तैयारी कर ली है और हाल ही में इस पर म्यांमार के अधिकारियों के साथ चर्चा तेज कर दी है। दरअसल, चीन और बांग्लादेश की जुगलबंदी से चिकन नेक को लेकर भविष्य में चुनौती खड़ी करने की कोशिश हो सकती है। ऐसे में भारत ने समंदर के रास्ते भी पूर्वोत्तर के राज्य से जोड़ने का वैकल्पिक रास्ता तैयार करना शुरू कर दिया है। भारत और म्यांमार के बीच स्थित कालादान मल्टी-मॉडल ट्रांजिट ट्रांसपोर्ट प्रोजेक्ट केवल एक इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट नहीं है, बल्कि यह भारत की भू-राजनीतिक रणनीति का अहम हिस्सा है। यह परियोजना भारत के लिए सामरिक, आर्थिक और रणनीतिक दृष्टिकोण से अत्यंत महत्वपूर्ण है, खासकर उस समय जब चीन अपने पड़ोसी देशों में गहरी घुसपैठ कर रहा है और बांग्लादेश जैसे पुराने सहयोगी देश भी अब चीन के प्रभाव में हैं।

सित्तवे पोर्ट पर भारत का नियंत्रण, जो बनेगा अहम

भारत ने म्यांमार के सित्तवे पोर्ट का निर्माण किया और उसका ऑपरेशनल कंट्रोल भारत के पास है। इस पोर्ट को भारत के लिए चीन के कयाकफ्यू पोर्ट के जवाब के रूप में देखा जा रहा है। इससे न केवल भारत की नौसैनिक पहुंच म्यांमार तक बढ़ती है, बल्कि पूर्वोत्तर राज्यों के लिए एक सुरक्षित सप्लाई चेन भी बनती है।

भारत ने खत्म की पुरानी व्यवस्था, जानिए वजह

दरअसल, बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस ने मार्च महीने में चीन का दौरा किया था। वहां उन्होंने भारत के पूर्वोत्तर राज्यों पर टिप्पणी की थी। उन्होंने कहा था कि भारत के पूर्वोत्तर राज्य लैंड लॉक्ड (जमीन से घिरे हुए) हैं और समुद्र तक उनकी पहुंच का एकमात्र रास्ता बांग्लादेश है। यूनुस ने चीन को बांग्लादेश की स्थिति का लाभ उठाने के लिए आमंत्रित किया था। मोहम्मद यूनुस ने चीन में जिनपिंग सरकार को भारत के बॉर्डर के करीब लालमोनिरहाट जिले में एयरबेस बनाने का प्रस्ताव दिया था। रणनीतिक तौर पर लालमोनिरहाट बेहद संवेदनशील है। यह चिकन नेक कॉरिडोर के पास है, जो भारत के प्रमुख हिस्से को पूर्वोत्तर के राज्यों से जोड़ने का काम करता है। सुरक्षा के लिहाज से इसे बेहद खास माना जाता है। यूनुस की यह टिप्पणी भारत को नागवार गुजरी थी। इसके बाद दोनों देशों के बीच राजनयिक तनाव भी देखने को मिला था।

असम के मुख्यमंत्री चिकन नेक कॉरिडोर को लेकर मुखर

अगस्त महीने में एक प्रेस कांफ्रेंस के दौरान असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने दावा किया था कि बांग्लादेशी कट्टरपंथी चिकन नेक कॉरिडोर को कमजोर करने की साजिश रच रहे हैं। उन्होंने कहा कि धुबरी जिले में दीवारों पर बांग्लादेश के समर्थन में नारे लिखे गये, जिससे स्थानीय नागरिकों को भड़काने की कोशिश हो रही है। उन्होंने बताया कि हाल ही की यात्रा के दौरान उन्होंने दीवारों पर लिखे ऐसे नारे देखे, जिनमें लोगों से बांग्लादेश के प्रति निष्ठा दिखाने की अपील की गयी थी।

पीएम मोदी का मणिपुर दौरा कई मायनों में अहम

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। जातीय हिंसा के दो साल बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को मणिपुर का दौरा करने जा रहे हैं। पीएम मोदी का यह दौरा कई मायनों में अहम माना जा रहा है, क्योंकि, विपक्षी दल लगातार प्रधानमंत्री की चुप्पी पर आलोचना करते आ रहे थे। पीएम मोदी के इस दौरे को निर्धारित करने में कई तरह की रणनीति बनायी गयी है। पीएम मोदी के दौरे को लेकर सुरक्षा व्यवस्था पर सबसे अधिक फोकस किया गया है। इस बीच प्रमुख कुकी-जो समूहों ने भी प्रधानमंत्री के मणिपुर दौरे का स्वागत किया है और इसे ऐतिहासिक और दुर्लभ अवसर बताया है। बता दें कि मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह के इस्तीफे के बाद फरवरी से मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लागू है।

दो विरोधी जातियों के बीच सहमति नहीं बनने के कारण यात्रा टलती रही : पीएम मोदी की मणिपुर यात्रा से पहले कई अहम कदम उठाये गये। रिपोर्ट के मुताबिक पीएम की यह यात्रा संसद के मानसून सत्र से पहले करने की तैयारी थी। लेकिन राज्य की दो विरोधी जातियों के बीच सहमति नहीं बन पाने के कारण यह यात्रा फाइनल नहीं हो सकी। इसके बाद फिर सरकार और कुकी समुदाय के बीच लगातार बैठकें हुईं। जिसका परिणाम यह हुआ कि कुकी समुदाय के साथ कुछ अहम मुद्दों पर बात बन गयी। इसके तहत कुकी समुदाय के जो संगठनों कुकी नेशनल आर्गेनाइजेशन (केएनओ) और यूनाइटेड पीपुल्स फ्रंट (यूपीएफ) ने अगले एक साल के लिए सभी ऑपरेशन निलंबित करने पर सहमति दे दी। इसके साथ ही कुकी और जो समुदायों से जुड़े कुकी-जो परिषद ने राष्ट्रीय राजमार्ग-2 को यात्रियों और आवश्यक वस्तुओं की मुक्त आवाजाही के लिए खोलने का फैसला किया। राष्ट्रपति शासन के बाद से लगातार शांति स्थापित करने की कोशिश ।

इस साल 13 फरवरी को मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लागू करने के बाद किये गये सतत प्रयासों और पिछले तीन-चार दिनों से गृह मंत्रालय के अधिकारियों के साथ केएनओ और यूपीएफ के प्रतिनिधियों की सघन बातचीत के बाद त्रिपक्षीय समझौते पर सहमति बनी थी। इस समझौते के बाद ही पीएम मोदी की यात्रा फाइनल की गयी। यह समझौता एक साल के लिए लागू होगा। गौरतलब है कि इन कुकी गुटों के साथ 2008 में ही एसओएस पर समझौता हुआ था, जिसे हर साल बढ़ाया जा रहा था। लेकिन हिंसा के कारण 2024 में इसे बढ़ाया नहीं गया था और अब नयी शर्तों के साथ एसओएस पर समझौता हुआ है।

पीएम के लिए चुराचांदपुर जिला क्यों चुना गया

मणिपुर के चुराचांदपुर का चयन इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि यह जिला हिंसा से सबसे अधिक प्रभावित जिलों में से एक था, जिसमें कम से कम 260 लोगों की जान चली गयी और हजारों लोग विस्थापित हो गये। प्रेस कॉन्फ्रेंस में मुख्य सचिव पुनीत कुमार गोयल ने बताया कि प्रधानमंत्री इंफाल के चुराचांदपुर में आंतरिक रूप से विस्थापित लोगों से बातचीत करेंगे। वे कांगला में जनसभा को संबोधित करेंगे। पीएम की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए सरकार ने चुराचांदपुर जिले में एयर गन पर बैन लगा दिया है। यहां चप्पे-चप्पे पर पुलिस की तैनाती रहेगी। प्रधानमंत्री चूड़ाचांदपुर से लगभग 2.30 बजे मणिपुर की राजधानी इम्फाल जायेंगे, यहां वह 1,200 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का उद्घाटन करेंगे और एक सार्वजनिक समारोह को भी संबोधित करेंगे।

हमारे घावों को भरने, हमारी गरिमा को बहाल करने...

प्रमुख कुकी-जो समूहों ने भी प्रधानमंत्री के मणिपुर दौरे का स्वागत किया है और इसे ऐतिहासिक और दुर्लभ अवसर बताया है। समुदाय का प्रतिनिधित्व करने वाले संगठनों में से एक कुकी-जो काउंसिल ने दावा किया कि मोदी का यह दौरा किसी प्रधानमंत्री के इस क्षेत्र में आने के लगभग चार दशक बाद हो रहा है। काउंसिल ने मोदी के दौरे का उल्लेख करते हुए कहा, हमारे घावों को भरने, हमारी गरिमा को बहाल करने और कुकी-जो लोगों के भविष्य की सुरक्षा के लिए हम आपके नेतृत्व पर भरोसा करते हैं। कुकी-जो समुदाय का प्रतिनिधित्व करने वाले कई अन्य संगठनों ने भी प्रधानमंत्री के दौरे की सराहना की, लेकिन उनके स्वागत में नृत्य कार्यक्रम की योजना का विरोध किया।

आजाद सिपाही | झारखंड में सबसे ज्यादा देखा जाने वाला चैनल
200000 Subscribers
VIEWERSHIP 5 Crore 90 lakh+
12 Crore + Watch Time (min)
YouTube Channel
Subscribe NOW

वेदर

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
रांची	31.1 ℃	23.6 ℃
सूर्यास्त (आज)	:	17.56 बजे
सूर्योदय (कल)	:	05.34 बजे

आजाद सिपाही
रांची, शनिवार, 13 सितंबर, 2025
www.azadsipahi.in

सरकारी सुविधा मिली तो बिरहोर परिवारों में लौटी खुशियां

- राष्ट्रपति पुरस्कार से पुरस्कृत शिक्षक स्व कृष्णा सिंह की रही है बड़ी भूमिका
- आंगनबाड़ी केंद्र और नवसृजित प्राथमिक स्कूल खुलने के बाद बिरहोर बच्चे हो रहे शिक्षित
- अब आय का श्रोत बढ़ाने के लिए लाठी, दातून, कृषि, जड़ी-बूटी बाजार में बेचती हैं बिरहोर महिलाएं
- आवास का लाभ मिले तो जर्जर आवास में रहने से मिल सकता है छुटकारा
- हाल : नगर परिषद के वार्ड दो स्थित झरनाकुंड बिरहोर कॉलोनी का
- झरनाकुंड आंगनबाड़ी केंद्र में सहायिका का काम कर रही मिनिता बिरहोरिन बनी आदर्श

सतीश कुमार

कोडरमा (आजाद सिपाही)। लुप्तप्राय आदिम जाति बिरहोर परिवार को सरकारी सुविधा मिली तो उनकी दशा में भी भारी बदलाव देखने को मिलने लगा है। अब समाज की मुख्य धारा से जुड़कर महिलाएं बच्चों को पास के स्कूल भेज रही हैं। वह भी शिक्षा के महत्व को समझने लगी हैं। इसके अलावा रहन- सहन, खान - पान, शराब से तौबा करने, आय का श्रोत बढ़ाने के लिए खेती - बारी, दातून, लाठी, पत्ता, जड़ी-बूटी बेचने का कार्य कर रही हैं। अधिकांश विरहोर

परिवार आखेट, दातून, जड़ी-बूटी पर निर्भर हैं। कुछ बच्चे को छोड़ पूरे बदन वस्त्र पहनते हैं,जो साफ-सुथरा भी रहता है। पर बिरहोर परिवारों के लिए सरकार द्वारा झरनाकुंड में मुहैया कराये गये बिरसा आवास जर्जर हो गये हैं, चार चापाकल में दो खराब हैं। दो चापाकल चालू हालत में है, जिसके सहारे पानी पीते हैं।

42 परिवार के 250 सदस्य करते हैं निवास : करीब 42 बिरहोर परिवार यहां निवास करते हैं। इनमें करीब 250 सदस्य हैं। लेकिन खानाबदोश की जिंदगी गुजारने वाले इस परिवार का सही-सही आकलन करना मुश्किल है।

मिनिता बिरहोरिन है सहायिका आंगनबाडी केंद्र की सहायिका मिनिता बिरहोरिन है और वह पढ़ना-लिखना भी जानती है। साक्षरता के मामले में बिरहोरों की स्थिति में अब सुधार हो रहा है। केंद्र में 43 विरहोर बच्चे क से कबूतर, ख से खरगोश, ग से गमला....., ए से एप्पल, बी से बॉल...., एक, दो, तीन ,चार.....पढ़ते नजर आते हैं।

नवसृजित प्राथमिक स्कूल में भी बच्चे अध्ययनरत : नवसृजित प्राथमिक स्कूल झरनाकुंड में बिरहोर बच्चे अध्ययनरत हैं। ये बच्चे अब सिलेबस की किताबों को अध्यन कर रहे हैं। इसके लिए सरकारी शिक्षक उपलब्ध कराये गये हैं।

शिक्षक स्व कृष्णा सिंह की रही है बड़ी भूमिका

बिरहोर कॉलोनी के बच्चों को शिक्षा के जरिए समाज की मुख्य धारा में जोड़ने के लिए राष्ट्रपति पुरस्कार से पुरस्कृत स्व कृष्णा सिंह की बड़ी भूमिका रही है। कभी पैदल, तो कभी साइकिल से बिरहोर कॉलोनी पहुंचते और बिरहोर बच्चों को शिक्षा ग्रहण कराते। तब सही से आवागमन की भी बढ़िया से व्यवस्था नहीं रहती थी। अब तो पक्की रोड बन गयी है। उस वक्त उनके लिए फटेहाली, तंगहाली का दौर था और पूरी तरह समाज से कटे रहते थे। जंगल ही तब आय का मुख्य श्रोत था।

क्या कहती हैं पोषण सखी और सहायिका ?

आंगनबाड़ी केंद्र की सहायिका मिनिता बिरहोरिन और पोषण सखी मुन्नी देवी बताती है कि केंद्र और प्राथमिक स्कूल खाने के बाद शिक्षा के प्रति गहरा लगाव हुआ है। बच्चे आंगनबाड़ी केंद्र और प्राथमिक स्कूल में अध्ययनरत हैं। इनके रहन - सहन, खान-पान में बड़ा सुधार हुआ है। नयी पीढ़ी शराब को तौबा कर रहे हैं। कुछ बुजुर्ग लोग इसके आदि हैं। महिलाएं बाजार में जड़ी-बूटी, पत्ता, लाठी, दातून बेच आय बढ़ाने में जुटी हैं।

राज्य में बालू घाटों को माफियाओं के हवाले करने की साजिश : बाबूलाल

बालू घाटों का अधिकार ग्राम सभा को दे राज्य सरकार

लूटने और लुटवाने की मंशा रखने वाले पदाधिकारी, सचिव जायेंगे जेल

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने राज्य सरकार पर फिर एकबार निशाना साधा है। मरांडी ने राज्य के 500 से अधिक बालू घाटों की नीलामी के संबंध में राज्य सरकार द्वारा बनाये गये नियमावली पर सरकार को घेरा। उन्होंने कहा ऐसा लगता है नियम माफिया, दलाल, बिचौलिए बना रहे और राज्य के मंत्री और वरीय पदाधिकारी उस पर आंख मूंद कर हस्ताक्षर कर रहे। उक्त बातें बाबूलाल मरांडी शुक्रवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में कहीं।

उन्होंने कहा कि ऐसा अगर नहीं होता तो फिर राज्य सरकार जो स्थानीय युवकों, बेरोजगारों को निजी संस्थानों में 75 प्रतिशत नौकरी दिलाने, 25 लाख तक के ठेका-पट्टा स्थानीय युवकों, बेरोजगारों को देने की बात करती है, वही सरकार बालू घाटों की नीलामी, बंदोबस्ती के लिए ऐसा नियम बनाती है जिसमें गरीब, बेरोजगार, आदिवासी, दलित पिछड़े वर्ग के लोग भाग ही नहीं ले सकें। उन्होंने कहा कि आज भले ही उच्च न्यायालय ने पेसा कानून नहीं लागू किये जाने के कारण बालू घाटों की नीलामी पर रोक लगायी है लेकिन राज्य सरकार की मंशा स्पष्ट हो गयी कि यह सरकार ग्राम सभा को अधिकार नहीं देना चाहती है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने बालू घाटों को जिला स्तर पर समूह में बांटा है। जैसे गोड्डा जिला में 16 घाट ए समूह में हैं, जामताड़ा में 15 घाट ए में और 5 घाट बी समूह में, दुमका जिला में 14 घाट ए,12 बी और 5 सी में, सरायकेला के 4 ए 7 बी, पूर्वी सिंहभूम के 3 ए और 2 बी, उसी प्रकार गिरिडीह जिला में 3 घाट ए, 2 घाट बी, 3 घाट सी, 6 घाट डी और 2 घाट इ समूह में शामिल हैं। उन्होंने कहा कि इसमें भी लूट का बड़ा खेल रचा गया है। पहले तो नीलामी की निविदा में आवेदन के लिए 15 करोड़ रुपये प्रतिवर्ष के टर्नओवर का शर्त लगायी गयी। ठीक उसी प्रकार जैसे कि शराब ठेका के लिए 25 लाख रुपये के नॉन रिफंडेबल शुल्क निर्धारित किया गया था। उन्होंने कहा कि सरकार को पहले ही पत्र लिखकर चेताया था लेकिन बात नहीं मानने का परिणाम है कि राज्य के एक वरीय आइएएस अधिकारी, सचिव जेल में हैं। इस मौके पर मीडिया प्रभारी शिवपूजन पाठक प्रवक्ता प्रदीप सिन्हा उपस्थित थे।

भाजपा का आरोप बेबुनियाद, बालू घाट प्रबंधन में पारदर्शिता लाने को प्रतिबद्ध हेमंत सरकार : विनोद पांडेय

बाबूलाल मरांडी निराधार आरोपों के बजाय राज्य के विकास में रचनात्मक सुझाव दें

हेमंत सोरेन सरकार ने बालू घाटों के लिए जो नयी नियमावली बनायी है, उसका मकसद पारदर्शिता और अवैध उत्खनन पर रोक लगाना

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड मुक्ति मोर्चा ने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी के आरोपों को नकारते हुए कहा है कि वे तथ्यों से परे और भ्रामक बयान देकर जनता को गुमराह करने की कोशिश कर रहे हैं।

झामुमो महासचिव विनोद पांडेय ने कहा कि हेमंत सोरेन सरकार ने बालू घाटों के प्रबंधन और नीलामी के लिए जो नयी नियमावली बनायी है, उसका मकसद पारदर्शिता और अवैध उत्खनन पर रोक लगाना है। भाजपा शासन में वर्षों तक बालू माफिया बेखौफ सक्रिय रहे, तब बाबूलाल मरांडी ने चुप्पी साधे

रखी थी। अब जब सरकार ने व्यवस्थित व्यवस्था बनायी, तो उन्हें गरीब, आदिवासी और युवाओं की अचानक चिंता होने लगी।

पांडेय ने कहा कि पेसा कानून लागू करने और ग्राम सभा को अधिकार देने के प्रति हेमंत सरकार की प्रतिबद्धता अटूट है। लेकिन प्राकृतिक संसाधनों के दोहन में पारदर्शिता और पर्यावरणीय मानकों का पालन सुनिश्चित करना भी समान रूप से जरूरी है। नयी नीति में समूह आधारित नीलामी से भ्रष्टाचार और बंदरबांट की संभावना खत्म होगी और राजस्व बढ़ेगा, जिससे गांवों के विकास और युवाओं के लिए रोजगार सृजन पर खर्च हो सकेगा।

उन्होंने कहा कि भाजपा नेताओं को यह स्वीकार करना चाहिए कि उनकी पिछली सरकारों के समय बालू घाटों से होने वाली अवैध कमाई ने ही दलालों और माफियाओं को पनपने दिया। हेमंत सरकार ने ऐसी प्रवृत्तियों पर लगाम कसने के लिए कड़े प्रावधान किये हैं। आइएएस अधिकारियों का नाम घसीटना बाबूलाल मरांडी की हताशा को दिखाता है।

झामुमो ने स्पष्ट किया कि राज्य सरकार हर वर्ग के हित में काम कर रही है और बालू घाटों के अधिकार ग्राम सभा के साथ-साथ राज्य के कानूनी ढांचे के तहत ही निर्धारित होंगे। बाबूलाल मरांडी निराधार आरोपों के बजाय राज्य के विकास में रचनात्मक सुझाव दें।

उप राष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन से मुलाकात कर जदयू प्रदेश अध्यक्ष खीरू महतो ने बधाई दी

रांची (आजाद सिपाही)। जदयू के प्रदेश अध्यक्ष और राज्यसभा सांसद खीरू महतो ने नवनिर्वाचित उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन से मुलाकात कर उन्हें बधाई दी। खीरू महतो ने कहा की उपराष्ट्रपति के अनुभव का देश और संसद को लाभ मिलेगा। झारखंड और महाराष्ट्र के राज्यपाल के रूप में उनका कार्यकाल बेहद सराहनीय रहा है, उपराष्ट्रपति के तौर पर हम उनके सार्थक कार्यकाल की कामना करते हैं।

विश्वकर्मा पूजा के दौरान सुरक्षा को लेकर अलर्ट, सभी एसपी को दिया गया टास्क

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। राज्य में विश्वकर्मा पूजा के दौरान सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर आइजी स्पेशल ब्रांच प्रभात कुमार ने रिपोर्ट तैयार कर अलर्ट किया है। सभी जिलों के एसपी को सुरक्षा व्यवस्था को लेकर विभिन्न बिंदुओं पर टास्क दिया गया है। स्पेशल ब्रांच आइजी ने रिपोर्ट में लिखा है कि 17 सितंबर को विश्वकर्मा पूजा के दौरान कई जगहों पर पंडाल बनाकर भगवान विश्वकर्मा की प्रतिमा स्थापित की जाती है। इस कारण भीड़-भाड़ होने की संभावना रहती है। इसके अलावा औद्योगिक प्रतिष्ठान, स्टेशन, बस स्टैंड आदि स्थानों पर धूमधाम से विश्वकर्मा पूजा मनायी जाती है। इस दौरान पूजा के अवसर पर प्रतिमा विसर्जन के दौरान डीजी बजाने या आपत्तिजनक नारेबाजी को लेकर संवेदनशील स्थानों में विवाद या तनाव उत्पन्न होने की संभावना बनी रहती है। रिपोर्ट के अनुसार, ऐसा देखा जाता है कि जुलूस में शामिल बहुत से युवक नशे का सेवन करते हैं तथा उन युवकों द्वारा निर्धारित मार्ग से भिन्न मार्ग में जुलूस लेकर जाने का प्रयास किया जाता है। प्रतिमा विसर्जन के दौरान जलाशयों में निगरानी रखने की आवश्यकता है। इसके अलावा असामाजिक तत्वों द्वारा सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक टिप्पणी कर माहौल को बिगाड़ने का प्रयास भी किया जा सकता है, जिस पर नियंत्रण रखने की आवश्यकता है। स्पेशल ब्रांच ने जिलों के एसपी से पूजा पंडाल व संवेदनशील स्थल के बारे में जानकारी मांगने के साथ-साथ असामाजिक तत्वों के बारे में जानकारी मांगी है, ताकि गतिविधियों पर नजर रखी जा सके।

राशिफल

डॉ एनके बेरा | 9431114351

मेष कुछ संघर्षों के बाद नौकरी-सरकारी कार्यों में आशातीत सफलता मिलेगी।

वृष नये व्यवसाय का आरंभ हो सकता है, परिवार में मांगलिक कार्य संपन्न होगा।

मिथुन आत्मविश्वास की वृद्धि, नये कार्ययोजनाओं के प्रति रुचि बढ़ेगी।

कर्क काम की गति बढ़ेगी, सुख-संसाधनों की वृद्धि, व्यापारिक विस्तार की योजना।

सिंह कामकाज का विस्तार, आप उन्नति के मार्ग की ओर प्रशस्त होंगे, संकल्पित कार्य पूरा होगा।

कन्या बहुत दिनों से चली आ रही इच्छाओं की पूर्ति होगी, व्यवसाय में सफलता।

तुला आमदनी के नये स्रोत बनेंगे, मान-सम्मान, पद-प्रतिष्ठा, धन-ऐश्वर्य की वृद्धि।

वृश्चिक चतुर्दिक हर्ष तथा उल्लास का वातावरण रहेगा, संयम, धैर्य से काम आसान होंगे।

धनु आय के नये स्रोत बनेंगे, प्रभावशाली व्यक्तित्व का विकास, षड्यंत्र विफल रहेगा।

मकर समसामयिक प्रयास सफल, विद्या-बुद्धि-प्रतिभा का विकास होगा, महत्वपूर्ण कार्य पूरे होंगे।

कुंभ रुके हुए कार्य में तेजी, उत्साह-उमंग भरा रहेगा, भ्रमण के साधन बनेंगे,नये लोगों से संपर्क।

मीन किसी नये कार्य आरंभ करने से पूर्व परिवार में विचार-विमर्श करें, कठिनाइयों पर विजय।

साहिबगंज में अपराधियों ने घर में घुसकर युवक को मारी गोली, मौत

आजाद सिपाही संवाददाता

साहिबगंज। मुफस्सिल थाना क्षेत्र में बीती रात अज्ञात अपराधियों ने एक शख्स को घर में घुसकर गोली मार दी, जिससे उसकी मौत घटनास्थल पर ही हो गयी। मृतक का नाम राजकुमार यादव था। अपराधियों ने गोली उसकी दाहिनी आंख के ऊपर मारी, जिससे घटनास्थल पर ही उसकी मौत हो गयी। राजकुमार यादव मजदूरी करके अपनी मां और 14 वर्षीय पुत्र का पालन-पोषण करता था। घटना की जानकारी मिलने के बाद गांव में सनसनी फैल गयी। ग्रामीणों ने मुफस्सिल थाना प्रभारी अनीस कुमार पांडेय को सूचना दी। पुलिस बल के जवान घटनास्थल पर पहुंचे और शव को अपने कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। ग्रामीणों से पूछताछ की गयी, लेकिन किसी ने भी कोई जानकारी देने से इनकार कर दिया।

सदर एसडीपीओ किशोर तिर्की भी सूचना मिलते ही घटनास्थल पर पहुंचे और जांच की। उन्होंने बताया कि हत्या के कारणों का अभी स्पष्ट पता नहीं चल सका है, लेकिन प्रारंभिक जांच से ऐसा प्रतीत होता है कि यह हत्या जमीन से संबंधित विवाद के कारण हुई हो सकती है। पुलिस ने घटनास्थल से गोली भी बरामद की है और आगे की जांच जारी है।

हजारीबाग मामले में आइएएस विनय चौबे की बेल पर लंबी बहस के बाद कोर्ट ने सुरक्षित रखा फैसला

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। हजारीबाग डीसी रहते हुए सेवायत भूमि घोटाला करने के आरोपी निलंबित आइएएस विनय चौबे की जमानत याचिका पर हजारीबाग एसीबी कोर्ट में सुनवाई हुई। शुक्रवार की सुनवाई के दौरान एसीबीर और बचाव पक्ष की ओर से लंबी बहस की गयी। दोनों पक्षों की बहस और दलीलें सुनने के बाद कोर्ट ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है। विनय चौबे की ओर से अधिवक्ता शंकर बनर्जी ने बहस की। वहीं, एसीबी की ओर से विशेष लोक अभियोजक अभिषेक कृष्ण गुप्ता ने बहस की। विनय चौबे ने जिस मामले में हजारीबाग एसीबी कोर्ट से बेल मांगी है उस मामले में अगस्त महीने प्राथमिकी दर्ज की गयी थी। एसीबी ने इस संबंध में कांड संख्या 9/2025 दर्ज की है।

पाकुड़ में सीएसपी संचालक से 7 लाख की लूट, लैपटॉप भी ले गये बदमाश

आजाद सिपाही संवाददाता

पाकुड़। पाकुड़ जिले के अमड़ापाड़ा थाना क्षेत्र में शुक्रवार को दिनदहाड़े हथियारबंद बदमाशों ने स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआइ) के ग्राहक सेवा केंद्र (सीएसपी) संचालक रंजीत भगत से लूटपाट की। यह वारदात सिंगारसी पंचायत अंतर्गत पकलो गांव के पास बोका मोड़ पर उस समय हुई, जब रंजीत भगत अपने केंद्र की ओर जा रहे थे। जानकारी के अनुसार, दो मोटरसाइकिलों पर सवार तीन बदमाशों ने उन्हें रोककर हथियार के बल पर करीब 7 लाख रुपये नकद, एक लैपटॉप और उनकी बाइक लूट ली। घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी लिट्टीपाड़ा थाना क्षेत्र के दसगोड़ा की ओर फरार हो गये।

सूचना मिलते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और जांच शुरू की। प्राथमिक जांच में यह बात सामने आयी है कि बदमाशों ने रंजीत भगत की पहले से रेकी कर रखी थी। वे रोजाना बाइक से अपने सीएसपी केंद्र जाया करते थे। पुलिस ने छापेमारी के दौरान बदमाशों की एक बाइक और लूटी गयी बाइक को बरामद कर लिया है। फिलहाल तीनों आरोपी लिट्टीपाड़ा और अमड़ापाड़ा के बीच स्थित जंगल में छिपे हुए बताये जा रहे हैं। उनकी तलाश में पुलिस स्थानीय ग्रामीणों की मदद से जंगल की घेराबंदी कर रही है। अधिकारियों का कहना है कि जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जायेगा।

झारखंड के मुख्यमंत्री से दरगाह कमेटी के सदस्यों ने की मुलाकात, किया आमंत्रित

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से रांची के डोरंडा स्थित हजरत रिसालदार शाह बाबा दरगाह कमेटी के सदस्यों ने शुक्रवार को मुलाकात की और 11 सितंबर से चल रहे पांच दिवसीय 218 वां सालाना उर्स मुबारक के तहत 14 सितंबर को चादरपोशी और कव्वाली मंच के उद्घाटन समारोह में मुख्य संरक्षक के तौर पर शामिल होने के लिए आमंत्रित किया। कमेटी के सदस्यों ने बताया कि इस दौरान दिवंगत दिशोम गुरु शिबू सोरेन के लिए विशेष शोक

सभा का भी आयोजन किया जायेगा। मुख्यमंत्री से मुलाकात करने वालों में हजरत रिसालदार शाह बाबा दरगाह कमेटी के सदर अयूब गद्दी, महासचिव मो जावेद अनवर, रिजवान हुसैन, जुल्फिकार अली भुट्टो, मो सादिक, पप्पू गद्दी, शाहिद खान, समीर हेजाजी और मुश्ताक आलम शामिल थे।

आजाद सिपाही
रांची, शनिवार, 13 सितंबर, 2025
www.azadsipahi.in

चैंबर चुनाव : चढ़ा चुनावी पारा, वादों का बुलंद हुआ नारा

दोनों टीमों ने जनसंपर्क अभियान चला व्यापारियों से मांगा समर्थन

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड चैंबर चुनाव को लेकर चुनावी पारा चढ़ता जा रहा है। अध्यक्ष पद के उम्मीदवार तुलसी पटेल और आदित्य मल्होत्रा टीम ने पूरी ताकत झोक दी है। सुबह से देर शाम तक राजधानी के विभिन्न इलाकों में पदयात्रा और जनसंपक अभियान चला कर व्यापारियों से समर्थन की अपील की जा रही है। प्रत्याशी वायदो की लड़ी लगाते हुए चैंबर के सदस्यों को अपने पक्ष में करने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ रहे। इसकी बानगी शुक्रवार को भी देखने को मिली।

टीम तुलसी पटेल का मेन रोड में पदयात्रा : टीम तुलसी पटेल ने शुक्रवार को मेन रोड में पदयात्रा कर सदस्यों ने संपर्क साधा। तुलसी पटेल के नेतृत्व में टीम की पदयात्रा दिन के 11 बजे रांची क्लब से हुई। इसके बाद टीम के सदस्यों ने रोस्पा टावर, चर्च कॉम्पलेक्स से होते हुए अलबर्ट एक्का चौक तक चैंबर के सदस्यों से मुलाकात की और समर्थन मांगा। चैंबर सदस्यों ने जगह-जगह टीम का स्वागत किया और सकारात्मक प्रतिक्रिया दी।

अध्यक्ष पद के दावेदार पटेल ने कहा कि हम व्यापारियों और उद्यमियों की आवाज को और मजबूत करेंगे। चैंबर को नई सोच, पारदर्शिता और सक्रिय कार्यशैली के साथ आगे बढ़ाना हमारा लक्ष्य है। हमारी टीम में अनुभवी एवं युवा जोश का तालमेल है, जो चैंबर को नयी गति और झारखंड का विकास करने में योगदान दे सकती है। पदयात्रा के दौरान नवलजीत सिंह गांधी, आलोक मिनोचा, तनप्रीत सिंह कोहली, उत्सव परासर, संजय पटेल, हरजीत सिंह स्विंकी, सोनू मक्कड़, मनप्रीत सिंह आदि ने टीम के पक्ष में जनसंपर्क अभियान चलाया।

पदयात्रा में तुलसी पटेल, ज्योति कुमारी, राहुल साबू, विकास विजयवर्गीय, दीनदयाल वर्णवाल, अमित शर्मा, शैलेश अग्रवाल, प्रमोद कुमार श्रीवास्तव, विमल फोगला, अरुण भरतीया, नवीन गाड़ोदिया, मनोज मिश्रा, विकास झाझरिया, विनीता सिंघानिया, मोनिका गोयनका, विकास मोदी, कमलेश संचेती, संतोष अग्रवाल, सुमित कक्कड़, प्रकाश अग्रवाल समोता, कुलवंत सिंह समेत आदि शामिल थे।

टीम आदित्य मल्होत्रा ने अपर बाजार में किया जनसंपर्क

टीम आदित्य मल्होत्रा का जनसंपर्क अभियान जोरशोर से चल रहा है। शुक्रवार को भी टीम के सदस्यों ने उत्साह से अपर बाजार के विभिन्न क्षेत्रों में जनसंपर्क अभियान चलाया। टीम के सदस्यों ने कुंजलाल स्ट्रीट, एसएन रोड, गांधी चौक, ज्योति संगम लेन, महावीर चौक, रंगरेज गली, रंधीर प्रसाद स्ट्रीट समेत अन्य इलाकों का दौरा किया और अपने पक्ष में मदतान करने का आग्रह किया। चैंबर के सदस्यों ने टीम आदित्य मल्होत्रा के सदस्यों का गर्मजोशी के साथ स्वागत किया और टीम को समर्थन आश्वासन दिया। सदस्यों ने पंकज पोद्दार, हरगोविंद सिंह, श्रवण मोदी, सुनील मोदी, प्रमोद सारस्वत, राजेश कनोई, माधव लाखोटिया, प्रकाश चंद्र सेठी, अनिल जालान, रवि शर्मा, विक्रम खेतावत, दाउलाल मोहता, सौरव बथवाल, अजय बथवाल आदि से मुलाकात की। मौके पर आदित्य मल्होत्रा ने कहा कि हमारा संकल्प चैंबर के हर सदस्य तक पहुंचना और उनकी समस्याओं का समाधान करना है। टीम भावना के साथ हम व्यापारियों के लिए बेहतर अवसर, मजबूत नेटवर्क और पारदर्शी कार्यप्रणाली सुनिश्चित करेंगे।

एसोसिएशन के साथ मल्होत्रा टीम की बैठक

आदित्य मल्होत्रा ने रांची मोटर डीलर एसोसिएशन के पदाधिकारियों और सदस्यों संग बैठक भी की। टीम ने व्यवसाय और उद्योग के विकास और चैंबर की मजबूती पर अपना विजन रखा। एसोसिएशन ने समर्थन देने की बात कही। एसोसिएशन के अध्यक्ष नारायण माहेश्वरी, कोषाध्यक्ष अजय सखुजा, एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष ललित चौधरी, प्रमोद चौधरी, अनिल बुद्धिराजा, नंदलाल विश्वास, सुनील चौधरी, हरविंदर सिंह लाली, चैंबर के पूर्व अध्यक्ष मनोज नरेडी, किशोर मंत्री, आदित्य मल्होत्रा, नवजोत अलंग रूबल, रोहित अग्रवाल, रोहित पोद्दार, मुकेश अग्रवाल, डॉ अभिषेक रामधीन, राम बांगड़, प्रवीण लोहिया, सुनील सरावगी, संजय अखौरी, अनिल अग्रवाल, अमित अग्रवाल, सीए जेपी शर्मा, मनीष सराफ पूजा ढाढा, आस्था किरण, निधि झुनझुनवाला नवीन जैन, अनीश बुधिया, अमित किशोर अग्रवाल, साहित्य पवन उपस्थित थे।

चाणक्य आइएएस अकादमी में दुर्गा पूजा पर विशेष ऑफर, कोर्स फीस पर मिल रही भारी छूट

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। दुर्गा पूजा के मौके पर चाणक्य आइएएस अकादमी ने छात्र-छात्राओं के लिए सुनहरा अवसर प्रदान कर रहा है। देश की प्रतिष्ठित कोचिंग संस्थानों में से एक, चाणक्य आईएएस अकादमी ने यूपीएससी, जेपीएससी और बीपीएससी जैसे प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे विद्यार्थियों के लिए कोर्स फीस पर विशेष छूट की घोषणा की है। ऑफर के तहत इच्छुक अभ्यर्थियों को सीमित समय के लिए कोर्सेज की फीस में भारी रियायत दी जा रही है। संस्थान के अनुसार, यह पूजा के पावन मौके को ध्यान में रखते हुए दी जा रही है तांकि अधिक से अधिक विद्यार्थी इसका लाभ उठा सकें और अपने सपनों को साकार करने की दिशा में एक सशक्त कदम बढ़ाएं। संस्थान के निदेशक ने बताया कि यह पहल उन छात्रों के लिए खास है, जो

आर्थिक कारणों से बेहतर मार्गदर्शन से वंचित रह जाते हैं। दुर्गा पूजा जैसे शुभ समय में हम चाहते हैं कि हर मेहनती छात्र तक गुणवत्ता वाली शिक्षा पहुंचे।

उत्कृष्ट तैयारी करा रही अकादमी : चाणक्य आइएएस अकादमी वर्षों से सिविल सेवा परीक्षाओं की उत्कृष्ट तैयारी करवा रही है। अब तक काफी संख्या में इस संस्थान से अफसर बन चुके हैं। यह छूट नये बैचों में दाखिला लेने वाले छात्रों के लिए लागू होगी। इसमें प्रीलिम्स, मेंस और इंटरव्यू की संपूर्ण तैयारी शामिल है।

जल्द करें आवेदन : अवसर सीमित समय के लिए है। इच्छुक जल्द आवेदन करें, तांकि मौका निकल न जाए। ऑफर का लाभ उठाने के लिए इच्छुक विद्यार्थी चाणक्य आइएएस अकादमी रांची इंस्टीट्यूट में संपर्क कर सकते हैं।

लोअर चुटिया का पूजा पंडाल
नाव में सवार मां दुर्गा का होगा दर्शन

- पश्चिम बंगाल के कारीगर बना रहे भव्य पंडाल
- आकर्षक विद्युत सज्जा और मेला का रहेगा आकर्षण
- लगेंगे स्वादिष्ट व्यंजनो और खेल-खिलौनो के स्टाल
- दुर्गोत्सव में पूजा समिति करेगी 15 लाख का खर्च

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। नवयुवक संघ दुर्गा पूजा समिति, लोअर चुटिया में इस बार भी भव्य रूप में दुर्गोत्सव मनाया जायेगा। इसकी तैयारी जोर-शोर से चल रही है। समिति के संरक्षक राजकुमार महतो ने बताया कि नाव में विराजमान मां के थीम पर बना विशाल पंडाल दर्शनार्थियों के लिए आकर्षण का केंद्र रहेगा। 50 उंचे, 70 चौड़े और 80 फीट लंबे पंडाल को मूर्त रूप देने में अण्डाल, पश्चिम बंगाल के

कारीगर रात-दिन लगे हैं। पंडाल निर्माण गोस्वामी टेंट हाउस, टाटीसिलवे और विद्युत साज-सज्जा रौनक साउंड एवं लाइट, चुटिया की ओर से किया जा रहा है। कोलकाता के हुगली के कार्तिक चित्रकार मां की प्रतिमा गढ़ रहे हैं। उन्होंने बताया कि पूजा में लगभग 15 लाखर रुपया खर्च होने का अनुमान है। राजकुमार ने बताया कि बच्चो और बड़ो के मनोरंजन को ध्याम में रख पूजा स्थल पर मीना बाजार भी लगाया जायेगा। मिक्की माउस, नाव, स्कॉर्पियो, मारुति और जंपिंग जैसे छोटे-बड़े झुले लगायी जायेगी। खाने-पीने आदि के स्टाल भी लगाये जायेंगे।

गठित कमेटी : संरक्षक राजकुमार महतो, लालो महतो, राधेश्याम केसरी, प्रमोद गोप, छत्रधारी महतो, अरविंद महतो, संजय प्रसाद, मनोज गोप, गोपाल ठाकुर, दीपक प्रसाद, प्रदीप चौधरी, संयोजक रवि गोप, अध्यक्ष मिथिलेश गोप,कार्यकारी अध्यक्ष चुन्नू गोप और आयुष कुमार,महामंत्री भोला चौधरी,कोषाध्यक्ष धनंजय कुमार ठाकुर, सहकोषाध्यक्ष सुमित महतो, संगठन महामंत्री गुल्लू गोप।

महत्वपूर्ण खबरें

पीएनबी अंचल प्रमुख ने की वित्त सचिव से मुलाकात

रांची (आजाद सिपाही)। पंजाब नैशनल बैंक, रायपुर अंचल के प्रबंधक आशीष कुमार चतुर्वेदी दो दिनी दौरे के दौरान शुक्रवार को रांची मंडल पहुंचे। साथ राज्य के वित्त सचिव प्रशातं कुमार से मुलाकात भी की। उन्होंने पंजाब नेशनल को सरकारी व्यवसाय प्रदान करने का अनुरोध किया। 11 सितंबर को जमशेदपुर के बाद दूसरे दिन रांची के सभी विभागों और मंडल अंतर्गत शाखाओं के व्यवसाय की समीक्षा की। बैठक के दौरान उन्होंने सभी शाखाओं को उनको आवंटित लक्ष्य प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने बैंक के सम्मानित ग्राहकों से भी मुलाकात कर सभी से बैंक से उनकी अपेक्षाओं पर किया।

प्रबंधन में रेलकर्मियों की हुई बैठक

हाजीपुर (आजाद सिपाही)। प्रबंधन में रेलकर्मियों की भागीदारी बैठक शुक्रवार को हुई। इसकी अध्यक्षता महाप्रबंधक छत्रसाल सिंह ने की। इसमें महाप्रबंधक अमरेन्द्र कुमार सहित सभी विभागाध्यक्ष एवं यूनियन/एसोसिएशन के पदाधिकारी खास तौर से उपस्थित थे। छत्रसाल सिंह ने संबोधित करते हुए कहा कि रेल संगठन को अधिक प्रभावी बनाने और प्रबंधन में रेलकर्मियों की सक्रिय भागीदारी के उद्देश्य से प्रेम समूह की स्थापना की गई है। रेलकर्मियों की भागीदारी से जहाँ कर्मचारियों में प्रबंधन में भागीदारी की भावना जागृत होती है, वहीं रेल के कार्यों की जमीनी स्तर पर समीक्षा भी हो पाती है । हम उन क्षेत्रों को चिन्हित कर प्राथमिकता तय कर पाते हैं जो साधारणतः रूटीन विषय बन जाते हैं। यूनियन और एशोसिएशन के सहयोग से एक उपयुक्त कार्य प्रणाली तैयार होती है, जिससे लगातार तकनीक का प्रयोग कर हम रेलसेवा और संगठन को प्रभावी बना सकते हैं। समीक्षात्मक चर्चा एवं इससे उत्पन्न प्रेरक विचार हमारे लिए सार्थक एवं उपयोगी साबित होंगे। प्रमुख विभागाध्यक्ष, ईस्ट सेंट्रल रेलवे ऑफिसर्स एसासिएशन के अध्यक्ष शैलेश वमा, महासचिव जेपी सिंह, ईस्ट सेंट्रल रेलवे प्रमोटी ऑफिसर्स एशोसिएशन के अध्यक्ष अरविंद पासवान और महासचिव रविंद्र कुमार राज, ईसीआरईयू के अध्यक्ष संतोष कुमार पासवान और सहायक महासचिव संतोष कुमार, कार्यकारी सदस्य संजय कुमार, एससी/एसटी एसोसिएशन के जोनल अध्यक्ष महेंद्र कुमार और महासचिव पवन कुमार राम, ओबीसी एसोएिशन जोनल अध्यक्ष शैलेन्द्र कुमार और महासचिव सुबोध पोद्दार सहित यूनियन के अन्य पदाधिकारियों ने भी विचार रखे। संचालन और धन्यवाद ज्ञापन उप महाप्रबंधक (सा.) सह प्रेम ग्रुप के सचिव अभिषेक कुमार ने किया।

नहाय-खाय आज, जीवितपुत्रिका व्रत कल

रांची (आजाद सिपाही)। जीवित्पुत्रिका व्रत शनिवार को नहाय-खाय के साथ प्रारंभ हो जायेगा। माताएं स्नान-ध्यान कर व्रत का संकल्प लेंगी। आश्विन कृष्ण पक्ष अष्टमी तिथि रविवार को नेम-निष्ठा से व्रत-पूजन किया जायेगा। माताएं निर्जला उपवास कर संतान की लंबी आयु और उत्तम स्वास्थ्य की कामना करेंगी। पूजन-अनुष्ठान कर बच्चों के मंगल भविष्य का वर जीतवाहन देव से मांगेंगी। माना जाता है कि नेम-निष्ठा से पूजन-अनुष्ठान करने वालो की सभी मनोकामनाएं पूरी होती है, इसी भाव से बड़ी संख्या में माताएं अन्न-जल ग्रहण किए बैगर व्रत-अनुष्ठान कर प्रभु आराधना में रमी रहती हैं। यूं तो घर-घर पूजन-अनुष्ठान किए ही जाएंगे, लेकिन राजधानी के विभिन्न मंदिरों में सामूहिक पूजन का भी खास आयोजन किया जायेगा। आचार्य अजय मिश्रा ने बताया कि दिन के 8:31 मिनट पर अष्टमी तिथि की शुरुआत हो रही है। इसके बाद रोक-बाधा के बैगर पूरे दिन पूजन और कथा श्रवण किया जा सकता है। 15 सितंबर को सुबह 6:30 मिनट पर अष्टमी तिथि का समापन होगा। साथ ही व्रत का पारण किया जा सकता है।

सेवा, भक्ति और करुणा ही मानव जीवन का है वास्तविक उद्देश्यः चैतन्य गुरु मां मीरा

चैतन्य गुरु मां मीरा का श्रीकृष्ण राधा प्रणामी मंदिर और अपना घर आश्रम में आगमन

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। आध्यात्मिक जगत की सुप्रसिद्ध कथा वाचक चैतन्य गुरु मां मीरा जी ने झारखंड की राजधानी रांची के पुंदाग स्थित श्री कृष्ण प्रणामी सेवा धाम ट्रस्ट द्वारा संचालित श्री राधा कृष्ण प्रणामी मंदिर एवं सद्गुरु कृपा अपना घर आश्रम का दिव्य भ्रमण किया। यह मंदिर झारखंड का सबसे बड़ा श्रीकृष्ण-राधा मंदिर माना जाता है और इसकी भव्यता, शिल्पकला तथा आध्यात्मिक ऊर्जा का अद्भुत संगम देशभर में प्रसिद्ध हो रहा है। गुरु मां के आगमन से मंदिर परिसर में भक्तों का उत्साह देखने योग्य था। उन्होंने मंदिर की नयनाभिराम शिल्पकारी, दिव्यता एवं शांत

वातावरण की सराहना की और कहा कि यह स्थान केवल एक धार्मिक स्थल नहीं, बल्कि आत्मा को परमात्मा से जोड़ने का जीवंत माध्यम है। उन्होंने गर्भगृह में भगवान श्रीकृष्ण और राधारानी के दर्शन कर विशेष पूजा अर्पित की। इसके पश्चात गुरु मां ने मंदिर में स्थित 'सद्गुरु कृपा अपना घर आश्रम' का भी अवलोकन किया, जहां अनेक दिव्यांग, वृद्ध, एवं निराश्रितजन सेवा और स्नेह की छाया में निवास कर रहे हैं।

गुरु मां ने आश्रम के सेवा कार्यों की मुक्तकंठ से सराहना की और वहां रह रहे लोगों को स्वयं भोजन परोसकर भावविभोर हो गयीं। यह दृश्य सभी उपस्थितों के लिए अत्यंत प्रेरणादायक और हृदयस्पर्शी रहा। इस अवसर पर आयोजित विशेष सत्संग में गुरु मां ने व्यास पीठ से संबोधित करते हुए कहा, सेवा, भक्ति और करुणा ही मानव जीवन का वास्तविक उद्देश्य हैं। भगवान केवल मंदिरों में नहीं, बल्कि उन चेहरों में भी बसते हैं जो पीड़ा में हैं। उन्हें भोजन कराना, सहारा देना, सबसे बड़ी पूजा है।

उन्होंने यह भी कहा कि ऐसे आश्रम समाज के लिए प्रकाश स्तंभ हैं और प्रत्येक व्यक्ति को अपने सामर्थ्य अनुसार सेवा में योगदान देना चाहिए। गुरु मां के प्रेरणादायक शब्दों और उनकी करुणामयी उपस्थिति ने सभी भक्तों एवं सेवकों के मन में आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार कर दिया। ट्रस्ट के उपाध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद अग्रवाल, सचिव मनोज चौधरी, प्रवक्ता संजय सर्राफ एवं पुजारी अरविंद पांडे ने गुरु मां को अंगवस्त्र, राधा कृष्ण की स्मृति चिन्ह और श्रीफल भेंट कर उनका अभिनंदन किया। यह अवसर न केवल एक आध्यात्मिक प्रेरणा बना, बल्कि सेवा, संवेदना और भक्ति के संगम का जीवंत उदाहरण भी प्रस्तुत किया। उक्त जानकारी ट्रस्ट के प्रवक्ता संजय सर्राफ ने दी।

उर्स मेला में दूसरे दिन भी उमड़ी भीड़

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। हजरत कुतुबुद्दीन रिसालदार शाह बाबा दरगाह डोरंडा परिसर में चल रहे 218वां उर्स में श्रद्धा और उत्साह का अनोखा संगम देखने के लिए मिल रहा है। दरगाह परिसर और आसपास के इलाकों में इन दिनों मेले की रौनक है। हर तरफ भीड़, चहल-पहल और उमंग का माहौल दिखायी दे रहा है। चादरपोशी से लेकर बाजार की रौनक और बच्चों के झूले तक, हर दृश्य मेले में पहुंचे लोगों के लिए आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। हलवा-पराठा और सोनपापड़ी की मिठास मेले की रौनक को और बढ़ा रही है। सुबह से देर रात तक दुकानों पर भीड़ लगी रहती है. दूर-दराज से आये लोग बाबा की दरगाह पर हाजिरी लगाने के बाद मेले के व्यंजनों का स्वाद चखना नहीं भूल रहे हैं।

इस बार शुभम कुमार पहली बार अपनी दुकान लेकर मेले में आये हैं। उनकी दुकान पर बच्चों के लिए कार, हवाई जहाज, रोबोट, टेडी बियर, बंदूक, हेलीकॉप्टर और ट्रैक्टर जैसे खिलौनों की भरमार है. बच्चे खिलौनों की दुकानों पर झूमते नजर आ रहे है। सभी सामान एक ही रेट 80 रुपये में मिल जा रही है। **उर्स मेला में गुब्बारा बना आकर्षण का केंद्र :** नवादा से आये जितेंद्र कुमार, अरुण प्रसाद और नसीम हजारों रुपये के जिप्पी गुब्बारे लेकर पहुंचे हैं। महिलाएं और बच्चे गन शूटिंग का खूब आनंद ले रहे हैं। 50 रुपये में 12 गुब्बारे फोड़ने का रोमांच लोगों को अपनी ओर खींच रहा है। गुब्बारों की दुकान पर दिनभर भीड़ उमड़ रही है।

डॉ करमा उरांव स्मृति फुटबॉल टूर्नामेंट का भव्य शुभारंभ

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय अधीनस्थ डॉ. रामदयाल मुंडा फुटबॉल स्टेडियम में डॉ. करमा उरांव स्मृति अंतर आदिवासी छात्रावास फुटबॉल टूर्नामेंट झ 2025 का शुभारंभ हुआ। इस टूर्नामेंट में 25 टीमें भाग ले रही हैं, जिनमें लड़के और लड़कियों की टीमें शामिल हैं। उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में राजस्थान के पूर्व मंत्री और पूर्व सांसद रघु शर्मा उपस्थित थे। विशिष्ट अतिथि के रूप में कृषि मंत्री शिल्पा नेहा तिर्की, झारखंड

प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव आलोक कुमार दुबे और मुख्य प्रवक्ता लाल किशोर नाथ शाहदेव मौजूद थे। मुख्य अतिथि रघु शर्मा ने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि खेल के माध्यम से हम जीवन में अनुशासन, एकाग्रता और लक्ष्य प्राप्ति का जज्बा विकसित करते हैं। कृषि मंत्री शिल्पा नेहा तिर्की ने कहा कि यह आयोजन डॉ करमा उरांव की विचारधारा को जीवित रखने का सफल प्रयास है। मुख्य आयोजक बंधु तिर्की ने बताया कि यह टूर्नामेंट बच्चों को पढ़ाई के साथ-साथ खेलकूद के क्षेत्र में आगे बढ़ने का अवसर प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि

आज की राजनीति सिर्फ सत्ता तक सीमित नहीं रहनी चाहिये, बल्कि सामाजिक क्षेत्रों में भी जुड़ाव होना जरूरी है। आलोक कुमार दुबे ने कहा कि डॉ करमा उरांव ने हमेशा आदिवासी समाज, शिक्षा और सामाजिक उत्थान के लिए काम किया। उनके विचार हमें प्रेरित करते हैं कि समाज के अंतिम पायदान पर खड़े बच्चों को भी समान अवसर मिले। लाल किशोर नाथ शाहदेव ने कहा कि इस टूर्नामेंट के माध्यम से हम न केवल खेल को बढ़ावा दे रहे हैं बल्कि समाज में भाईचारा, अनुशासन और एकजुटता का संदेश भी दे रहे हैं। कार्यक्रम की शुरूआत वन बैंड की परेड से हुई। संत अन्ना छात्रावास के बच्चों ने बैंड प्रस्तुति दी। खिलाड़ियों ने मार्च पास्ट किया। सभी अतिथियों ने स्व. डॉ. करमा उरांव के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।पहले दिन भागीरथी महिला छात्रावास बनाम सरना आदिवासी छात्रावास के बीच रोमांचक मुकाबला हुआ।

आजाद सिपाही | झारखंड में सबसे ज्यादा देखा जाने वाला चैनल
200000 Subscribers
VIEWERSHIP 5 Crore 90 lakh+
12 Crore + Watch Time (min)
YouTube Channel
Subscribe NOW

रॉयल्टी, पुनर्वास, नौकरी, मुआवजा और जमीन वापसी की प्रक्रिया भी पूरी हो : हेमंत

मुख्यमंत्री और केंद्रीय कोयला मंत्री की उपस्थिति में राज्य सरकार और कोयला मंत्रालय, कोल इंडिया की अनुषंगी इकाइयों के अधिकारियों के बीच हुई बैठक

आजाद सिपाही संवाददाता

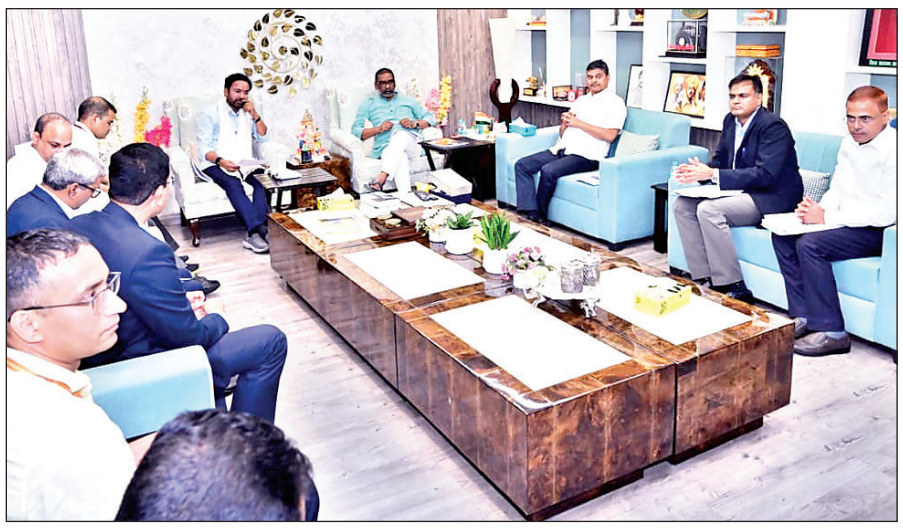

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी किशन रेड्डी ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में औपचारिक मुलाकात की। इस मौके पर राज्य सरकार के अधिकारियों तथा कोल मंत्रालय एवं कोल इंडिया की अनुषंगी इकाइयों के अधिकारियों के बीच हुई बैठक में कोयला और खनन क्षेत्र की बेहतरी को लेकर चर्चा हुई। इस दौरान राज्य में कोल माइंस से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों और मुद्दों पर विचार- विमर्श हुआ। मुख्यमंत्री ने कोल माइंस के मुद्दे पर राज्य सरकार का पक्ष रखा, वहीं केंद्रीय कोयला मंत्री ने कोल खनन परियोजनाओं को लेकर आ रही समस्याओं से मुख्यमंत्री को अवगत कराया। मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार के आपसी सहयोग से ही कोल माइंस से जुड़े समस्याओं का समाधान संभव है। उन्होंने कहा कि खनन क्षेत्र को क्षेत्र को आगे ले जाने के लिए मिलकर प्रयास करने की जरूरत है।

सकारात्मक कदम उठाने पर बनी सहमति

मुख्यमंत्री और कोयला मंत्री की उपस्थिति में अधिकारियों के बीच हुई बैठक में खनिजों पर मिलने वाली रॉयल्टी, विस्थापितों का पुनर्वास, नौकरी और मुआवजा, खनन क्षेत्र और आसपास रहने वाले स्थानीय लोगों को रोजगार, खनन कार्य पूरा हो चुके जमीन की वापसी, खदानों में अवैध खनन की वजह से हो रहे हादसों पर नियंत्रण को लेकर सुरक्षा मानकों के पालन, कोल परियोजनाओं के ऑपरेशनल करने में आ रही अड़चनों का समाधान तथा डीएमएफटी और सीएसआर फंड के इस्तेमाल जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर सकारात्मक चर्चा हुई।

बैठक में मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव अविनाश कुमार, केंद्रीय खनन मंत्रालय में एडिशनल सेक्रेटरी संजय लोहिया, केंद्रीय कोयला मंत्रालय में एडिशनल सेक्रेटरी सनोज कुमार झा, राज्य सरकार में राजस्व विभाग के सचिव चंद्रशेखर, खान एवं भूतत्व विभाग के सचिव अरवा राजकमल, निदेशक खान एवं भूतत्व राहुल सिन्हा, कोल इंडिया के चेयरमैन पीएम प्रसाद, सीसीएल के सीएमडी निलेंदु कुमार सिंह, बीसीसीएल के सीएमडी मनोज अग्रवाल, हिंदुस्तान कॉपर के सीएमडी संजीव कुमार सिंह, केंद्रीय कोयला मंत्री के पीएस पंकज जैन समेत कई अन्य अधिकारी मौजूद थे।

हजारीबाग में पुलिस और अधिवक्ता आमने-सामने

प्रदेश अध्यक्ष ने पुलिस अधीक्षक से मुलाकात कर दोषी अधिवक्ताओं का बार लाइसेंस रद्द करने की मांग की

आजाद सिपाही संवाददाता

हजारीबाग। हजारीबाग में पुलिस और अधिवक्ताओं के बीच तनाव लगातार गहराता जा रहा है। गुरुवार शाम हुई खींचतान के बाद शुक्रवार को दोनों पक्षों की ओर से बैठकों का दौर जारी रहा। झारखंड पुलिस एसोसिएशन की प्रदेश कमेटी हजारीबाग पहुंची। प्रदेश अध्यक्ष राहुल कुमार मुर्मू ने सख्त तेवर दिखाते हुए कहा कि सब इंस्पेक्टर के साथ मारपीट करना कायरता की निशानी है। उन्होंने कहा कि हम हमेशा मानवाधिकार और सुरक्षा पर भरोसा करते हैं, लेकिन हमें भी यह नहीं भूलना चाहिए कि हम सब भी किसी के बेटे हैं, ऊपर से नहीं आए हैं। न्यायालय के कमरे में जवान को पीटना कहां तक सही है। मुर्मू ने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि इस घटना से पुलिस कर्मियों का मनोबल टूट रहा है। उन्होंने पुलिस अधीक्षक से मुलाकात कर दोषी अधिवक्ताओं का बार लाइसेंस रद्द करने की मांग भी की है। वहीं, पीड़ित एसआइ मनोज कुजूर की ओर से सदर थाना में आवेदन दिया गया है। इसमें हाफ मर्डर और एससी-एसटी एक्ट के तहत मामला दर्ज कराया गया है। अब सभी की निगाहें अधिवक्ता पक्ष पर टिकी हैं। वे अपनी सफाई और अगली रणनीति को लेकर क्या कदम उठाते हैं, इस पर मीडिया की नजर लगातार बनी हुई है।

हादसे में स्कूटी सवार युवती की मौत

हादसे के बाद लोगों ने सड़क जाम की, थाना प्रभारी ने समझा-बूझाकर जाम खुलवाया

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। खेलगांव में शुक्रवार को स्कूटी सवार युवती बस से खुद टकरा गयी और गिर पड़ी जिससे उसकी मौत हो गयी। मृत युवती की पहचान रिषिका कुमारी (17), पिता श्याम कुमार निषाद के रुप में हुई। वह कोकर की रहने वाली है। स्थानीय लोगों ने बताया कि खेलगांव के पास अचानक स्कूटी की टक्कर हो गयी। लोगों ने बताया कि टक्कर के बाद युवती स्कूटी सहित सड़क पर गिर पड़ी।

स्थानीय लोगों ने बताया कि सुबह के समय में युवती अपने छोटे भाई को स्कूटी पर बैठा कर टाटीसिलवे की ओर जा रही थी, इसी दौरान यह हादसा हुआ। टक्कर होने के बाद पीछे बैठा लड़की का छोटा भाई रोड के दूसरी तरफ गिर गया, जिससे उसकी जान बच गयी। हादसे के बाद आक्रोशित स्थानीय लोगों ने सड़क जाम कर दिया था। खेल गांव ओपी प्रभारी अभिषेक कुमार ने बताया कि घटना को लेकर एक सीसीटीवी फुटेज सामने आया है। सीसीटीवी देख कर यह पता चल रहा है कि स्कूटी सवार युवती बस के पीछे से आकर बस के साइड वाले पार्ट में टकरा गयी थी, इसी वजह से सड़क हादसा हुआ, जिसमें युवती की मौत हो गयी।

कार से अवैध गांजा जब्त, दो गिरफ्तार

कुल 65 पैकेट में 39.5 किग्रा गांजा बरामद हुआ इस गांजा का बाजार मूल्य लगभग चार लाख रुपये है

आजाद सिपाही संवाददाता

बरकट्ठा। बरकट्ठा पुलिस ने बड़ी कार्यवाही करते हुए एक कार से लाखों रूपये का अवैध गांजा को जब्त किया। इस बात की जानकारी अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी अजीत कुमार बिमल ने बरकट्ठा थाना में प्रेस कांफ्रेंस कर जानकारी दी। उन्होंने बताया कि गुरुवार की शाम को पुलिस अधीक्षक हजारीबाग को गुप्त सूचना मिली कि एक सिल्वर रंग का मारूती सुजूकी कंपनी की इरटिगा गाड़ी जो चंडीगढ़ नंबर का है। जीटी रोड होते हुये काफी तेज गति से बरकट्ठा की ओर जा रही है जिसमें भारी मात्रा में अवैध गांजा लोड है। तत्पश्चात पुलिस अधीक्षक के निर्देशानुसार अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी बरही अजीत कुमार बिमल के नेतृत्व में एक छापामारी दल को गठित किया गया जिसमें पुलिस निरीक्षक बरकट्ठा इमदाद अंसारी और थाना प्रभारी बरकट्ठा पंकज सिंदुरीया के थाना के पदाधिकारी और कर्मी शामिल थे। छापामारी दल के द्वारा सूचना के आधार पर रात्रि करीब 09 बजे चेकिंग के दौरान थाना गेट के सामने सिल्वर रंग की इरटिगा गाड़ी को रोका गया और उक्त वाहन की तलाशी लेने पर वाहन में विभिन्न जगहों में छिपाकर रखे गये। कुल 65 पैकेट में 39.5 किग्रा गांजा बरामद हुआ। इस गांजा का बाजार मूल्य लगभग चार लाख रुपये है। मौके पर पुलिस ने गांजा के व्यापार करने वाले सूरज सिंह पिता शिव कुमार सिंह ग्राम खेखरूआ, थाना शिव्रतनगंज जिला अमेठी (यू०पी०) और रामकरन वर्मा पिता स्व० दुखी राम वर्मा ग्राम भाटीखुर्द थाना आसपुर देवसुरा जिला प्रतापगढ़ (यू०पी०) निवासी को गिरफ्तार किया गया। इस मामले को लेकर बरकट्ठा थाना काड संख्या 112/25, धारा-20 (बी)(ii) (सी)/22(सी)/29 एनडीपीएस एक्ट 1985 के अंतर्गत मामला दर्ज किया गया और गिरफ्तार अभियुक्तों को न्यायिक हिरासत में भेजा गया। पकड़े गये लोगों ने पुछताछ में बताया कि यह गांजा उड़ीसा के संबलपुर आ रही थी और इसे युपी ले जाया जा रहा था। छापामारी दल में एसआइ देवदत्त कुमार, एसआइ चंदा उरांव भी शामिल थे।

फूल विक्रेता का शव मिला, पुलिस कर रही जांच

झुमरीतिलैया (आजाद सिपाही)। तिलैया थाना अंतर्गत झंडा चौक पर शुक्रवार की सुबह एक शव बरामद हुआ है। मृतक की पहचान जनपद, मिर्जापुर (उत्तर प्रदेश) निवासी 26 वर्षीय युदु चौहान पिता स्व. दिलमन चौहान के रूप में हुई है। मिली जानकारी के अनुसार युदु बीते 10 वर्षों से झुमरीतिलैया शहर के झंडा चौक पर छोटे-छोटे पौधे फल तथा फूल बेचकर अपना जीवनयापन करता था। वहीं रात होने पर वह कोडरमा स्टेशन पर सोया करता था। स्थानीय युवक सूरज ने बताया कि उसे शराब पीने की बुरी लत थी। बीती रात भी वह शराब के ही नशे में था और शायद उसके द्वारा ज्यादा शराब पी लेने के कारण उसकी मौत हो गई है। स्थानीय युवक सूरज ने बताया कि घटना की सूचना मृतक युदु चौहान के परिजनों को दे दी गयी है। जो कोडरमा पहुंच चुके हैं। इधर पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही उसके मौत के कारणों का पता चल पायेगा।

कुकर फटने से लड़की घायल

पतरातू। पतरातू प्रखंड के हफुआ पंचायत के बटुका गांव बड़का टोला निवासी चांदनी कुमारी लगभग उम्र 16 साल गैस चूल्हा में कुकर से दाल बनाने के क्रम कुकर फट गया। जिससे गंभीर रूप घायल हो गयी।

बानपुर खूंटी टोला में ओझा की हत्या करने वाले तीन गिरफ्तार

टंडवा (आजाद सिपाही)। थाना क्षेत्र के ग्राम बानपुर खूंटी टोला में एक पुरुष धर्म देव उरांव को डायन बिसाही के आरोप लगाकर हत्या करने के मामले में टंडवा पुलिस ने तीन हत्यारों को गिरफ्तार कर जेल भेजने में सफलता पायी है। इसकी जानकारी टंडवा पुलिस ने प्रेस वार्ता शुक्रवार को कर अहम खुलासा किया है। जैसे जैसे जांच की दबीश बढ़ती जा रही हत्यारो को गिरफ्तार करने में पुलिस को सफलता मिल रहा है। टंडवा एसएसपी सह एसडीपीओ टंडवा प्रभात रंजन बरवार ने बताया की उक्त हत्याकांड का 36 घंटों में उद्भेदन किया गया है। जिला पुलिस कप्तान सुमित अग्रवाल की गुप्त सूचना के आधार पर डहु गांव के खूंटी टोला में एक व्यक्ति की नृशंस हत्या की सूचना के सत्यापन करने के पश्चात वादिनी बरियो देवी उम्र करीब 47 वर्ष, पति स्व०धर्मदेव उरांव, ग्राम बानपुर खुंटी टोला, थाना टंडवा का फर्दबयान के आधार पर टंडवा थाना कांड सं 196/25 डायन प्रथा प्रतिषेध अधिनियम 2001 के अन्तर्गत प्राथमिकी दर्ज की गई थी। जिसके अभियुक्त अजय उरांव पिता कैलिया उरांव, छोटु उरांव, विनय उरांव, दोनों पिता बुधन उरांव, मुकेश उरांव, कमलेश उरांव दोनों पिता मनसे उरांव और कुवर उरांव, पिता रुसा उरांव, सभी सा.खुंटी टोला बानपुर के निवासी है। अज्ञात 40-50 महिला पुरुष मृतक धर्मदेव उरांव को डायन भूत का आरोप में घर में घुस कर पिलास से पकड़ कर चाकू से जीभ काटने और लाठी डंडा से मारपीट कर हत्या कर शव को रातोरात जला देने के आरोप में प्रतिवेदित कराया गया है। इस कांड के सफल उदभेदन हेतु डीएसपी टंडवा के नेतृत्व में एक छापामारी दल का गठन किया गया।

पूर्व तट रेलवे
निविदा सूचना सं.SBP-ELECT-2025-T-257
कार्य का नाम : कोचिंग डिपो, सम्बलपुर में PIT लाइटिंग, बैटरी चार्जिंग, प्रीकुलिंग (Precooling) व्यवस्था के प्रावधान / उन्नतिकरण से संबंधित विद्युतिय कार्य।
कार्य का अनुमानित लागत : ₹ 1,96,81,911.90, EMD : ₹ 2,48,400/-, कार्य पूरा होने की अवधि : स्वीकृतिपत्र जारी होने कि तिथि से 06 महीने।
निविदा बंद होने की तिथि व समय : दिनांक 03.10.2025 को 1530 बजे।
ऐसी ई-निविदा के तहत डाक/कूरियर/फैक्स या व्यक्तिगत रूप से भेजा गया कोई भी मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया जायेगा, भले ही यह फर्म (Firm) के लेटर हेड एवं नियत समय पर प्राप्त किया गया हो। ऐसे सभी मैनुअल प्रस्ताव को अवैध माना जायेगा तथा उसके बारे में किसी विचार के बिना तत्काल निरस्त कर दिया जायेगा। उपरोक्त ई-निविदा के ई-निविदा दस्तावेज सहित संपूर्ण जानकारी वेबसाइट : www.ireps.gov.in पर उपलब्ध होंगे।
द्रष्टव्य : प्रत्याशित निविदाकारों को यह सलाह दी जाती है कि इस ई-निविदा के लिए जारी कोई भी परिवर्तन/शुद्धिपत्र की ओर ध्यान देने के लिए वे निविदा बंद होने की कम से कम 15 (पन्द्रह) दिन पहले वेबसाइट का पुन:अवलोकन करें। निविदाकारों/बोलीदाताओं के पास अवश्य क्लास-III डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र होना चाहिए और वे IREPS पोर्टल में अवश्य पंजीकृत होना चाहिए। केवल पंजीकृत निविदाकार/बोलीदाता ई-टेंडरिंग में शामिल हो सकते हैं।
वरिष्ठ मण्डल विद्युत अभियन्ता (सा) / सम्बलपुर
PR-588/Q/25-26

पूर्व मध्य रेल
ई-निविदा सूचना
ई. खुली निविदा संख्या : ईसीआर-एसएनटी-ओटी-215-2025-26
मुहरबंद निविदाएं भारत के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से निम्नलिखित कार्य निष्पादन हेतु आमंत्रित किया जाता है।
(i) कार्य का नाम एवं स्थान और कार्य पूर्ण करने की अवधि : पूर्व मध्य रेलवे के सोनपुर मंडल में बेगूसराय (बीजीएस को छोड़कर) से कटिहार (केआईआर को छोड़कर) खंड (161 किमी) में स्वचालित ब्लॉक सिग्नलिंग का डिजान निर्माण, आपूर्ति, स्थापना परीक्षण और कमीशनिंग। मंडल : सोनपुर, पूर्णता अवधि 24 महीने, (ii) अनुमानित लागत ₹261,76,44,676.11 (दो सौ इकसठ करोड़ छिहत्तर लाख चौबालीस हजार छः सौ छिहत्तर रूपये और ग्याहर पैसे मात्र), (iii)अग्रधन जो जमा करना है : एक करोड़, (iv) निविदा फार्म जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय खोलने की तिथि एवं समय : 14.10.2025 अपराह्न 14.00 तक एवं 14.10.2025 अपराह्न 14.30 बजे, (v) वेव साईट एवं सूचना पट्ट का विवरण जहाँ से निविदा का पूर्ण विवरण देखा जा सके : www.ireps.gov.in, प्रमुख मुख्य सिगनल एवं दूरसंचार अभियंता/पूर्व मध्य रेल/ हाजीपुर का कार्यालय सूचना पट्ट एवं उप-मुख्य सिगनल एवं दूरसंचार अभियंता (कार्य)/ पूर्व मध्य रेल, हाजीपुर के कार्यालय सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है।
उप मुख्य सिंगनल एवं दूरसंचार अभियंता (कार्य)/पूमरे/हाजीपुर
पीआर/0941/एचक्यू/एस एण्ड टी/टी/25-26/40

मामूली विवाद में पिता-पुत्र के बीच मारपीट

पिता ने बेटे पर किया धारदार हथियार से हमला, मौत

बेटे की मौत के बाद पिता ने खुद पर किया हमला, घायल

आजाद सिपाही संवाददाता

रामगढ़। वेस्ट बोकारो ओपी क्षेत्र के बड़गांव में बड़ी घटना घटी है। मामूली विवाद में पिता ने बेटे पर धारदार हथियार से हमला कर दिया दिया। जिससे बेटे की मौत हो गयी। बाद में पिता ने देखा कि बेटे की मौत हो गयी है तब उसने खुदपर हमला कर जान लेने की कोशिश की। लेकिन परिजनों ने उसे उठाकर अस्पताल में भर्ती कराया है। पुलिस घटना की सूचना पाकर घटनास्थल पहुंचकर शव को कब्जे में कर पोस्टमार्टम के लिए रामगढ़ भेज दिया।

सुशील कैसे हुआ घायल, पुलिस कर रही जांच : वेस्ट बोकारो ओपी पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि संगीत की मौत के बाद उनके पिता सुशील जायसवाल कैसे घायल हुआ। हालांकि आसपास के लोग और पुलिस सूत्रों ने जो कहानी बतायी है, उससे पूरा परिवार ही कटघरे में खड़ा हो रहा है। ग्रामीण और सूत्र के अनुसार सुशील ने बेटे की हत्या करने के बाद खुद पर ही हमला किया, ताकि वह पुलिस को बता सके कि उनके साथ भी हाथापाई हुई है। सूत्रों ने बताया कि घटना के बाद सुशील जायसवाल और उनका पूरा परिवार संगीत की लाश को जलाने की भी कोशिश करने वाला था। लेकिन तब तक पुलिस पहुंच गयी।

पूरे परिवार से पुलिस कर रही पूछताछ : संगीत जायसवाल की मौत के बाद पुलिस ने पूरे परिवार से पूछताछ की है। फिलहाल पिता सुशील जायसवाल का इलाज अस्पताल में चल रहा है। इसके बाद परिवार के सदस्य दिलीप जायसवाल, शशि भूषण जायसवाल, दिलीप जायसवाल की पत्नी, संगीत की मां श्वेता जायसवाल से भी पुलिस ने पूछताछ की है। सूत्रों के अनुसार इन लोगों ने घटनास्थल से सबूत मिटाने के प्रयास किये थे। लेकिन पुलिस इस बिंदु पर अभी तक कुछ भी स्पष्ट नहीं कर पायी है।

बेटे को थी नशे की लत, परेशान पिता ने उठाया खौफनाक कदम

इधर घटना के बाद चर्चा है कि मुख्य वजह यह थी कि संगीत उर्फ सौम्यांक को नशे की लत लगी हुई थी। इस लत के कारण उसने अपने पिता सुशील जायसवाल की लाखों रुपये की जमा पूंजी उड़ा दी थी। ड्रग्स के नशे में धुत रहने वाले संगीत को लेकर उसके पिता पिछले कुछ दिनों से नाराज चल रहे थे। पुलिस की जांच में अभी तक जो बात सामने आई है उसमें यह है कि बाप और बेटे के बीच लगातार झगड़ा हो रहा था।

बेसुध बेटे को देख बाप का गुस्सा फूटा

पुलिस ने बताया कि अबतक जो मामले सामने आया है। उसमें पता चला है कि शुक्रवार की सुबह संगीत को बेसुध देखकर पिता सुशील जायसवाल का गुस्सा फूट पड़ा। उस समय उनके हाथ जो लगा, उसी से अपने बेटे की पिटाई करने लगे। उनके हाथ में मौजूद धारदार हथियार से संगीत के सिर पर हुए हमले के बाद संगीत की मौत हुई। हालांकि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद पूरा सच भी सामने आ जायेगा।

ग्रामीणों के विरोध के बाद देर रात अवैध नर्सिंग होम को किया गया सील

हंटरगंज/ चतरा (आजाद सिपाही)। प्रखंड क्षेत्र के दंतार गांव में गुरुवार की देर रात अवैध नर्सिंग होम को सील किया गया। संचालक मौके से फरार हो गया। पुलिस प्रशासन को अवैध नर्सिंग होम सील करने के कार्रवाई के दौरान ग्रामीणों ने जमकर विरोध किया था, जिसके कारण नर्सिंग होम को बिना सील किया पदाधिकारियों को वापस लौटना पड़ा था। लेकिन ग्रामीणों की भीड़ के हटने के बाद देर रात प्रशासन द्वारा नर्सिंग होम को सील करने की कार्रवाई पूरी कर दी गयी। नर्सिंग होम सील होने के बाद दूसरे दिन मरीज दंतार गांव के सामुदायिक स्वास्थ्य उप केंद्र अपना इलाज कराने पहुंचे। लेकिन स्वास्थ्य उप केंद्र में कोई भी चिकित्सक मौजूद नहीं थे। इसके बाद नाराज ग्रामीणों ने अपने गांव में समुचित स्वास्थ्य सुविधा बहाल करने की मांग को लेकर दंतार गांव के बाजार को बंद रखा। इस दौरान गांव के ग्रामीण शांतिपूर्वक अपनी मांग जिला प्रशासन के समक्ष रखते हुए कहा कि इन अवैध नर्सिंग होम को सील करने के साथ जिला प्रशासन का कर्तव्य है कि सरकारी स्वास्थ्य सुविधाओं को भी चुस्त दुरुस्त करें। ग्रामीण बाजार बंद के दौरान स्थानीय जिला प्रशासन और जनप्रतिनिधियों से सामुदायिक स्वास्थ्य उप केंद्र दंतार में 24 घंटे चिकित्सकों को ड्यूटी पर तैनात रखने और सभी प्राथमिक चिकित्सा सुविधा स्वास्थ्य उप केंद्र में उपलब्ध कराने का मांग किया। दुकानदारों ने शाम 4 बजे अपनी दुकानों को खोला। दूसरी ओर अवैध नर्सिंग होम सील करने के दौरान सरकारी कार्य में बाधा उत्पन्न करने के आरोप में वशिष्ठ नगर थाना में प्राथमिकी दर्ज की गयी है। जिसमें 58 नामजद और 300 से 400 अज्ञात महिला पुरुषों को अभियुक्त बनाया गया है। पुलिस द्वारा इसमें शामिल एक व्यक्ति को हिरासत में लिये जाने की सूचना है। लेकिन पुलिस ने इसकी पुष्टि नहीं की है। वहीं फरार झोलाछाप डॉक्टर के गिरफ्तारी के लिए छापामारी अभियान चलाया जा रहा है।

पूर्व मध्य रेल
ई-निविदा सूचना
ई. निविदा सूचना सं.: DEMU-SEE-02-2025
1. कार्य का नाम एवं कार्य स्थल : सप्लाई, इंस्टालेशन एंड कमीशनिंग ऑफ आई पी बेस्ड सर्विलांस सिस्टम इन डेमू डीपीसी एंड टीसी (RDSO Specification No. RDSO/ SPN/ TC/ 106/2025 Version 3.1) विथ कमप्रीहेन्सिव एनुअल मैटेनेस कॉन्ट्रैक्ट फॉर आई पी बेस्ड विडियो सर्विलांस सिस्टम (भी एस एस) इन डेमू डीपीसी एंड टीसी एट डेमू शेड, सोनपुर, 2. कार्य का अनुमानित व्यय : ₹7,45,15,230/- (रूपया सात करोड़ पैंतालिस लाख पंद्रह हजार दो सौ तीस मात्र), 3. अग्रदय राशि : ₹5,22,600/-, निविदा जमा करने की तिथि एवं समय : दि. 06.09.2025, 17:32 बजे, 5. निविदा खोलने की तिथि एवं समय : दि. 29.09.2025, 11:00 बजे तक, 6. वेबसाईट सूचना पट्ट विवरण तथा स्थल: www.ireps.gov.in 7. ई निविदा सूचना सं॰ - DEMU SEE-02-2025; 8. निविदा सूचना अवधि : 21 दिन
विस्तृत विवरण एवं निर्देश निविदा प्रपत्र में उपलब्ध है।
मयाई/टी॰एस॰-01/डेमू/ पूमरे/सोनपुर
पीआर/0938/एसईई/यां./टी/25-26/32

जन अधिसूचना
दक्षिण पूर्व रेलवे के निम्न वर्णित खण्ड के पूरा हो चुके खण्ड पर स्थित रेल लाइनों एवं परिसरों का इस्तेमाल करने वाले सभी उपयोगकर्ताओं को एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि खण्ड के तहत उल्लिखित तिथि को या उसके बाद 25000 वोल्ट, 50 हट्र्ज, ए.सी. ओवरहेड ट्रैक्शन वायर ऊर्जीकृत किया जाएगा। उक्त तिथि से ओवरहेड ट्रैक्शन लाइन हर समय सक्रिय मानी जाएगी एवं कोई अनधिकृत व्यक्ति उक्त ओवरहेड लाइन के पास न जाएगा और न ही उसके समीप कार्य करेगा। **खण्ड का नाम**: दक्षिण पूर्व रेलवे के राँची मंडल में हटिया-बंडामुंडा के बीच दोहरीकरण कार्य के संबंध में, टाटी-परबटोनिया खण्ड के बीच फीडर लाइन सहित लोकेशन नं. 538/11 (किमी चैनेज: 538/561.00) से 538/13 (किमी चैनेज: 538/678.50) के बीच टाटी में नया सेक्शनिंग और पैरललिंग पोस्ट (एसपी)। **ऊर्जीकरण की तिथि: 20.09.2025**
(PR-623)
उप मुख्य विद्युत अभियंता (निर्माण), राउरकेला
दक्षिण पूर्व रेलवे
मुस्कान के साथ सेवा

नेपाल की चुनौती

नेपाल में जेन-जेड ने जिस आंदोलन की शुरुआत की, अब वक्त है उसे अंजाम तक ले जाने का। हिंसा और अराजकता की स्थिति को जल्द से जल्द खत्म करने की जरूरत है। अंतरिम सरकार संभालने के लिए चर्चा में कई नाम हैं और इनमें से किसी एक पर सहमति बनाना चुनौतीपूर्ण हो सकता है। इसमें राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल और नेपाली सेना की भूमिका अहम हो जाती है। अच्छी बात यह है कि सड़कों पर आक्रोश जताने वाली नयी पीढ़ी अब संवाद की तरफ बढ़ रही है।

चाहिए नया नेतृत्व : जेन-जेड ने इतना बड़ा आंदोलन बिना किसी चेहरे के खड़ा किया। यह भ्रष्टाचार, बेरोजगारी, भाई-भतीजावाद और सरकार की नाकामी से उपजा गुस्सा था, जिसके चलते युवा सड़कों पर उतरते चले गये। उन्होंने केपीएस ओली की सरकार को तो उखाड़ दिया, लेकिन अब देश को नया नेतृत्व चाहिए। युवाओं को मौजूदा राजनीतिक व्यवस्था पर भरोसा नहीं और इसलिए वे बाहर से किसी ईमानदार छवि वाले शख्स को चाहते हैं।

कानून की बहाली : अंतरिम सरकार के सामने सबसे पहली चुनौती कानून-व्यवस्था को बहाल करने की होगी। अभी पूरे देश में सेना ने कमान संभाल रखी है, हालात तनावपूर्ण बने हुए हैं। नेपाल पहले भी इस तरह का संकट देख चुका है और कोई नहीं चाहता कि वैसी स्थिति दोबारा बने। दूसरी चुनौती होगी जितनी जल्दी हो सके, निष्पक्ष चुनाव करा कर चुनी हुई सरकार को सत्ता सौंपने की। राजनेताओं और मौजूदा राजनीतिक पार्टियों को लेकर जनता में गहरी नाराजगी है, लेकिन लोकतांत्रिक प्रक्रिया में किसी को भागीदारी से रोका नहीं जा सकता। देखना होगा कि अंतरिम सरकार कैसे बैलेंस बनाती है।

नेपाल का लोकतंत्र अभी दो दशक पुराना भी नहीं हुआ और दुर्भाग्य से इतने कम समय में ही इस देश ने चुनावी राजनीति की सारी बुराइयां देख लीं। जेन-जेड का आक्रोश बरसों से जनता के मन में दबे असंतोष का परिणाम है।

संवैधानिक व्यवस्था पर भरोसा : नेपाल में कुछ अरसे से राजशाही की वापसी की मांग चल रही है। इस आंदोलन के दौरान भी यह चर्चा फिर जोर पकड़ी। हालांकि इसे सकारात्मक माना जाना चाहिए कि राजनेताओं के प्रति अविश्वास के बावजूद जेन-जेड का भरोसा संवैधानिक व्यवस्था में बना हुआ है। हालांकि वे 2015 के संविधान में संशोधन की मांग कर रहे हैं।

आम जन का ख्याल : नेपाल का लोकतंत्र अभी दो दशक पुराना भी नहीं हुआ और दुर्भाग्य से इतने कम समय में ही इस देश ने चुनावी राजनीति की सारी बुराइयां देख लीं। जेन-जेड का आक्रोश बरसों से जनता के मन में दबे असंतोष का परिणाम है। यह वो प्वॉइंट है, जहां लिया गया हर एक फैसला नेपाल का भविष्य तय करेगा। और किसी भी फैसले में आम लोगों की आकांक्षाओं को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

अभिमत
आजाद सिपाही

जेन-जेड आंदोलन ने यह स्पष्ट कर दिया है कि वहां की जनता भ्रष्टाचार, असमानता और अवसरहीनता से ऊबकर निर्णायक प्रतिकार के मार्ग पर अग्रसर हो चुकी है। सोशल मीडिया पर लगाये गये प्रतिबंध ने इस असंतोष की चिंगारी को प्रचंड अग्निज्वाला में बदल दिया है, परंतु यह संकट केवल राजनीति या सत्ता तक सीमित नहीं है। यह नेपाल की सांस्कृतिक चेतना, धार्मिक आस्था और सामाजिक धड़कनों को भी झकझोर रहा है।

नेपाल का विद्रोह और भारत-नेपाल संबंधों में गोरक्षपीठ की भूमिका

प्रणय विक्रम सिंह

भगवान पशुपतिनाथ की कृपा-भूमि नेपाल इस समय विद्रोह की उफनती लहरों में डगमगा रहा है। जेन-जेड आंदोलन ने यह स्पष्ट कर दिया है कि वहां की जनता भ्रष्टाचार, असमानता और अवसरहीनता से ऊब कर निर्णायक प्रतिकार के मार्ग पर अग्रसर हो चुकी है। सोशल मीडिया पर लगाये गये प्रतिबंध ने इस असंतोष की चिंगारी को प्रचंड अग्निज्वाला में बदल दिया है, परंतु यह संकट केवल राजनीति या सत्ता तक सीमित नहीं है। यह नेपाल की सांस्कृतिक चेतना, धार्मिक आस्था और सामाजिक धड़कनों को भी झकझोर रहा है।

हिमालय की गोद और गंगा-यमुना की सांस्कृतिक गाथाओं से जुड़ा यह देश सदियों से भारत के साथ साझा परंपराओं का सेतु रहा है। भगवान पशुपतिनाथ के आशीष से पवित्र यह भूमि और जनक-राम की विवाह-स्थली जनकपुर से लेकर बुद्ध के जन्मस्थल लुंबिनी तक की सांस्कृतिक यात्रा भारत-नेपाल की एकात्मता का अश्वर प्रमाण है। हर वर्ष आयोजित राम-जानकी विवाह महोत्सव, मकर संक्रांति मेले और कुंभ-लुंबिनी संवाद जैसे पर्व इस एकात्मता को प्रत्यक्ष रूप से जीवित रखते हैं। ऐसे अस्थिर समय में भारत-नेपाल संबंधों का भविष्य केवल औपचारिक कूटनीति से तय नहीं होगा, बल्कि उन सांस्कृतिक स्तंभों की दृढ़ता पर टिका है, जिन्होंने सदियों से दोनों देशों की आत्माओं को एक सूत्र में पिरोया है। इन्हीं में सबसे प्रमुख है पावन गोरक्षपीठ (गोरखनाथ मठ, गोरखपुर), जो भगवान पशुपतिनाथ की पावन परंपरा के साथ मिल कर भारत और नेपाल की एकात्म सांस्कृतिक धारा का अमिट प्रतीक और विश्वास का जीवंत आधार है।

पृथ्वी नारायण शाह ने जब नेपाल को एक सूत्र में पिरोया, तो उन्होंने गोरखनाथ को राष्ट्र-रक्षक माना।

गोरक्षपीठ और नेपाल : संस्कृति का संबल, आस्था का सेतु

नेपाल के इतिहास में गोरक्षपीठ की भूमिका केवल एक मठ की मर्यादा तक सीमित नहीं रही, बल्कि यह सांस्कृतिक संबल और आध्यात्मिक सेतु के रूप में युगों-युगों तक गूंजती रही। हिमालय की गोद में जब 18वीं शताब्दी में गोरखनाथ की साधना का आलोक फैला, तब गोरखा राज्य को केवल नाम ही नहीं, बल्कि आत्मा भी मिली। पृथ्वी नारायण शाह ने जब नेपाल को एक सूत्र में पिरोया, तो उन्होंने गोरखनाथ को राष्ट्र-रक्षक माना। इस प्रकार गोरक्षनाथ परंपरा नेपाल की राजनीतिक चेतना की धड़कन बन गयी।

20वीं शताब्दी में महंत दिग्विजयनाथ महाराज और महंत अवेद्यनाथ महाराज ने इस परंपरा को नया प्राण और नया पथ दिया। पावन गोरक्षपीठ ने संतों को संगठित कर यह स्पष्ट किया कि भारत-नेपाल का संबंध न तो केवल सीमा का संबंध है और न ही केवल व्यापार का बंधन। यह तो आस्था की अटूट डोर और संस्कृति की सनातन संगीतमाला है।

1980-90 के दशक में जब नेपाल वामपंथी विचारधारा और राजनीतिक अस्थिरता की आंधी से जूझ रहा था, तब गोरक्षपीठ ने दीपक की तरह मार्ग दिखाया। महंत अवेद्यनाथ ने यह संदेश दिया कि भारत-नेपाल का संबंध केवल सत्ता की संधियों पर नहीं, बल्कि सदियों की साधना और साझी संस्कृति पर टिका है।

आधुनिक युग में गोरक्षपीठ का ध्वज योगी आदित्यनाथ ने संभाला है। उनकी जनकपुरधाम यात्रा वैदिक वाणी का उद्घोष बनी, पशुपतिनाथ मंदिर की पूजा आस्था का आलोक बनी, और लुंबिनी की बुद्ध जयंती सहभागिता हिंदू-बौद्ध संवाद का संगम बनी। आज गोरक्षपीठ केवल एक धार्मिक पीठ नहीं, बल्कि आधुनिक सांस्कृतिक कूटनीति का उज्ज्वल प्रतीक है।

गोरक्षपीठ ने नेपाल में कभी प्रत्यक्ष राजनीतिक हस्तक्षेप नहीं किया, किंतु हर संकटकाल में यह दीपशिखा बन कर दिशा दिखाता रहा। यह वही शक्ति है जो सीमाओं से परे सत्ता से ऊपर और संधियों से आगे जाकर भारतझनेपाल संबंधों को स्थायित्व और आत्मीयता देती है। यही कारण है कि नेपाल का जनमानस गोरक्षपीठ को केवल मठ नहीं मानता, बल्कि विश्वास का आधार, संस्कृति का संरक्षक और सनातन सेतु मानता है। एक ऐसा सेतु, जो हिमालय की चोटियों से लेकर गंगा-यमुना की धाराओं तक दोनों देशों की आत्माओं को एक सूत्र में बांधे रखता है।

मौजूदा परिस्थिति में गोरक्षपीठ की भूमिका

नेपाल की मौजूदा विद्रोही परिस्थितियां केवल सत्ता के संकट का परिणाम नहीं हैं, बल्कि समाज की गहरी बेचैनी, असमानता और अवसरहीनता का विस्फोट हैं। ऐसे समय में गोरक्षपीठ की भूमिका साधारण धार्मिक केंद्र तक सीमित नहीं रहती, बल्कि वह सांस्कृतिक मार्गदर्शक और सामाजिक सहारा बन सकती है। सबसे पहले, सांस्कृतिक स्मृति जगाना आवश्यक है। जनता को यह स्मरण कराना होगा कि राजनीतिक अस्थिरता अस्थायी है, लेकिन भारत-नेपाल की साझा परंपराएं शाश्वत हैं। हिमालय की गोद से लेकर गंगा की धारा तक बहती हुई यह सांस्कृतिक चेतना दोनों देशों की आत्माओं को जोड़े रखती है। जब युवाओं का आक्रोश व्यवस्था पर टूट पड़ता है, तब गोरक्षपीठ यह संदेश दे सकता है कि परिवर्तन केवल संघर्ष से नहीं, बल्कि परंपरा की जड़ों से जुड़ कर ही स्थायी हो सकता है।

दूसरे, गोरक्षपीठ एक विश्वास का सेतु बन सकता है। आज जब राजनीतिक दल आपसी अविश्वास और आरोप-प्रत्यारोप में उलझे हैं, तब जनता को किसी ऐसे मंच की आवश्यकता है, जो न तो सत्ता की लालसा से प्रेरित हो और न ही दलगत स्वार्थ से। गोरक्षपीठ अपने संतत्व और निष्पक्षता के कारण ऐसा मंच बन सकता है, जो संवाद, सहयोग और भरोसे का प्रतीक बने। यह संस्था नेपाल की जनता को यह विश्वास दिला सकती है कि भारत केवल एक राजनीतिक ताकत नहीं, बल्कि एक आत्मीय पड़ोसी, सहयात्री और सांस्कृतिक सहोदर है।

तीसरे, धार्मिक पर्यटन और अर्थव्यवस्था की दृष्टि से गोरक्षपीठ का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण हो सकता है। यदि गोरखनाथ-पशुपतिनाथ-जनकपुर-लुंबिनी जैसी ध्रुवीय स्थलों को एक साझा सांस्कृतिक-धार्मिक यात्रा मार्ग के रूप में विकसित किया जाये, तो इससे न केवल नेपाल की डगमगाती अर्थव्यवस्था को बल मिलेगा, बल्कि भारत-नेपाल के बीच जन-से-जन संपर्क और भी गहरा होगा। साल 2023 में ही नेपाल में 319,000 से अधिक भारतीय पर्यटक पहुंचे और 2024 की पहली छमाही में यह संख्या 1.8 लाख से अधिक रही। यह आंकड़े बताते हैं कि धार्मिक पर्यटन नेपाल की अर्थव्यवस्था की धड़कन है। पर्यटन से जुड़ी आय, रोजगार और सांस्कृतिक आयोजनों से जनता का मनोबल बढ़ेगा और अस्थिरता के बीच स्थिरता का अहसास होगा। और सबसे महत्वपूर्ण यह कि गोरक्षपीठ की पहुंच केवल राजाओं, राजनेताओं या संतों तक ही सीमित नहीं रही है, बल्कि आमजन के मन में भी उसकी गहरी जड़ें हैं। नेपाल के गांव-गांव और तराई के कस्बों तक में गोरखनाथ का नाम श्रद्धा और विश्वास के साथ लिया जाता है। किसान इसे अपने परिश्रम का संरक्षक मानते हैं, व्यापारी इसे अपने सौदे की सफलता का आशीर्वाद समझते हैं, और युवा इसे संघर्ष और संकल्प का प्रतीक मानते हैं। यही कारण है कि गोरक्षपीठ की पुकार जनता के हृदय तक सीधे पहुंचती है और कठिन समय में आश्वस्ति का आधार बन जाती है।

अंतरराष्ट्रीय कथा वाचक आचार्य शांतनु महाराज पूरे विश्वास के साथ कहते हैं कि नेपाल की आत्मा केवल सत्ता या संविधान से नहीं, बल्कि गुरु परंपरा से जुड़ी है। गोरखनाथ की साधना और पशुपतिनाथ की कृपा ही वह धारा है, जो हर संकट में नेपाल समाज को संभालती रही है। जब राजनीति डगमगाती है, तब जनता गोरक्षपीठ की ओर आश्वस्ति से देखती है। क्योंकि वहां से संदेश सत्ता का नहीं, बल्कि संस्कृति का आता है।

गोरक्षपीठ का महत्व : भारत-नेपाल संबंध अतीत में कई बार वामपंथी राजनीति, क्षेत्रीय राष्ट्रवाद और बाहरी दबावों से प्रभावित हुए हैं। कभी तेल और दाल-चावल की आपूर्ति रोकने का आरोप लगा, तो कभी चीन ने निवेश और कूटनीति के जरिए नेपाल की राजनीति में हस्तक्षेप बढ़ाया। ऐसे समय में गोरक्षपीठ एक ऐसा संदेश देता है, जो इन सब राजनीतिक उलझनों से ऊपर है। यह रिश्ता केवल सत्ता या आर्थिक गणित का नहीं, बल्कि संस्कृति, धर्म और आस्था का है।

कोल्हान की खबरें

आदिवासी समाज की हुई बैठक

जमशेदपुर (आजाद सिपाही)। आदिवासी मुंडा समाज केंद्रीय चुनाव संचालन समिति की एक तैयारी बैठक बारीगोड़ा पंचायत भवन में संयोजक राम सिंह मुंडा की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में समाज के अधिक से अधिक लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करने व आगामी आम सभा को सफल बनाने के लिए प्रत्येक शाखा में जागरूकता अभियान चलाने का निर्णय लिया गया। बैठक में तय किया गया आमसभा की बैठक सुचारू रूप से संचालन के लिए 14 शाखा समितियों से 3-3 नाम भेजे जायेंगे। साथ ही आगामी तैयारी बैठक 18 सितम्बर को सीताराम डेरा में आयोजित की जायेगी। इस अवसर पर राम सिंह मुंडा, नंदलाल पातर, दुबराज नाग, प्रभुराम मुंडा, प्रकाश सांडील, द्रौपदी मुंडा, सुनीता नाग, महेश नाग, रुद्र मुंडा, धन सिंह मुंडा, हरा धन मुंडा, करतब मुंडा और राजेश मुंडा उपस्थित रहे। बैठक का संचालन व धन्यवाद ज्ञापन सुनीता नाग ने की।

एक दिवसीय मेगा टूर्नामेंट का आयोजन

जमशेदपुर (आजाद सिपाही)। बागुनहातु फुटबॉल मैदान में शुक्रवार को एक दिवसीय मेगा फुटबॉल टूर्नामेंट का आयोजन किया गया। मौके पर 16 टीमों ने हिस्सा लिया। टूर्नामेंट में खिलाड़ियों के मनोबल को बढ़ाने के लिए बेस्ट गोलकीपर और बेस्ट प्लेयर का पुरस्कार दिया गया। वहीं प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली टीमों को ट्रॉफी प्रदान की गयी। विजेता खिलाड़ियों को व्यक्तिगत ट्रॉफियां भी दी गयी। इस अवसर पर सभी प्रतिभागी टीमों को जर्सी प्रदान कर लंच की विशेष व्यवस्था की गयी। टूर्नामेंट का आयोजन जनकल्याण संघर्ष समिति के सफल प्रयास और एआरजी क्लब के सहयोग से टाटा स्टील फाउंडेशन द्वारा किया गया। मौके पर टाटा स्टील फाउंडेशन के केशव रंजन, अभिषेक कश्यप, विदान मरांडी, एचआर हेड सौरभ सुर और रवि राव, जनकल्याण संघर्ष समिति से मछेंदर निषाद, अनुभव कुमार, सुभाष परमानिक, विश्वनाथ गुप्ता, एआरजी क्लब के सौमेन विश्वास, सुरेश कालिंदी, अगस्ती कालिंदी, राजू निषाद, भास्कर, मुकेश, पंडरा बोदरा, मजनु कालिंदी सहित युवराज क्लब के सभी सदस्य मौजूद रहे।

सारंडा का विजय-टू आयरन और माइंस बंद, 800 मजदूरों की रोजी-रोटी पर संकट

गुवा (आजाद सिपाही)। पश्चिम सिंहभूम के सारंडा जंगल स्थित टाटा स्टील का विजय-टू आयरन ओर माइंस 17 अगस्त की मध्य रात्रि से लीज समाप्त होने के कारण बंद हो गया। खदान बंद होने से लगभग 800 मजदूर बेरोजगार हो गये और क्षेत्र में भूख व पलायन की स्थिति बन गयी है। भाजपा नेता मंगल सिंह गिलुवा ने कहा खदान बंद होने से घर-घर का चैन छिन गया। मजदूरों के सामने आजीविका का संकट खड़ा हो गया। जहां कभी गाड़ियों की आवाज और काम की रौनक रहती थी, वहां अब सन्नाटा पसरा है।

सरायकेला-खरसावां पुलिस ने वाहन चोर गिरोह का किया खुलासा

दस आरोपी गिरफ्तार, 17 बाइक और पिकअप जब्त

आजाद सिपाही संवाददाता

आदित्यपुर। सरायकेला-खरसावां जिले के एसपी मुकेश कुमार लुणायत के निर्देश पर पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। शुक्रवार को पुलिस ने वाहन चोरी के खिलाफ कार्रवाई में दो अलग-अलग गिरोह के 10 अपराधी को गिरफ्तार कर लिया। जबकि 4 नाबालिगों को निरुद्ध किया गया। जांच के दौरान आरोपी के पास से कुल 17 मोटरसाइकिल और 1 पिकअप वाहन बरामद किया गया। पहला गिरोह आदित्यपुर थाना क्षेत्र में सक्रिय रहा। आरोपी के पास से 8 मोटरसाइकिल और 1 पिकअप

वाहन जब्त किया गया। बरामद वाहनों में हीरो स्प्लेंडर प्लस, हीरो स्प्लेंडर, हीरो पैशन प्लस, बजाज पल्सर और टीवीएस जुपिटर शामिल हैं। गिरफ्तार अपराधियों में सुजीत दास, लव मांझी,अजीत दास, भीम यादव, तरुण यादव, रासु गोराई, विलियम कुमार कर और शिवा दास शामिल हैं। वही दूसरा गिरोह को कुचाई थाना क्षेत्र से हिरासत में लिया गया। आरोपी के पास से 9 मोटरसाइकिल बरामद किया गया। गिरफ्तार और निरुद्ध लोगों में अमित कुम्भकार, उदय सामाड़ और 4 नाबालिग शामिल हैं। गिरोह के तार कुचाई थाना कांड संख्या 41/25, गम्हरिया थाना कांड संख्या 97/25 और बिष्टुपुर थाना कांड संख्या 70/24 से जुड़े हैं। छापामारी दल में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, थाना प्रभारी और अन्य पुलिस पदाधिकारी शामिल रहे। पुलिस का मानना है इस कार्रवाई से जिले में वाहन चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगेगा।

शिक्षक-अभिभावक मिलन समारोह में शामिल हुए विधायक

शिक्षा ही समाज का असली निवेश: संजीव सरदार

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। पोटका प्रखंड के भाटिन पंचायत अंतर्गत जादूगोड़ा उच्च विद्यालय में विद्यालय प्रबंधन समिति की ओर से शिक्षक-अभिभावक वार्षिक मिलन समारोह सह सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। शुक्रवार को कार्यक्रम में मुख्य अथिति पोटका विधायक संजीव सरदार शामिल हुए। मौके पर छात्रों और शिक्षकों ने पारंपरिक कालो नृत्य के साथ विधायक का भव्य स्वागत किया। कार्यक्रम का उद्घाटन विधायक के द्वारा दीप प्रज्जलित कर किया

गया। मौके पर विधायक ने कहा शिक्षक केवल किताबों का ज्ञान ही नहीं देते, बल्कि जीवन को सही दिशा देने का कार्य करते हैं। वे अनुशासन, संस्कार और सही-गलत का फर्क सिखाते हैं। श्री सरदार ने कहा शिक्षा ही समाज का असली निवेश है और शिक्षक उसके निमार्ता हैं। उन्होंने आगे कहा राज्य में आबुआ सरकार विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा प्राप्त करने में सहयोग कर रही है। उन्होंने भरोसा दिलाया वे शिक्षा के क्षेत्र में विद्यार्थियों और अभिभावकों के साथ हमेशा खड़े रहेंगे। मौके पर विद्यालय के प्रधानाध्यापक तपन कुमार साहू, शिक्षिका एंजेला सीमा वाड़ा, रीना कुमारी, रजली माई टुडू, सोमा महतो, देवेंद्र कुमार, शंकर सिंह, अनीता टोप्पो, रघुनाथ महतो सहित विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष रमेश सोरेन व सदस्य पूजा सरदार, रीना देवी, संदिर बांकीरा, रीना दे, कविता हो, चंपावती पात्रों उपस्थित रहे।

भारत-पाक मैच का विरोध, फेडरेशन ने खेल मंत्री की तस्वीर जलाकर जताया आक्रोश

जमशेदपुर (आजाद सिपाही)। ऑल इंडिया सिख स्टूडेंट फेडरेशन (पूर्वी भारत) के अध्यक्ष सतनाम सिंह गंभीर ने भारत-पाकिस्तान क्रिकेट मैच का जोरदार विरोध किया। उन्होंने कहा हाल ही में हुए पहलगाम आतंकी हमले में निर्दोष लोगों की शहादत अभी भी देश की जनता के दिलों में ताजा है। ऐसे समय में भारत और पाकिस्तान के बीच क्रिकेट मैच का आयोजन शहीद परिवारों की भावनाओं के साथ खिलवाड़ है। सतनाम सिंह गंभीर ने साफ कहा जब तक पाकिस्तान की धरती से आतंकवाद को बढ़ावा मिलता रहेगा और भारतीय जवानों पर हमले जारी रहेंगे, तब तक किसी भी प्रकार का क्रिकेट संबंध स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने सरकार और बीसीसीआइ से अपील की कि शहीदों की शहादत को ध्यान में रखते हुए प्रस्तावित मैच को रद्द किया जाये। शुक्रवार को संगठन के कार्यकर्ताओं ने साकची में खेल मंत्री मनसुख वडालिया की तस्वीर फूंक कर विरोध प्रदर्शन किया। गंभीर ने कहा संगठन का स्पष्ट मत है जब तक आतंकवाद पर कड़ी कार्रवाई नहीं होती,भारत-पाक क्रिकेट संबंधों पर रोक होनी चाहिए।इस अवसर पर रणजीत सिंह जोहरा, मनदीप सिंह, गुरदीप सिंह, रौनक सचदेव, जगप्रीत सिंह, अमरपाल सिंह, अमरजीत सिंह, मनमीत लूथरा, इंद्रपाल सिंह भाटिया, अमित खरबंदा, जितेंद्र सिंह शालू सहित कई सदस्य उपस्थित रहे।

साकची गुरुनानक स्कूल में डालसा का कानूनी जागरूकता शिविर आयोजित

जमशेदपुर (आजाद सिपाही)। जिला विधिक सेवा प्राधिकार (डालसा) जमशेदपुर के द्वारा साकची स्थित गुरुनानक स्कूल में निःशुल्क कानूनी जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में बच्चों को विभिन्न कानूनों और उनके अधिकारों से अवगत कराया गया। मौके पर बाल श्रम, बाल विवाह, चाइल्ड ट्रैफिकिंग, चाइल्ड प्रोटेक्शन और पॉक्सो एक्ट जैसे विषयों की विस्तृत जानकारी दी गयी। साथ ही बच्चों को बताया गया किसी भी समस्या के समाधान हेतु वे निसंकोच डालसा कार्यालय से संपर्क कर सकते हैं। अंत में प्रश्नोत्तर सत्र रखा गया, जिसमें छात्रों ने संतोषजनक फीडबैक दिया। सभी बच्चों ने अनुशासित ढंग से शिविर का लाभ उठाया और कानून संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी हासिल की।इस अवसर पर डालसा की पैनल लॉयर लक्ष्मी बिरुआ, पीएलवी सुनीता कुमारी, नागेंद्र कुमार, दिलीप जायसवाल, सुनील पांडेय, सुनीता झा, जोबरानी बास्के, प्रसीस मरांडी, ज्योत्सना गोप, स्कूल की प्राचार्या मधुबाला, संस्कृत शिक्षिका आशा चौबे सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

जनता दरबार में जमीन का ऑनलाइन म्यूटेशन

आजाद सिपाही संवाददाता

भंडरिया। भंडरिया अंचल कार्यालय मे उपयुक्त गढ़वा के निर्देश परअंचल पदाधिकारी राकेश भूषण सिंह के अध्यक्षता में जमीन से संबंधित अंचल कार्यालय में जनता दरबार का आयोजन किया गया। जिसमें ऑनलाइन म्यूटेशन किया गया और विवादित जमीन से संबंधित बारीकी से जमीन का पेपर का जांच किया। पेपर जांच के बाद अंचल कार्यालय से समाधान होने वाले रैयत को ऑन द स्पॉट निपटारा किया गया। इसके साथ ही अंचल कार्यालय से नहीं होने वाले रैयत को अनुमंडल और कोर्ट से संबंधित सुझाव दिये। रैयत ने जनता दरबार का लाभ भी लिया। इस मौके पर हल्का कर्मचारी व आंचल उप निरीक्षक बिंदेश्वरी कुमार, दिलीप बैठा, पवन कुमार सिंह, जितेंद्र कुमार, आंचल ऑपरेटर उदित कुमार, दिवाकर, मोतीचंद प्रसाद, रैयत में उपस्थित झगरू मिंज, सुनीत मिंज, नितेश कुमार, भारत प्रसाद सहित काफी संख्या में रैयत उपस्थित थे।

एसडीएम ने अवैध रूप से जमा एक सौ बोरी यूरिया पकड़ा

डीएओ तथा सीओ को अग्रेतर कार्रवाई का निर्देश

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। अनुमंडल पदाधिकारी संजय कुमार ने शुक्रवार शाम गढ़वा प्रखंड के प्रतापपुर गांव में असलम अंसारी नामक व्यक्ति की दुकान में 100 बोरी यूरिया पकड़ा। एसडीएम की पूछताछ में न तो उक्त व्यक्ति ने इस खाद के स्रोत के बारे में बताया और न ही खाद बिक्री के लिए आवश्यक कोई वैध लाइसेंस दिखाया। स्थानीय लोगों ने भी बताया कि इस व्यक्ति के पास किसी प्रकार का कोई लाइसेंस नहीं है। एक तरफ क्षेत्र भर में खाद की मारामारी और दूसरी तरफ इस प्रकार से भंडारित यूरिया के मामले पर तुरंत कार्रवाई करते हुए एसडीएम ने उक्त दुकान को मौके पर ही बंद कराते हुए अग्रेतर कार्रवाई हेतु अंचल अधिकारी, प्रखंड विकास पदाधिकारी तथा जिला कृषि पदाधिकारी को निर्देश दिया।

संजय कुमार ने अनुमंडल क्षेत्र के तमाम ऐसे व्यवसाईयों को सख्त हिदायत दी कि खाद उर्वरक आदि वस्तुएं अनिवार्य सेवाओं के दायरे में आते हैं इसलिए इनकी कालाबाजारी या अवैध भंडारण करना दंडनीय अपराध है। उन्होंने कहा कि जांच के उपरांत उस स्रोत पर भी कार्रवाई की जाएगी जिन्होंने इस इस व्यक्ति को इतनी बड़ी मात्रा में अनाधिकृत तौर से खाद उपलब्ध करवाया। उन्होंने कहा कि उपायुक्त के निर्देश पर खाद वितरण में पूरी पारदर्शिता लाने के लिए प्रशासनिक स्तर पर लगातार कड़ी चौकसी बरती जा रही है। कार्रवाई के दौरान दौरान कंचन प्रसाद, रविंद्र पासवान, अनिल कुमार, प्रिंस दास, रमेश कुमार आदि शामिल रहे। मौके पर बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौजूद थे।

सड़क हादसे में एक भाई की मौत, दूसरा गंभीर

आजाद सिपाही संवाददाता

नंदू भुइयां की फाइल फोटो

भवनाथपुर। प्रखंड के कैलान मुख्य पथ स्थित रेलवे क्रासिंग पर गुरुवार की रात एक तेज रफ्तार बाईक अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त होने से कैलान के भुइयांटोली निवासी शोभी भुइयां और नंदू भुइयां पिता स्व. बिफन भुइयां गंभीर रूप से घायल हो गये। उन्हें तत्काल इलाज हेतु स्थानीय सीएचसी लाया गया, जहां दोनों की गंभीर स्थिति को देखते हुए चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के सदर अस्पताल गढ़वा रेफर कर दिया, जहां इलाज के दौरान नंदू भुइयां की मौत हो गयी। जबकि सोभी भुइयां की हालत अभी भी गंभीर बनी हुई है और उनका इलाज जारी था। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस द्वारा शव का अंत्यपरीक्षण कराये जाने के उपरांत शव परिजनों को सौंप दिया। जानकारी के अनुसार उक्त दोनों भाई गुरुवार की देर शाम भवनाथपुर से अपने घर कैलान लौट रहे थे, तभी कैलान मखन रेलवे गेट के समीप उनकी बाइक अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त हो गई। इस हादसे में दोनों गंभीर रूप से घायल हो गये थे। उधर मृतक नंदू का शव जैसे कैलान पहुंचा पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गये।

शिक्षक-अभिभावक संगोष्ठी में बच्चों की उपस्थिति और सर्वांगीण विकास पर जोर

आजाद सिपाही संवाददाता

मेराल। प्रखंड के पीएम श्री स्तरोन्नत उच्च विद्यालय तेनार में शुक्रवार को शिक्षक अभिभावक संगोष्ठी का आयोजन विद्यालय के प्रधान अनंत प्रसाद मेहता की अध्यक्षता में किया गया।

संगोष्ठी में विद्यालय पोषक क्षेत्र के 200 से अधिक अभिभावक शामिल हुए। गोष्ठी में 6 से 14 आयु वर्ग के शत प्रतिशत बच्चों का नामांकन तथा नामांकित बच्चों की शत प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया। साथ ही कक्षावार अनियमित और कमजोर बच्चों की पहचान करने, बुनियादी साक्षरता एवं संख्यात्मक ज्ञान प्रोजेक्ट रेल परीक्षा में बच्चों का प्रदर्शन, पुस्तकालय एवं प्रयोगशाला आदि का समुचित उपयोग आदि विभिन्न मुद्दों पर गहन चर्चा की गयी। इसके पूर्व अभिभावकों के विद्यालय पहुंचने पर बाल संसद के सदस्यों ने मेन गेट पर गर्म जोशी के साथ उनका स्वागत किया गया।

मौके पर विद्यालय के प्रधान आनंद प्रसाद मेहता ने कहा कि अभिभावकों के सहयोग से ही विद्यालय के बच्चों का सर्वांगीण विकास संभव है। विद्यालय परिवार हर बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने के लिए हर संभव प्रयास कर रहा है। संगोष्ठी में उपस्थित विद्यालय के प्रबंधन समिति के अध्यक्ष राजू गुप्ता एवं विद्यालय के शिक्षक मोहम्मद इफ्तेखार अहमद अंसारी, विनोद राम, ललिता कुमारी, कुमारी अनिता शर्मा, श्वेता गुप्ता, रितेश कुमार, सुमन कुमार निराला, राम प्रजापति आदि ने बच्चों के सर्वांगीण विकास पर अपना-अपना विचार व्यक्त किये।

बीडीएसयू की बीडीएस परीक्षा का परिणाम घोषित

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। बाबू दिनेश सिंह विश्वविद्यालय द्वारा बीडीएस (प्रथम वर्ष, द्वितीय वर्ष, तृतीय वर्ष एवं चतुर्थ वर्ष) की परीक्षा का परिणाम 12 सितम्बर 2025 (शुक्रवार) को घोषित कर दिया गया है। उक्त परीक्षाएं जुलाई एवं अगस्त 2025 माह में संपन्न करायी गयी थीं। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलाधिपति दिनेश प्रसाद सिंह ने भी विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह परिणाम विश्वविद्यालय की गुणवत्ता और पारदर्शिता का परिचायक है। उन्होंने शिक्षकों एवं प्रशासनिक अधिकारियों को सफलतापूर्वक परीक्षा संचालन हेतु धन्यवाद ज्ञापित किया। कहा कि शिक्षा केवल ज्ञान अर्जन नहीं, बल्कि एक चरित्र निर्माण की प्रक्रिया है। आइए, हम सब मिलकर एक श्रेष्ठ चिकित्सक के साथ-साथ एक उत्कृष्ट मानव बनने की ओर अग्रसर हों। कुलपति प्रो (डॉ) एमके सिंह ने भी परीक्षा परिणाम के प्रकाशन पर प्रसन्नता व्यक्त की तथा सभी छात्रों को आगामी चिकित्सा सेवाओं में उत्कृष्ट योगदान देने के लिए प्रेरित किया। उन्होने यह भी कहा कि यह अवसर केवल अकादमिक उपलब्धियों का ही नहीं, बल्कि आपके परिश्रम, अनुशासन एवं समर्पण का उत्सव है। परीक्षा परिणाम की घोषणा के अवसर पर वनांचल डेंटल कॉलेज एंड हॉस्पिटल के प्राचार्य प्रो (डॉ) बसावा राज कल्लाली ने कहा कि यह परिणाम छात्रों की मेहनत और शिक्षकों के मार्गदर्शन का प्रतिफल है। उन्होंने सफल छात्रों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

राजकीय कन्या विद्यालय में बच्चों को पुरस्कार और अभिभावकों को सम्मान

आजाद सिपाही संवाददाता

भवनाथपुर। राजकीय कन्या विद्यालय के पीटीएम में मुख्य अतिथि के रूप में भवनाथपुर की मुखिया बेबी देवी एवं उप मुखिया समलेश कुमार रावत उपस्थित हुए। एचएम पांडेय सूर्यकांत शर्मा ने निपुण भारत कार्यक्रम की सफलता में स्कूल प्रबंधन समिति के साथ साथ अभिभावकों की भूमिका पर चर्चा किया। एफएलएन की गतिविधियों की समझ के बारे में माता-पिता से बात किया एवं माता-पिता की भागीदारी बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा की। मुखिया बेबी देवी ने विद्यालय के व्यवस्था एवं शैक्षिक माहौल को देखकर काफी प्रभावित हुईं। उन्होंने ने पुरस्कृत होने वाले बच्चों से बात किया और कहा कि निश्चित रूप बच्चे पुरस्कार के हकदार हैं। उन्होंने अभिभावकों को संबोधित करते हुए कहा कि बच्चों की शत प्रतिशत उपस्थिति कराएं एवं एफएलएन के छात्र कार्यपुस्तिका को घर में भी आपलोग देखें एवं स्वध्याय करवायें। विद्यालय में शैक्षिक उत्कृष्टता प्रदर्शित करने वाले बच्चों में वर्ग पांच की आशिका कुमारी, अभिनव कुमार, पवन कुमार, प्रियांशु कुमार, प्रियंका कुमारी वर्ग चार के शिवम कुमार, तनु कुमारी वर्ग तीन की ने पुरस्कार देकर तथा अभिभावकों को माता पिता को अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया। इस मौके पर शिक्षिका किरण सिंह, अभिभावक मंटू कुमार, बनारसी राम, कमलेश कुमार प्रजापति, रोहित कुमार, शीला देवी, बबीता देवी, रीता देवी, अनीता देवी, तारा देवी, बेबी देवी, कुमारी रिंकू देवी आदि उपस्थित थे।

पंचायत स्तरीय जनसुनवाई में 9 मामलों का निबटारा

आजाद सिपाही संवाददाता

कांडी। प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत मझिगावां पंचायत के सभागार में शुक्रवार को विशेष सामाजिक अंकेक्षण के तहत पंचायत स्तरीय जनसुनवाई आयोजित की गई। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीणों की उपस्थिति रही। मौके पर उपस्थित जनता में से ज्यूरी मेंबर का चयन किया गया, जिन्हें प्राप्त मामलों के निष्पादन हेतु सर्वसम्मति से बैठाया गया। अंकेक्षण दल की चार सदस्यीय टीम ने एक सप्ताह तक पंचायत क्षेत्र की विभिन्न योजनाओं की गहन जांच की। इस दौरान पंचायत से कुल 20 मामले सामने आए, जिनमें मनरेगा के 10 और प्रधानमंत्री आवास योजना (पीएम आवास) से जुड़े 10 मामले शामिल थे। जनसुनवाई के दौरान सामने आए मुद्दों में 91 पीएम आवास लाभुकों को शौचालय उपलब्ध नहीं होना तथा पीएम आवास के ही 9 लाभुकों को उज्ज्वला गैस कनेक्शन नहीं मिलने की शिकायत प्रमुख रही। इन मामलों को ज्यूरी मेंबर ने प्रखंड स्तरीय जनसुनवाई हेतु भेज दिया। वहीं मौके पर 9 मामलों का निष्पादन पंचायत स्तर पर कर दिया गया। इस अवसर पर अंकेक्षण दल के चार सदस्य, ज्यूरी मेंबर में शिवकुमार राम, संजय यादव, ममता देवी, पंचायत समिति सदस्य पश्चिमी पवित्री देवी, मुखिया रीता देवी, नरेश पासवान, शंभूनाथ शाह, सुनील यादव समेत कई ग्रामीण उपस्थित रहे।

एसडीएम ने तीन सरकारी विद्यालयों का किया औचक निरीक्षण

मिड-डे मील मेन्यू के अनुरूप हरी सब्जी नहीं देने पर जतायी नाराजगी

शिक्षकों, छात्रों एवं अभिभावकों के साथ संवाद किया, लिया फीडबैक

रेजो तथा लखेया में एसडीएम ने स्वयं भोजन कर मिड डे मील की गुणवत्ता जांची, दिये आवश्यक निर्देश

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। सदर अनुमंडल पदाधिकारी संजय कुमार ने क्षेत्र के तीन विद्यालयों का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने शिक्षकों एवं अभिभावकों के साथ आयोजित शिक्षक-अभिभावक गोष्ठी में भाग लिया तथा अभिभावकों से विद्यालयी व्यवस्था पर प्रत्यक्ष फीडबैक लिया।

एसडीएम ने स्कूली बच्चों से संवाद स्थापित कर उनकी पढ़ाई-लिखाई एवं अन्य शैक्षणेत्तर गतिविधियों के बारे में जानकारी ली। निरीक्षण के क्रम में मिड-डे मील योजना की भी गहन जांच की गयी। दो विद्यालयों में एसडीएम ने स्वयं बच्चों के साथ बैठकर भोजन ग्रहण किया और भोजन की गुणवत्ता की जांच की।

रेजो मध्य विद्यालय में निरीक्षण के दौरान मिड-डे मील मेन्यू के अनुरूप हरी सब्जी न परोसे जाने पर एसडीएम ने नाराजगी व्यक्त की तथा भविष्य में सुधार लाने का सख्त निर्देश दिया।

एसडीएम ने स्पष्ट कहा कि विद्यालयों में शिक्षा की गुणवत्ता एवं बच्चों को मिलने वाले पोषण आहार में किसी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जायेगी। इस दौरान बड़ी संख्या में शिक्षक, अभिभावक गण, छात्र छात्राएं तथा स्थानीय नागरिक मौजूद थे।

आंगनबाड़ी केंद्र संख्या 5 में सहायिका के लिए सुनिता सोनी का चयन

रंका (आजाद सिपाही)। रंका प्रखंड अंतर्गत रंकाकला आंगनबाड़ी केंद्र संख्या - 5 में 13 सितंबर 2025 को खाली पड़े सहायिका के लिए ग्राम सभा का आयोजन किया गया जिसमें उच्च योग्यताधारी सुनिता सोनी का चयन किया गया। यह सिट बीसी वन के लिए आरक्षित था। इस पद के लिए कुल सात आवेदन पड़े थे। जो विभिन्न कमियों के आलोक में अयोग्य घोषित कर दिया गया। इस मौके पर रंका सीडीपीओ अल्पना कुमारी, पर्यवेक्षिका रानी गीता, मुखिया रणजीत सोनी, परियोजना कन्या उवि के प्रधानाध्यापक सुधीर कुमार रजक, सुधाकर कुमार, एएनएम चंद्रकांति कुमारी, सेविका, वार्ड सदस्य प्रतिनिधि संतलाल चंद्रवंशी, पंचायत सहायक अमरेन्द्र कुमार सहित काफी संख्या में महिला पुरुष ग्रामीण जनता उपस्थित थे।

केतार के युवक की चेन्नई में मौत शव पहुंचते ही मचा कोहराम

आजाद सिपाही संवाददाता

केतार। प्रखंड क्षेत्र में बहुत गमगीन समय आया जब क्षेत्र के परसोडीह पंचायत के चौरा गांव में एक बार फिर पलायन की भेंट चढ़ा युवक का शव घर पहुंचा। शव पहुंचते ही कोहराम मच गया। उपस्थित सभी की आंखे नम थी। बताते चले कि चौरा गांव निवासी मनदीष पासवान का 30 वर्षीय पुत्र विमलेश कुमार पासवान रोजगार की तलाश में चेन्नई गया था। लेकिन शुक्रवार को पैतृक गांव उसकी लाश लौटी। ग्रामीणों ने बताया कि तीज व्रत के दिन चेन्नई के एक प्लांट में काम करने के दौरान विमलेश की अचानक तबीयत बिगड़ गयी। प्राथमिक इलाज हुआ लेकिन स्वास्थ्य में कोई सुधार नहीं हुआ। तभी विमलेश पासवान घर लौटने के लिए चेन्नई सेंट्रल रेलवे स्टेशन पहुंचा जहां उसकी हालत बिगड़ने लगी। रेलवे पुलिस ने मोबाइल पर सूचना परिजनों को दिया, तब तक देखते देखते उसकी मौत हो चुकी थी। विमलेश अपने पीछे पत्नी और चार मासूम दो पुत्र एवं दो पुत्री को छोड़ गया। उसका शव गांव पहुंचने की सूचना पर प्रखंड क्षेत्र में आग की तरह फैल गया। देखते देखते काफी संख्या में महिला,पुरुष एवं बच्चे की हुजूम लग गयी। सूचना पाकर जिला परिषद सदस्य ज्वाला प्रसाद, समाजसेवी पंकज कुमार सिंह, जेएमएम के प्रखंड अध्यक्ष लालेश्वर राम, उपाध्यक्ष इम्तियाज आलम, मुखिया प्रतिनिधि कलेंद्र पासवान,पूर्व मुखिया अनिल पासवान ने परिजनों को किसी प्रकार समझा बुझाकर ढांढस बंधाया।

क्लीन ग्रीन महोत्सव की तैयारियों को लेकर बैठक

आजाद सिपाही संवाददाता

बंशीधर नगर। श्री बंशीधर नगर पंचायत के प्रशासक राजकमल ने शुक्रवार को कार्यालय के सभागार में नपं के सभी दुर्गा पूजा समिति के पदाधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक का उद्देश्य 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक आयोजित होने वाले स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत क्लीन ग्रीन महोत्सव की तैयारियों को अंतिम रूप देना था। बैठक में प्रशासक राजकमल ने कहा कि इस बार पूजा पंडालों में प्रकृति संरक्षण की झलक अवश्य दिखनी चाहिये। उन्होंने समिति के पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि प्रसाद, पानी या शरबत के वितरण में कागज या पत्तल का प्रयोग किया जाये, ताकि प्लास्टिक प्रदूषण पर रोक लग सके। साथ ही उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि पंडालों में महिला और पुरुषों के लिये अलग-अलग प्रवेश द्वार बनाये जायें जिससे सुव्यवस्था बनी रहे। प्रशासक ने कहा कि पूजा समिति के सभी पदाधिकारी और सदस्य आइडी कार्ड का प्रयोग करेंगे। साथ ही पंडाल परिसर और उसके आसपास की स्वच्छता बनाये को बनाये रखना उनकी सबसे महत्वपूर्ण जिम्मेदारी होगी। उन्होंने पंडाल समितियों से अपील की कि वे आसपास के दुकानदारों को भी इस अभियान से जोड़ें और शहर के वातावरण को स्वच्छ और सुंदर बनाये रखने में सहयोग करें। प्रशासक ने सभी समितियों से अपील की कि वे इस कार्य को सिर्फ एक औपचारिकता न मानें, बल्कि समाज को स्वच्छ और सुंदर बनाने के संकल्प के साथ जुड़ें। बैठक में नपं के नगर प्रबंधक प्रणय मंडिलवार, रवि कुमार, दुर्गा पूजा समिति के अध्यक्ष आशीष अग्रवाल, नवयुवक क्लब के संरक्षक अजय प्रसाद मुखिया, अध्यक्ष कमलेश मेहता, जय भामा शाह क्लब के अध्यक्ष रजनीकांत मधुर, सचिव ऋतुराज जायसवाल, फ्रेंड्स रॉक ग्रुप के विकास कुमार बबलू, श्री बंशीधर सेवा संस्थान पाल्हे कला से शुभम कुमार चौबे, पीयूष चौबे, सर्वेश चौबे, आशीष चौबे, युवक संघ जतपुरा के राज शुक्ला, नवनीत शुक्ला, नव जीवन क्लब से अंकित कमलापुरी, जय भारत क्लब से हीरा प्रसाद, बजरंग सेवा समिति से विजय कुमार सहित नगर पंचायत के कर्मी उपस्थित थे।

घायल मजदूरों को दिया आर्थिक सहयोग

आजाद सिपाही संवाददाता

रंका। रंका प्रखंड अंतर्गत कंचनपुर पंचायत के मुखिया प्रत्याशी संजय राम (पत्नी गीता देवी) ने कंचनपुर गांव के दो घायल मजदूरों को मधुसूदन राम के हाथों आर्थिक सहयोग प्रदान किया है। इस संबंध में ग्रामीण मधुसूदन राम ने बताया कि एक मांह पूर्व गांव के मजदूरों की पिकप गाड़ी काम करने बिहार जाने के दौरान दुर्घटनाग्रस्त हो गयी थी जिसमें तीन लोगों की मौत और बहुत से महिला-पुरुष घायल हो गये थे। उनमें कैलाश राम एवं एक अन्य दो घायल व्यक्ति को तीन-तीन हजार रूपये का आर्थिक सहयोग प्रदान किया गया है। इस मौके पर मधुसूदन राम, दीपनारायण यादव सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

समाहरणालय, लातेहार
(योजना शाखा)

शुद्धि पत्र

जिला योजना कार्यालय, लातेहार के पत्रांक 305/जि०यो० दिनांक 23.08.2025 के द्वारालातेहार जिला अन्तर्गत डी0एम0एफ0टी0 मद से लातेहार जिला के प्रत्यक्ष/अप्रत्यक्ष रूप से खनन प्रभावित क्षेत्र अंतर्गत CGLM प्रयोजना के लिए सामग्री, Safety Tools इत्यादि का क्रय एवं आपूर्ति के लिए Request for Proposal (RFP) for selection of Agency for Supply Of SLRM Operational Tools & Safety Equipments for Solid Liquid Resource Management (SLRM) on Rate Contract in Latehar District हेतु निविदा (PR no.- 360268) आमंत्रित की गई थी।

उक्त निविदा/RFP को प्रशासनिक दृष्टिकोण से रद्द किया जाता है।

PR 361799 Planning and Development (25-26)_D

जिला योजना पदाधिकारी,
लातेहार

महत्वपूर्ण खबरें

पीएलवी ने राष्ट्रीय लोक अदालत के लिए चलाया जागरूकता अभियान

ईचागढ़ (आजाद सिपाही)। ईचागढ़ प्रखंड अंतर्गत गौरांगकोचा पंचायत के काठघोड़ा गांव में पीएलवी गंगासागर पाल ने राष्ट्रीय लोक अदालत के संबंध में जानकारी दिया।आगामी 13 सितंबर 2025 को आयोजित होने वाले राष्ट्रीय लोक अदालत को लेकर जिला विधिक सेवा प्राधिकार सरायकेला के सचिव तौसीफ मेराज के निर्देश पर पीएलवी गंगासागर पाल ने जागरूक अभियान चलाया। पीएलवी श्री पाल ने बताया कि ऋण संबंधित समझौता, विद्युत चोरी का मामला एवं छोटे मोटे मामलों में जो न्यायालय में लंबित है वैसे मामलों का निष्पादन किया जायेगा। उन्होंने कहा कि बिजली चोरी का मामला दर्ज है एवं उपभोक्ता द्वारा जुमार्ना भी अदा कर बेल लें लिया है, वैसे मामलों में लोक अदालत द्वारा कांड का निष्पादन किया जायेगा। बैंक ऋण के मामलों में बैंक से समझौता कर मामला का निष्पादन किया जाएगा।

मनोहरपुर पुलिस ने आरोपी के घर बरसालडीह में चिपकाया इश्तेहार

सोनाहातू (आजाद सिपाही)। मनोहरपुर थाना में दर्ज कांड संख्या 28/24 के आरोपी पिंटू लोहरा उर्फ टाइगर के घर थाना क्षेत्र के बरसालडीह गांव में जाकर न्यायालय के आदेश पर मनोहरपुर थाना पुलिस ओर चाईबासा पुलिस के नेतृत्व में एसआइ गौतम रजवार के सहयोग से इश्तेहार चिपकाया गया। एसआइ ने बताया कि कांड संख्या 28/24 के आरोपी पिन्टू लोहरा के घर बारसालडीह गांव में जाकर इश्तेहार चिपकाया गया।इनपर भादवि 191(2)/191(3)/190/132/109 बीएनएस 27/35 आर्म्स एक्ट 17 सीएलए एक्ट के तहत मामला दर्ज है।

फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली

ईचागढ़ (आजाद सिपाही)। ईचागढ़ थाना क्षेत्र के केंदुआडीह निवासी कुंजू गोप, उम्र- 47 वर्ष ने अपने घर से दूर झाड़ी पर पलाश की पेड़ में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। सूचना पर शुक्रवार को ईचागढ़ पुलिस पहुंचे तथा मामले की छानबीन कर शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सरायकेला सदर अस्पताल भेज दिया। कुंजू गोप की शव पालश की पेड़ पर गामछा के सहारे लटका हुआ था। झाड़ी से दुर्गंध आने पर लोगों ने जाकर देखा और इसकी जानकारी थाना को दी।

फरार अभियुक्त लखविंदर के घर पुलिस ने चिपकाया इश्तिहार

खूंटी (आजाद सिपाही)। तोरपा थाना की पुलिस ने विभिन्न मामलो के फरार अभियुक्त लखविंदर महतो उर्फ बौना महतो के टाटी भंडार टोली स्थित आवास पर शुक्रवार को इश्तिहार चिपकाया। पुलिस ने प्रमुख चौक-चौराहों पर भी इश्तिहार चिपकाया। लखविंदर के खिलाफ तोरपा थाने में कांड संख्या 10/2025,दिनांक 22/01/2025, धारा 126(2)/115/74/352/304 बीएनएस के तहत 22 जनवरी 2025 को मामला दर्ज किया गया है।

नारी शक्ति आजीविका संकुल संगठन सिंदरी की आमसभा

अड़की (आजाद सिपाही)। अड़की प्रखंड केसिंदरी पंचायत के पंचायत भवन में नारी शक्ति आजीविका संकुल संगठन सिंदरी की आमसभा आयोजन किया गया। इसकी अध्यक्षता सुशीला देवी ने की। इसमें सभी महिला समूहों के आय-व्यय पर गहन चर्चा हुई। बैठक में निर्णय लिया गया कि सभी महिला समूह समय समय पर गांवों के समूहों से मिलकर महिलाओं को जागरूक करना और स्वरोजगार हेतु प्रोत्साहित करना। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में विधायक प्रतिनिधि मनोज मंडल उपस्थित हुए और इनके साथ सिंदरी ग्राम प्रधान पांडु मुंडा, ग्रामीण बैंक के मैनेजर, जेएसएलपीएस के बीपीएम चंदन आदि उपस्थित थे।

खेलो झारखंड 2025-26 का समापन

बुंडू (आजाद सिपाही)। बुंडू स्थित टीटीसी मैदान एवं रमेश सिंह मुंडा प्लस स्मारक टू उच्च विद्यालय के मैदान में आयोजित दो दिवसीय खेलो झारखंड 2025-26 का समापन हुआ। इसमें अंडर 14 से 19 के सरकारी विद्यालयों के छात्र/छात्राओं ने अपनी प्रतिभा दिखाई। प्रथम दिन अभ्यासिक म० वि० के मैदान में एथलेटिक्स के सारे प्रतियोगिता एवं दूसरे दिन खो-खो, कबड्डी, वालीबॉल तथा रमेश सिंह मुंडा प्लस स्मारक टू उच्च विद्यालय के मैदान में फुटबॉल का आयोजन किया गया। इसमें प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त खिलाड़ियों और उनके टीम को प्रशस्ति पत्र और शिल्ड देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन प्रखंड विकास पदाधिकारी बुंडू सावित्री कुमारी द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। कार्यक्रम के सफल संचालन हेतु बीइइओ, बीपीओ, डीडीओ अरुण कुमार भारद्वाज, अकाउंटेंट रितुलाल सिंह मुंडा एवं प्रखंड के सभी बीआरपी, सीआरपी तथा शिक्षकों का प्रमुख योगदान रहा।

भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ी तमाड़ बड़ा तलाब की पुलिया

तमाड़ (आजाद सिपाही)। तमाड़ प्रखंड के लाइफ लाइन माने जानेवाले तमाड़ ओर रायडीह मोड़ एनएच 33 को जोड़नेवाले मुख्य सड़क के बीच बड़ा तालाब पर बनी पुलिया पिछले वारिश मे बह गयी थी। इसमें आवागमन पूरी तरह से बंद हो गया था। उक्त सड़क से प्रखंड मुख्यालय के अलावा विभिन्न स्कूलों और कई सरकारी कार्यालयों तक प्रतिदिन सैकड़ों लोगों का आवागमन होता है। यह सड़क तमाड़ से लुंगटु वाया परासी उलीडीह तक आरइओ का है, जो पिछले कुछ साल पहले ही संवेदक राजू झा के द्वारा बनायी गयी थी। बनाने के साथ ही सड़क उखड़ने लगी थी। पुलिया को भी सही ढंग से नहीं बनाया गया था। इसके चलते कई बार ग्रामीणों ने उच्चधिकारियों को ज्ञापन देकर विरोध भी किया था, लेकिन संवेदक का उच्च पहुंच के कारण उन पर कई जांच एवं करवाई नहीं हुई। उक्त सड़क का मेटेनेंस का अवधि अभी भी समाप्त नहीं हुई है, लेकिन संवेदक द्वारा टूटी जगह पर मिट्टी भरकर लीपापोती का काम किया गया था, जो फिर से मिट्टी बह जाने के कारण जर्जर हो गयी है। किसी दिन बड़ी दुर्घटना घट सकती है। आजसू पार्टी के केंद्रीय सदस्य सह तमाड़ प्रभारी हीरालाल दास द्वारा रांची उपायुक्त एवं विभागीय पदाधिकारियों को जानकारी दी जाती है कि उक्त सड़क की बदहाल स्थिति एवं टूटी पुलिया पर विशेष संज्ञान लेते हुए विभागीय करवाई कर सड़क को अविलंब दुरस्त के साथ-साथ पुलिया को अबिलंब निर्माण कराया जाये, अन्यथा आजसू पार्टी आंदोलन करने पर बाध्य होंगे।

शिक्षा सिर्फ नौकरी पाने के लिए नहीं, अच्छा जीवन के लिए भी जरूरी है : सुदीप गुड़िया

आजाद सिपाही संवाददाता

खूंटी। तोरपा के विधायक सुदीप गुड़िया ने अभिभावकों का आह्वान किया कि वे अपने बच्चों केा स्कूल जरूर भेजें। शिक्षा सिर्फ नौकरी पाने के लिए नहीं, बल्कि अच्छा जीवन जीने के लिए भी जरुरी है। विधायक शुक्रवार को

तोरपा स्थित श्री हरि उच्च विद्यालय शिक्षक-अभिभावक की बैठक को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। इसके पूर्व सुदीप गुड़िया, जिला शिक्षा पदाधिकारी अपरूपा पॉल चौधरी, जिला शिक्षा अधीक्षक अभय कुमार शील, बीडीओ नवीन कुमार झा आदि ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया। अभिभावकों और शिक्षकों को सम्बोधित करते हुए विधायक ने कहा कि शिक्षा अनमोल रत्न है। इसे कोई चुरा नहीं सकता है. इसीलिए अभिभावक बच्चों को अवश्य पढ़ायें। उन्होंने कहा कि अभिभावक एक कौर कम खाएं लेकिन बच्चों को स्कूल अवश्य भेजें। उन्होंने कहा कि ग्राम सभा में शिक्षा जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर भी चर्चा करें। अपने आस-पड़ोस में जो बच्चा स्कूल से ड्रॉप आउट है या स्कूल नहीं जाता है, उसके अभिभावक से मिलें और कारण जानें तथा उसे दूर कर ऐसे बच्चों को स्कूल जरूर भेजें।. विधायक ने कहा कि सबको गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिल, इसके लिए राज्य सरकार लगातार काम कर रही है. उन्होंने बताया कि तोरपा में जल्द ही बालिका आवासीय विद्यालय का भवन बनकर तैयार हो जायेगा, जहां यहां की बच्चियों शिक्षा ग्रहण कर सकेंगी। बीपीओ नरेंद्र कुमार ने शिक्षक अभिभावक बैठक के उद्देश्य के बारे में बताया. कि साल में चार बार इस तरह की बैठक आयोजित की जाती है। बैठक में विद्यालय में बच्चों का शत प्रतिशत नामांकन व उपस्थिति, बच्चों के बीच के लर्निंग गैप को पाटने, अभिभावक शिक्षक का सहयोग, रेल परीक्षाओं में बच्चों का प्रदर्शन, बच्चों की शिक्षा में माता पिता की भागीदारी आदि विषय पर विस्तृत चर्चा की गयी। बैठक में शिक्षकों ने व्यावसायिक शिक्षा पाठ्यक्रम की जानकारी अभिभावकों को दी। बैठक में मैट्रिक तथा इंटर की परीक्षा के विद्यालय टॉपर तथा शत प्रतिशत उपस्थिति वाले बच्चों को सम्मानित किया गया। स्वागत भाषण प्रधानाध्यापिका किरण हेरेंज ने किया.कार्यक्रम का संचालन श्वेता होरो, धन्यवाद ज्ञापन बिना रोज बाखला,बैठक में विद्यालय की प्रधानाध्यापिका किरण हेरेंज, मुखिया जॉन तोपनो, मनोज कुमार नाग, इंद्रानिल भट्टचार्य, अंशीला कंडुलना, मधु मालती, प्रभासी कुमारी, जूरिट केरकेट्टा, नीलम तिर्की, सुनीता लकड़ा, एरिक न्यूटन कुजूर आदि उपस्थित थे।

सत्संग और ध्यान से सभी दुखों का अंत हो जाता है : स्वामी गंगाधर

आजाद सिपाही संवाददाता

खूंटी। महर्षि मेंही आश्रम मलियादा मुरहू में ऋषिकेश आश्रम के पूज्य स्वामी गंगाधरजी महाराज और बद्रीनाथ धाम के पूज्य स्वामी वैष्णवानंदजी महाराज जी के सानिध्य में आयोजित आठ दिवसीय ध्यान साधना एवं सत्संग शिविर के छठे दिन शुक्रवार को स्वामी गंगाधरजी महाराज ने अपने प्रवचन में कहा कि सत्संग और ध्यान-भजन से मनुष्य के सभी पाप और दुःखों का अंत हो जाता है। यह बातें शास्त्र में भी वर्णित हैं। भगवान शिव, भगवान राम, हनुमानजी सभी को हम तस्वीरों में ध्यान करते देखते हैं। उन्होंने कहा कि जीवन का सच्चा ज्ञान गुरु ज्ञान सत्संग - ध्यान करने से मिलता है। सभी को सदाचारयुक्त और भक्ति युक्त जीवन जीने से ही परम सुख-शांति मिलती है। स्वामी वैष्णवानंदजी महाराज ने कहा कि गुरु की बताई युक्ति जानकर अपने भगवान, इष्ट -गुरु का ध्यान किया जाता है। सत्संग और ध्यान से पापों का क्षय हो जाता है और मानव जीवन में सभी प्रकार से सुखों की अनुभूति करता है। गत सात सितंबर से चल रहे इस ध्यान साधना शिविर में राजेंद्र बाबा, गुलाब बाबा, गोपाल बाबा,श्याम बिहारी बाबा, लोदरो बाबा, दिगंबर बाबा सहित 50 से अधिक साधक ध्यानाभ्यास कर रहे हैं। कार्यक्रम को सफल बनाने में डॉ डीएन तिवारी, मुचीराय मुंडा,चमरा मुंडा, मंगल मुंडा, सुरेश पंडित, रामहरि साव सहयोग कर रहे हैं।

समाज के लोगों को बरगलाने का काम नहीं करें : ललित कुमार महतो

आजाद सिपाही संवाददाता

तमाड़। झारखंड आंदोलनकारी ऑल झारखंड स्टूडेंट्स यूनियन आजसू के पूर्व केंद्रीय अध्यक्ष सह आदिवासी कुरमी महासभा के केंद्रीय अध्यक्ष ललित कुमार महतो ने कहा कि कुरमी समाज के नेता बनने और वोट बैंक के चक्कर में समाज के लोगों को बरगलाने का काम नहीं करें। ललित कुमार महतो ने कहा कि कुरमी और कुड़मी एक ही जाति है। जो लोग कुरमाली भाषा संस्कृति को भूल चुके हैं और राड़ बंगला या उड़िया बंगला मिक्स भाषा बोलते हैं वे लोग कुरमी उच्चारण नहीं कर पाते हैं और कुरमी के बदले कुडमी बोलते हैं। और वही लोग जो कुरमाली भाषा संस्कृति भूल चुके हैं वही लोग आज बोट बैंक और अपने को कुरमी नेता साबित करने के चलते कुरमी समाज/जाति के लोगों को दिग्भ्रमित कर रहे हैं।

ललित कुमार महतो ने कुर्मी जाति/समाज आग्रह किया है कि ऐसे लोगों से सावधान रहें और ऐसे लोगों का सामाजिक वहिस्कार करें। ललित कुमार महतो ने कुरमी समाज के लोगों को विन्मभ्र आग्रह करते हुए कहा कि कुरमी जाति झारखंड राज्य के सबसे बहुल जाति होने के वावजूद वर्तमान मे झारखंड में कुरमी समाज/जाति के लोग विकट परिस्थितियों का सामना कर रहे हैं, चारो ओर से घिरे हुए हैं, चाहे राजनीतिक हो सामाजिक हो आर्थिक हो या सम्मान / इज्जत बचाए रखने की हो, ऐसी विकट परिस्थिति में समाज के लोगों को एक जुट होकर सामाजिक धान मे मिश्रित पाशड़ाओं को साफ करने की जरूरत है।

राय स्टेशन में संबलपुर-जम्मूतवी का ठहराव शुरू

- पूर्व विधायक समरीलाल और सांसद प्रतिनिधि रविंद्र सिंह ने हरी झंडी दिखाकर ट्रेन को किया रवाना

आजाद सिपाही संवाददाता

पिपरवार। कोयलांचल क्षेत्र के राय रेलवे स्टेशन मे 11 सितम्बर की रात कोयलांचल क्षेत्र के लोगो के लिए यादगार और ऐतिहासिक रहा। गुरुवार 11 सितंबर की रात से राय रेलवे स्टेशन में संबलपुर-जम्मूतवी एक्सप्रेस ट्रेन का ठराव शुरू हो गया है।

कोरोनाकाल के बाद से राय रेलवे स्टेशन में संबलपुर-जम्मूतवी एक्सप्रेस ट्रेन का ठहराव बंद हो गया था, जिसके कारण यात्रियों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। इसको लेकर हजारीबाग सांसद के चतरा जिला प्रतिनिधि रविंद्र कुमार सिंह ने रांची सांसद सह केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ को ज्ञापन देकर उक्त ट्रेन के ठहराव की मांग की थी,जिसको देखते हुए सांसद संजय सेठ ने केंद्रीय रेल मंत्री से मुलाकात कर इस समस्या से अवगत कराया था। जिसके बाद रेलवे ने राय रेलवे स्टेशन में संबलपुर-जम्मूतवी एक्सप्रेस ट्रेन का ठहराव का आदेश जारी किया।

कांके के पूर्व विधायक समरीलाल और सांसद प्रतिनिधि रविंद्र कुमार सिंह ने संयुक्त रूप से हरी झंडी दिखा कर ट्रेन को रवाना किया। इस मौके पर मुखिया रीना देवी, एसके चौधरी, शैलेंद्र सिंह, फुलेश्वर सिंह, राय रेलवे स्टेशन अधीक्षक संजीव कुमार, टीआइ उमेश कुमार मौजूद थे।

बिरसा कॉलेज में हिंदी दिवस और नशा उन्मूलन कार्यक्रम

खूंटी (आजाद सिपाही)। बिरसा कॉलेज खूंटी में शुक्रवार को हिंदी दिवस और राष्ट्रीय सेवा योजना के अंतर्गत मादक पदार्थ और नशा मुक्ति उन्मूलन कार्यक्रम चलाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ बिरसा कॉलेज के प्रभारी प्राचार्य डॉ चंद्रकिशोर भगत और खेल प्रभारी राजकुमार गुप्ता ने दीप प्रज्वलित कर किया। प्राचार्य डॉ चंद्रकिशोर भगत ने हिंदी भाषा के महत्व और उसकी सार्थकता पर प्रकाश डाला। राजकुमार गुप्ता ने कहा कि आज हिंदी का डंका पूरे विश्व में बज रहा है। डॉ संगीता संगा ने हिंदी भाषा की विशेषताओं पर प्रकाश डाला। डॉ अभिषेक ने बताया कि किस प्रकार विश्व में हिंदी भाषा ने रोजगार के अवसर सृजित किये है।

नागेश्वर महतो पब्लिक स्कूल में शिक्षक सम्मान समारोह

आजाद सिपाही संवाददाता

तमाड़। तमाड़ प्रखंड क्षेत्र के सालगाडीह में स्थित नागेश्वर महतो पब्लिक स्कूल में शुक्रवार को शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन विद्यालय की निदेशिका कुमकुम महतो की अगुवाई में किया गया। इसमें मुख्य अतिथि समाजसेवी झारखंड आंदोलनकारी आस्तिक महतो सहित तमाम अतिथि शिक्षक शिक्षिकाओं ने सर्वप्रथम भारत रत्न सर्वपल्ली राधाकृष्णन और स्व. नागेश्वर महतो के स्मृति चित्र पर माल्यार्पण और पुष्पांजलि अर्पित कर कार्यक्रम की शुरुआत की। इस दौरान भारत के महान विभूति सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जीवन काल का शिक्षा के क्षेत्र में योगदान पर सभी अतिथियों के द्वारा विस्तृत रुप से प्रकाश डाला गया मौके पर सभी अतिथियों और शिक्षक शिक्षिकाओं को सम्मानित किया गया। तत्पश्चात छात्र छात्राओं के द्वारा मधुर गीत संगीत से सजी खास प्रस्तुत दी गयी। इस मौके पर अतिथि के तौर पर तमाड़ कालेज के प्राचार्य कृष्ण सिंह मुंडा, घनश्याम महतो और शिक्षक शिक्षिकाओ में बहालेन हंस, निशा कुमारी, यशोदा कुमारी किरण कुमारी, संजू कुमारी, विरेंद्र महतो, रासबिहारी यादव, उद्धव महतो, सुफल उरांव, दीपक महतो आदि मौजूद थे।

कौन थे शिक्षक स्वर्गीय नागेश्वर महतो

तमाड़ के सालगाडीह गांव के शिक्षक थे स्वर्गीय नागेश्वर महतो। आजीवन पांच परगना छेत्र में शिक्षा का जोत जलाते रहे। 75 वर्ष की उम्र में 12 मार्च 2023 में उनकी मृत्यु हो गयी। वे सरकारी शिक्षक थे और उनकी पोस्टिंग अड़की तमाड़ सोनाहातू, राहे, बुंडू प्रखंड में हुईं। वहां उन्होंने बच्चों के शिक्षा में आजीवन पहल करते रहे। रिटायर के बाद वो एक स्कूल खोलने की ललक जगी, लेकिन परिवार की उलझनों में फंसते चले गये। वे अपने छह बच्चों को शिक्षा की दीप जलाकर गये। दो प्रोफेसर, तीन शिक्षक, एक हाई स्कूल व एक बेटे को झारखंड पुलिस में नौकरी कराके इस जीवन को अलविदा कहा। उनकी मृत्यु के बाद उनके बेटों ने मिलकर नागेश्वर महतो पब्लिक स्कूल 2023 को खोला, जो अवतरण चल रहा है। पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा और उनकी पत्नी सांसद गीता कोड़ा ने इस विद्यालय की नींव रखी, जो एक वट वृक्ष के जैसे बड़ा होता जा रहा है। उनके एक बेटे संजय महंतो की पत्नी कुमकुम महतो इस स्कूल की डायरेक्टर हैं। करीब 400 बच्चे यहां पढ़ाई कर रहे हैं। करीब 12 से 15 शिक्षक कार्यरत हैं।

महत्वपूर्ण खबरें

अभिवंचित वर्ग को लाभ पहुंचाएं अधिकारी-कर्मचारी: नवीन चंद्र झा

खूंटी (आजाद सिपाही)। तोरपा प्रखंड सभागार में शुक्रगवार को आदि कर्मयोगी अभियान के तहत दिवसीय प्रशिक्षण का शुभारंभ हुआ। प्रशिक्षण का आगाज प्रखंड विकास पदाधिकारी नवीन चंद्र झा, जेएसएलपीएस की डीपीएम मनीषा सांचा, अंचल अधिकारी पूजा बिन्हा और बाल विकास परियोजना पदाधिकारी पूजा कुमारी ने दीप प्रज्वलित कर किया। प्रशिक्षण में प्रखंड की चौदह पंचायतों के कार्यकारी विभाग से पांच-पांच सदस्य, जिसमें मुखिया, पंचायत सचिव, सामुदायिक चिकित्सक, आंगनबाड़ी सेविका, जल सहिया, वन कर्मी तथा प्रदान और आजीविका मिशन से जुड़ी दीदियों ने भाग लिया। प्रशिक्षण में इस बात पर बल दिया गया कि विभिन्न विभाग आपस में समन्वय स्थापित का ग्रामीण क्षेत्रों के सभी चिह्नित 51 गांवों में अभिवंचित वर्ग को लाभ पहुंचाएं। प्रशिक्षण सत्र का संचालन कनीय अभियंता पेयजल एवं स्वच्छता रवेल होरो, कुमार अमित प्रखंड समन्वयक, बेला रचना मिंज महिला पर्यवेक्षिका, वन विभाग, प्रदान एवं स्वास्थ्य विभाग के प्रतिनिधियों ने किया।

पांचपरगना ऑल आर्टिस्ट एसोसिएशन ने मनाया करम मिलन

राहे (आजाद सिपाही)। पांचपरगना ऑल आर्टिस्ट एसोसिएशन के तत्वावधान में शुक्रवार को राहे प्रखंड स्थित शिव टांगरा मंदिर परिसर में भव्य करम मिलन समारोह का आयोजन किया गया। पूरे पांच परगना के छः प्रखंड राहे, सिल्ली, सोनाहातू, बुंडू, अड़की, तथा तमाड़ के कलाकार अपनी पारम्परिक वेशभुषा में अपनी-अपनी कला की प्रस्तुति किए।मौके पर केंद्रिय टीम से अध्यक्ष रमन गुप्ता, सचिव जगतपाल गोप , संरक्षक प्रवीण कुमार, कोषाध्यक्ष संजय साहू, सिल्ली प्रखंड अध्यक्ष ठाकुर दास कोइरी आदि मौजूद थे। इस दौरान पांच परगना ऑल आर्टिस्ट एसोसिएशन के द्वारा कलाकारों को सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर राहे प्रखंड अध्यक्ष फेकुराम महतो, खेदूराम महतो , कोषाध्यक्ष घनश्याम अहीर आदि मौजूद थे।

मृदा स्वास्थ्य और उत्पादन विषय पर प्रशिक्षण एवं जागरूकता कार्यक्रम

चान्हो (आजाद सिपाही)। राजकीय कृत उत्क्रमित उच्च विद्यालय सिलगाई में शुक्रवार को मृदा स्वास्थ्य और उत्पादन विषय पर प्रशिक्षण एवं जागरूकता अभियान चलाया गया। इसमें कृषि विज्ञान केंद्र मोराबादी से रामकृष्ण मिशन के डॉक्टर ओपी शर्मा शामिल हुए। उन्होंने बताया कि आज हम कृषि के क्षेत्र में नई तकनीक को लागू करके अपने कृषि उत्पादन को बढ़ा सकते हैं। हमें ऑर्गेनिक खेती और केंचुआ खाद इत्यादि का प्रयोग ज्यादा करना चाहिए। इसमें नवम और दशम वर्ग के विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। मौके पर प्रधानाध्यापक राजू उरांव, प्रखंड तकनीकी प्रबंधक जनक सिंह, शिव उरांव, जगदीश, बिरसा उरांव, हसन अंसारी, पवन उरांव एवं कृषक मित्र उपस्थित थे।

खूंटी ब्लड बैंक में 17 स्वास्थ्य कर्मियों ने किया रक्तदान

खूंटी (आजाद सिपाही)। ब्लड बैंक खूंटी में खून की कमी को दूर करने के उद्देश्य से जिले के सिविल सर्जन डॉ नागेश्वर मांझी और सदर अस्पताल खूंटी के उपाधीक्षक डॉ आनंद किशोर उरांव की पहल पर शुक्रवार को रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 17 स्वास्थ्यकर्मियों ने रक्तदान किया, जिसमें शंकर गुड़िया, डीबर सुरीन, प्रदीप महतो, रवि जीवन लकड़ा, साऊ मुंडा, संजू साहु, प्रिस्का होरो, मो. नवाज अंसारी, रोशन कुमार सिंह, गौतम कुमार सिंह, डॉ. विकास भेंगरा, शम्भू मिश्रा, एसपी सिंह, कृष्णा कच्छप, जस्टिल होरो, चंद्रशेखर महतो और तुनित बाखला शामिल हैं।सफल आयोजन में एलटी सुशांत कुमार और सुजीत नाग का विशेष योगदान रहा। मौके पर डॉ आनंद किशोर उरांव ने रक्तदान की महत्ता पर प्रकाश डाला।

काउंसिल के सदस्यों ने सीसीएल अधिकारियों को किया सम्मानित

पिपरवार (आजाद सिपाही)। ऑल इंडिया एससी/एसटी/बीसी एंप्लाई कोऑर्डिनेशन काउंसिल सीसीएल के तत्वाधान में सीसीएल मुख्यालय दरभंगा हाउस के कई महाप्रबंधकों को उनके कार्यालय में काउंसिल परिवार की ओर से मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व काउंसिल अध्यक्ष सह सीसीएल महामंत्री बृजकिशोर राम एवं सीसीएल उपाध्यक्ष इकबाल हुसैन ने किया। काउंसिल द्वारा जीएम ऑपरेशन राजीव सिंह,जीएम एनईई प्रदुल्ल कुमार,जीएम एक्सावेशन प्रवीण कुमार, आलोक कुमार,एचओडी पीआरओ अविनेश कुमार सहित अधिकारियों को सम्मानित किया। मौके पर काउंसिल अध्यक्ष बृजकिशोर राम, उपाध्यक्ष इकबाल हुसैन, सीसीएल मुख्यालय से संतोष कुमार, अनिल साहनी, जागेश्वर राम, सुको देवी, मीना देवी, लाल बाबू ठाकुर, राजेश पासवान, जनेश्वर राम, आरपी सिंह, रैना मांझी, संता कुमार, शशि कुमार, पिपरवार से रथू गंझू, राहुल राम, एनके से दिलीप गंझू, दिलीप पासवान, संजय कुमार, राजकुमार महतो, इस्लाम अंसारी, दिलीप पासवान, नागेश्वर यादव, अयूब अंसारी सहित अन्य लोग मौजूद थे।

खूंटी जिले के 18वें स्थापना दिवस पर काटा गया केक

खूंटी (आजाद सिपाही)। खूंटी में जिला स्थापना दिवस के अवसर पर शुक्रवार को कोई कार्यक्रम आयोजित नहीं हुआ। शहर के सामाजिक संगठन खूंटी क्लब के सदस्यों ने इस दिन को याद किया। क्लब परिसर में सदस्यों ने जिला गठन के इस दिन को याद करते हुए केक काटा और जिले वासियों को जिला स्थापना दिवस की शुभकामनाएं दी। मौके पर क्लब के सचिव गणपत कुमार भगत ने कहा खूंटी जिला समृद्ध संस्कृति, सभ्यता एवं प्राकृतिक सौंदर्य वाला जिला है। खूंटी को जिला बने 18 साल हो चुके हैं। इन 18 सालों में खूंटी जिला ने आगे चलना सीख लिया है। हालांकि खूंटी का जितना विकास होना चाहिए था नही हो पाया है। राजकुमार गुप्ता राज, कृष्णचंद्र मिश्रा, महेश चौधरी, ज्योतिष भगत, राजकुमार गुप्ता राजू और संतोष गुप्ता ने अपने विचार रखे।

नहाय-खाय के साथ आज से जिउतिया पर्व शुरू

बेड़ो (आजाद सिपाही)। पुत्र की दीर्घायु, सुरक्षा एवं मंगल कामना के लिये मनाया जाने वाला जिवित पुत्रिका (जिउतिया) पर्व शनिवार को नहाय-खाय के साथ शुरू होगा। इसे लेकर शुक्रवार को महावीर चौक में सब्जी, पूजन एवं खाद्य सामग्री की लोगों ने खूब खरीददारी की। महिलाएं विधि विधान के साथ पूजा की तैयारी में जुट गई हैं। पर्व की समाप्ति सोमवार को व्रती माताओं द्वारा पारण कर किया जायेगा। हिंदू परंपरा के अनुरुप पुरातन काल से ही माताओं द्वारा जिउतिया पर्व का व्रत धारण किया जाता है। सप्तमी को नहाय-खाय के साथ तीन दिवसीय जिउतिया पर्व का अनुष्ठान प्रारंभ हो जाता है।

पिकअप वाहन से प्रतिबंधित मांस बरामद, चार गिरफ्तार

बिहार से मांस लाद कर जा रहे थे कोलकाता, जांच शुरू

आजाद सिपाही संवाददाता

पकड़े गये आरोपितों की जानकारी देती पुलिस।

नामकुम। खरसीदाग पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर छापामारी कर दो पिकअप वैन से प्रतिबंधित मांस के साथ चार युवकों को गिरफ्तार किया है। जानकारी के मुताबिक थाना प्रभारी भवेश कुमार को सूचना मिली थी कि सफेद और काले रंग की प्लास्टिक से ढंक कर दो पिकअप वैन में गोवंशीय पशु का प्रतिबंधित मांस कोलकाता ले जाया जा रहा है। जो दलादली क्षेत्र से नामकुम-खरसीदाग की ओर जा रहा है। सूचना पर पुलिस टीम ने तुरंत कार्रवाई करते हुए खरसीदाग ओपी क्षेत्र स्थित रिंग रोड पर वाहन जांच अभियान चलाया। इस दौरान पुलिस ने भुसूर रिंग की ओर से आते दो पिकअप वैन को रुपके का संकेत दिया। पर पुलिस को देखकर वाहन चालक और अन्य लोग गाड़ी छोड़कर भागने लगे। पर पुलिस ने घेराबंदी कर सभी को पकड़ लिया। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वाहनों में मुर्गी का दाना और मछली का चारा लदा है। इस दौरान आरोपियों ने संबंधित दस्तावेज भी दिखाये। हालांकि पुलिस को दस्तावेजों पर संदेह हुआ और उन्होंने गाड़ियों में बंधे तिरपाल को खोलकर जांच की, तो वाहनों में गोवंशीय पशु का प्रतिबंधित मांस भरा मिला। इसके बाद पुलिस ने वाहनों को जब्त कर लिया और चालकों के साथ दो लोगों को गिरफ्तार किया। बताया जा रहा है कि चारों आरोपी पश्चिम बंगाल के रहने वाले है, जो पिकअप वैन में प्रतिबंधित मांस बिक्रमगंज-रोहतास (बिहार) से लाद कर कोलकाता ले जा रहे थे।

कांच के दरवाजे में फंसी दो साल की बच्ची कड़ी मशक्कत के बाद निकाली गयी बाहर

आजाद सिपाही संवाददाता

बेड़ो। प्रखंड मुख्यालय के गुमला रोड स्थित बैंक ऑफ इंडिया में शुक्रवार की सुबह लगभग 10.45 बजे दो साल की बच्ची का सिंर कांच के दरवाजे में फंस गया। कड़ी मशक्कत के बाद दरवाजे का प्लाई काटकर बच्ची के सिर को बाहर निकाला गया। जानकारी के अनुसार प्रखंड के हरिहरपुर जामटोली के बरटोली गांव निवासी जसवंती देवी शुक्रवार को पैसा निकालने के लिए अपनी दो साल की बेटी प्रिस्का मुंडा को लेकर बैक गयी थी। पैसा निकालने के लिए जसवंती कतार में खड़ी हो गई और अपनी बेटी को खेलने के लिए छोड़ दिया। इसी बीच बच्ची खेलते- खेलते कांच के दरवाजे में जाकर फंस गई। उसकी चीख सुनकर कुछ देर के लिए बैंक में अफरा तफरी मच गई। बच्ची का सिंर दरवाजे में फंसा होने की बात सुनकर आस-पास के लोग भी मौके पर पहुंच गये। इसकी सूचना तुरंत बेड़ो पुलिस को दी गई। खबर पाते ही बेड़ो थाना के एएसआई भानु कुमार रजक मौके पर पहुंच गये। इसके बाद लकड़ी मिस्त्री अजय कुमार को बुलाकर दरवाजा को काट कर बच्ची को बाहर निकाला गया।

अयोध्या साइन बोर्ड को एक लाख रुपये का सहयोग कर वर्षों पुराने विवाद को सुलझाया

अनगड़ा (आजाद सिपाही)। महिला उत्पीड़न वाद संख्या ओएस 262/2017 अर्चना कुमारी के न्यायालय से मध्यस्थता के लिए रांची मध्यस्थता केंद्र भेजा गया था। शुक्रवार को उक्त वाद को सफलतापूर्वक मध्यस्थता के माध्यम से सुलझा लिया गया। इस वाद को सुलझाने के लिए डालसा सचिव ने अधिवक्ता मध्यस्थ अमरेंद्र कुमार झा को मध्यस्थता नियुक्त किया था। अधिवक्ता मध्यस्थ अमरेंद्र कुमार झा एवं दोनों पक्षों के अधिवक्तागण अमित कुमार वर्मा एवं सौमित चटर्जी के अथक प्रयास से सुलझा लिया गया। मध्यस्थता राष्ट्र के लिए अभियान के तहत दोनों पक्षों ने एक अनोखा समझौता किया और अयोध्या साइन बोर्ड को एक लाख रुपये का सहयोग राशि देकर वर्षों पुराने विवाद को सुलझा लिया।

सड़क दुर्घटना में बाइक सवार युवक की हुई मौत

चान्हो (आजाद सिपाही)। बीजूपाड़ा-खलारी मुख्यपथ पर स्थित चौड़ा चौक के निकट शुक्रवार की दोपहर 2.30 बजे सड़क दुर्घटना में 22 वर्षीय युवक की मौत हो गयी। उसकी पहचान खालिद अंसारी के रूप में हुई है। वह खलारी का रहने वाला था। जानकारी के मुताबिक खालिद अंसारी अपनी बाइक से बीजूपाड़ा की ओर से आ रहा था, तभी उक्त स्थान पर एक कार से आगे निकलने के दौरान सामने से आ रही दूसरी कार से बचने के प्रयास में असंतुलित होकर टकराकर गंभीर रूप से घायल हो गया। खबर पाकर मौके पर हुंची पेट्रोलिंग पुलिस ने उसे चान्हो स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएससी) पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए रिम्स अस्पताल रेफर कर दिया गया। जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गयी।

खेलो झारखंड प्रतियोगिता में 42 मेडल जीत कर चकला मध्य विद्यालय बना ओवरऑल चैंपियन

ओरमांझी (आजाद सिपाही)। खेलो झारखंड प्रखंड स्तरीय प्रतियोगिता में 42 मेडल जीतकर चकला मध्य विद्यालय के बच्चों ने ओवरऑल चैंपियन का खिताब अपने नाम किया। अंडर 14 बालिका वर्ग फुटबॉल में अपनी बेहतरीन खेल का प्रदर्शन कर विजेता बने। इसके साथ ही विभिन्न प्रतिस्पर्धा में प्रथम स्थान प्राप्त किया। जिसमें अंडर 14 बालिका वर्ग लंबी कूद में प्रथम, अंडर 17 बालिका वर्ग ऊंची कूद में प्रथम, अंडर 14 बालिका वर्ग 200 मीटर दौड़ में प्रथम, अंडर 14 बालिका वर्ग 400 मीटर रिले दौड़ में प्रथम, अंडर 14 बालिका वर्ग 600 मीटर दौड़ में प्रथम स्थान, अंडर 14 बालिका वर्ग 400 मीटर दौड़ में प्रथम, अंडर 14 बालक वर्ग 400 मी रिले दौड़ में प्रथम, अंडर 17 बालक वर्ग भाला फेक में प्रथम स्थान, अंडर 17 बालक वर्ग चक्का फेंक में प्रथम, अंडर 14 बालक वर्ग लंबी कूद में प्रथम, अंडर 14 बालक वर्ग 600 मीटर दौड़ में प्रथम, अंडर 14 भाला फेक में प्रथम और अंडर 17 बालक वर्ग गोला फेक में प्रथम होने के साथ ही विभिन्न खेलों में दो दर्जन से अधिक द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया। प्रधानाध्यापक विमलेश कुमार मिश्रा, शिक्षक संघ के प्रखंड अध्यक्ष सतीश बड़ाईक, आशा कुमारी, प्रभा देवी, अनुपा शैल बाला कुजूर, संगीता कुमारी, सुषमा देवी, दिनेश कछाप, कुमारी किरण माला और मो मुस्तफा अंसारी ने बच्चों का हौसला बढ़ाया।

प्रोजेक्ट उच्च विद्यालय में अभिभावक-शिक्षक बैठक में विभिन्न मुद्दों पर चर्चा

नामकुम (आजाद सिपाही)। प्रखंड अंतर्गत बरगांवा पंचायत स्थित प्रोजेक्ट उच्च विद्यालय में शुक्रवार को शिक्षक-अभिभावक बैठक हुई। जिसका नेतृत्व प्राचार्य ज्योति कुमारी ने किया। बैठक में आगामी बोर्ड परीक्षा में बेहतर परीक्षाफल का प्रयास करने, छात्रों की नियमित उपस्थिति, विद्यालय विकास का प्रारुप एवं विद्यालय में असामाजिक तत्वों द्वारा परेशान किए जाने से निजात दिलाने को लेकर चर्चा की गई। वहीं, अभिभावकों ने शैक्षणिक, राष्ट्रीय शिक्षा नीति के परिप्रेक्ष्य कार्यो के संबंध में अपने-अपने विचार और सुझाव दिया। इसके पूर्व अभिभावकों का स्वागत बाल संसद के प्रधानमंत्री रिया कुमारी एवं शिक्षिका कुमारी ज्योति गुप्ता ने बुके देकर किया। धन्यवाद ज्ञापन वरीय शिक्षिका नीलम सुधा ने किया। इस मौके पर बरगांवा पंचायत की मुखिया अनिता तिर्की, विद्यालय एसएमसी की अध्यक्ष कविता देवी, कुमरी सुनीता, पंचमी देवी, अरविंद कुमार राणा आदि उपस्थित थे।

शांति समिति की बैठक में आपसी सौहार्द के साथ त्योहार मनाने का लिया गया निर्णय

ठाकुरगांव (आजाद सिपाही)। दुर्गा पूजा को लेकर शुक्रवार को ठाकुरगांव थाना में शांति समिति की बैठक हुई। जिसकी अध्यक्षता मांडर सर्किल इंस्पेक्टर एसबी चौधरी ने की। थाना प्रभारी ने सोशल मीडिया में भ्रामक पोस्ट नहीं करने की अपील की। साथ ही चेताते हुए कहा कि पूजा के दौरान अशांति फैलाने वालों पर प्रशासन सख्त कार्रवाई करेगी। वहीं, मुखिया दशरथ उरांव, पूजा किस्पोट्टा, जयंती देवी, पंसस कमल मोदी, अख्तर अंसारी, शमीम अंसारी और संजय पटेल ने भी अपने-अपने विचार व्यक्त किये और पर्व के दौरान पुलिक की गश्ती बढ़ाने की मांग की। इस मौके पर कलेश्वर महतो, पुनि दिलीप कुमार, विनय यादव, पुअनि प्रधान किस्कू, सुरेश दास, गुड्डू सिंह और जितराम उरांव आदि मौजूद थे।

मंदिर निर्माण को लेकर समिति की बैठक

नामकुम (आजाद सिपाही)। मंदिर निर्माण को लेकर शुक्रवार को मां तारा सेवा आश्रम एवं साधना केंद्र की बैठक हुई। जिसकी अध्यक्षता समिति के अध्यक्ष गौतम ओझा ने की। बैठक में मां तारा मंदिर निर्माण की प्रगति और आगामी नवरात्र पूजन पर चर्चा की गई। समिति के अध्यक्ष गौतम ओझा ने कहा कि हमें समाज से भरपूर सहयोग मिल रहा है। यहां जल्द ही पावन शमसान भूमि में माता के भव्य मंदिर का निर्माण पूर्ण होगा। बैठक में मठधीश भीष्म नारायण तपस्वी, गजाधर शर्मा, विनोद शर्मा, कामदेव तिवारी, हरि सिंह, सुधिष्ठिर पांडेय, सुमन सिंह, कृष्णा गिरी आदि मौजूद थे।

क्षतिग्रस्त पोल के सहारे 11 हजार वोल्ट का तार

नामकुम (आजाद सिपाही)। प्रखंड अंतर्गत लाली पंचायत के लाली-रामपुर मुख्य मार्ग पर 11 हजार वोल्ट का बिजली तार गुजरा है। जिसमें बिजली तार का एक पोल पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो चुका है। बताते चलें कि लाली-रामपुर मुख्य मार्ग होने के कारण यहां 24 घंटे बड़ी-बड़ी वाहनों का आवगमन होता रहता है। बावजूद इसके विभाग की ओर से लापरवाही बरती जा रही है। साधारणः 240 वोल्ट के करंट से इंसान की जान चली जाती है, लेकिन यहां 11 हजार वोलट का तार ही क्षतिग्रस्त पोल पर टीका हुआ है। इस दौरान लाली के ग्रामीणों ने विभाग से नये पोल लगाने की मांग की है।

लापुंग प्रखंड में जिला कांग्रेस अध्यक्ष का चुनाव सह रायसुमारी

लापुंग (आजाद सिपाही)। प्रखंड विधायक कक्ष में शुक्रवार को पर्यवेक्षक सह विधायक नमन बिक्सल कोंगाडी, शहजादा अनवर, कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष सह जिला प्रभारी परविंदर सिंह की मौजूदगी में बैठक हुई। जिसमें कांग्रेस के प्रखंडवार संगठन सृजन और पार्टी के जिला अध्यक्ष के चयन को लेकर रासयुमारी की गयी। इस दौरान जिला अध्यक्ष का चयन किया गया, जिसकी जानकारी जिला ऑवजर्वर को दिया जाएगा। बैठक में सभी मंच मोर्चा के अध्यक्ष, पंचायत अध्यक्ष, मंडल अध्यक्ष, महिला मोर्चा अध्यक्ष आदि उपस्थित हुए। इस मौके पर कांग्रेस के लापुंग प्रखंड अध्यक्ष जयंत बारला, सुदामा महली, जन्मेजय पाठक, दुर्गा पाइक, देवेंद्र वर्मा, सत्यनारायण पाठक, सुरेश साहू शामिल हुए और चुनाव एवं रायशुमारी का हिस्सा बने। पता चला है कि जिलाअध्यक्ष के चयन के अलावा कांग्रेसी कार्यकर्ताओं को वरिष्ठ नेताओं की ओर से कई दिशा निर्देश भी दिया गया। साथ ही पार्टी हित में अभी से ही आपसी समन्वय बनाकर काम करने को कहा गया है।

ग्रामीणों ने श्रमदान कर बनायी वर्षों से उपेक्षित जर्जर सड़क

बेड़ो (आजाद सिपाही)। जरिया नहर टोली गांव में आजादी के 78 वर्ष बाद भी सड़क का निर्माण नहीं हुआ है। जिम्मेदारों की उपेक्षा का दंश झेलने के बाद गांव ग्रामीण खुद सामूहिक प्रयास से अपनी समस्या का समाधान करने में जुट गए। ग्रामीण श्रमदान कर खुद से ही गांव की मुख्य कच्ची सड़क की मरम्मत कर रहे हैं। शुक्रवार को रिचर्ड रोहित एक्का की अगुवाई में वर्षों से गड्ढे में तब्दील सड़क निर्माण के लिए लोगों ने श्रमदान किया। शशि अनामिश एक्का और प्रमोद गोप ने कहा कि यह सड़क आजादी के 78 वर्ष बाद भी उपेक्षित रहा। जब किसी भी जन प्रतिनिधि का ध्यान नहीं पड़ा तो जनता ने खुद इस सड़क को श्रमदान कर बनाने का निर्णय लिया। ग्रामीणों ने गांव के अक्षेश्वर धाम मंदिर से नहर टोली गांव तक जाने वाली कच्ची सड़क को श्रमदान कर खुद ही बना दिया। श्रमदान करने वालों में शशि अनामिश, प्रमोद गोप, प्रदीप गोप, प्रिंस एक्का, गुडवीन एक्का, करमा खाखा, राहुल खाखा, सोमरा मिंज, बुधदेव खाखा, सुनील खाखा, बच्चन एक्का, संदीप एक्का, सुबोध गोप, कुलदीप महतो, अनिल खाखा, मंगरा उरांव, उदय मिंज, सुशील महतो, एलवीन एक्का, जगदीश गोप, बजरंग गोप, आकाश खाखा, पालु गोप, अरुण एक्का और बिपिन मिंज आदि शामिल रहे।

अव्वल छात्र-छात्राओं को किया गया पुरस्कृत

मांडर (आजाद सिपाही)। सोसई राजकीयकृत प्लस 2 उच्च विद्यालय में शुक्रवार को शिक्षक-अभिभावक बैठक हुई। जिसमें विद्यालय की शिक्षा व्यवस्था, छात्रों की नियमित उपस्थिति, स्वास्थ्य, खेल, स्वच्छता, विद्यालय में उपलब्ध संशधनों का उपयोग एवं पोषण संबंधी समस्याओं पर विस्तृत चर्चा की गई। साथ ही विद्यालय में छात्रों के नामांकन को बढ़ाने पर विशेष बल दिया गया। शिक्षक अब्दुल मतीन ने अभिभावकों से बच्चों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने और शिक्षकों के साथ निरंतर सहयोग बनाए रखने का आग्रह किया। कहा कि 'अधिक से अधिक छात्रों को विद्यालय से जोड़ना समय की आवश्यकता है।' वहीं, अभिभावकों ने भी संकल्प लिया कि वे छात्रों के नामांकन में सक्रिय सहयोग करेंगे और उन्हें पढ़ाई के प्रति प्रेरित करेंगे। बैठक में शिक्षक अब्दुल मतीन, मुकेश कुमार, परमेश्वर महतो, शम्मा परवीन, सुमन कुजूर, अनिता कुमारी, मनीष दीपांकर खाखा मौजूद थे। इस अवसर पर प्रभारी प्राचार्या गुलशन रजनी केरकेट्टा ने कहा कि विद्यालय और अभिभावकों के संयुक्त प्रयास से ही छात्रों का भविष्य उज्ज्वल होगा। उन्होंने अभिभावक संवाद और समाज में शिक्षा के प्रति सकारात्मक माहौल बनाने की आवश्यकता पर बल दिया। इस मौके पर विधायक प्रतिनिधि शेरोफिना मिंज, सरिता तिग्गा, बेनार्देत बेक, गीता टोप्पो, प्रबंध समिति के अध्यक्ष मनोहर ठाकुर के अलावा मंच संचालक सुषमा स्वाति मिंज, देवो प्रिया राय और नेहा किस्कू आदि मौजूद रहे।

लापुंग के प्लस टू उच्च विद्यालय में अविभावक-शिक्षकों की बैठक

शिक्षक अपने कर्तव्यों का इमानदारी पूर्वक निर्वहन करें : पंकज कुमार

आजाद सिपाही संवाददाता

लापुंग। राजकीय पल्स टू उच्च विद्यालय में प्राचार्य अमरेंद्र कुमार राय की अध्यक्षता में शुक्रवार को अविभावक-शिक्षकों की बैठक हुई। इसमें मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित सीओ पंकज कुमार और विद्यायक प्रतिनिधि जन्मेजय पाठक ने दीप जलाकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर पंकज कुमार ने कहा कि विद्यार्थियों के साथ बेहतर तालमेल कर शिक्षक ईमानदारी पूर्वक शिक्षण का कार्य करें। अपने कर्तव्यों का निर्वाहन करें। वहीं, विधायक प्रतिनिधि जन्मेजय पाठक ने कहा कि झारखंड सरकार शिक्षा को लेकर संवेदनशील है। जल्द ही नेतरहाट की तर्ज पर तीन अन्य विद्यालय की व्यवस्था होगी। प्रत्येक कस्तुरबा गांधी विद्यालय में 175 अतिरिक्त नामांकन की व्यवस्था होगी। जबकि 72 कस्तुरबा गांधी बालिका विद्यालय में राज्य योजना से एकेडमिक भवन एवं छात्रावास के सुविधा के अलावा प्राथमिक कक्षाओं वाले विद्यालयों में बायोमेट्रिक से उपस्थिति के लिए टैबलेट, स्कूली शिक्षा के सुदृढ़ीकरण के लिए अनेक पहल की गई है। इसमें बाल देय सुविधा पोशाक, स्कूल किट, साइकिल आदि दी जाएगी। उन्होंने बताया कि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की के अथक प्रयास से लापुंग प्रखंड के हुल्सू, परसा, तपकरा, कथकुवारी, चलंगी, अरमालटदाग, दानेकेरा, दौलैचा आदि में बहुत जल्द स्कूल भवन का निर्माण होगा। इस दौरान कार्यक्रम का संचालन पल्स तू उच्च विद्यालय के शिक्षक बलदेव महतो और जलधार नायक ने किया। इस मौके पर मुखिया सविता उरांव, नसीम आलम, एसएमसी सदस्य, शिक्षक आदि उपस्थित थे।

शिक्षक बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के निर्माता होते हैं : क्षितिज कुमार

आजाद सिपाही संवाददाता

बेड़ो। प्रखंड के कॉलेज मोड़ स्थित विद्या निकेतन पब्लिक स्कूल में शुक्रवार को शिक्षक दिवस मनाया गया। जिसका शुभारंभ नागपुरी साहित्यकार क्षितिज कुमार राय एवं शिक्षकों ने ने मां सरस्वती और डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन की तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर किया। इस अवसर पर क्षितिज कुमार राय ने कहा कि गुरु-शिष्य की परंपरा प्राचीनकाल से चलती आ रही है, जो आज भी कायम है। कहा कि शिक्षक शिल्पकार होते हैं, जो बच्चों के उज्जवल भविष्य का निर्माण करते हैं। कहा कि गर्व की बात है कि बेड़ो प्रखंड में इस तरह के शिक्षण संस्थान में बच्चे अध्ययन कर प्रखंड सहित जिले में अपना नाम रोशन कर रहे हैं। उन्होंने स्कूल के संचालक ओम प्रकाश महतो और प्रतिमा कुमारी को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि बच्चों को बेहतर शिक्षा दें, ताकि बच्चे अपना भविष्य उज्जवल कर सकें। वहीं, प्रधानाध्यापक ओम प्रकाश महतो ने कहा कि माता पिता एवं गुरु का सम्मान करना पुनीत कर्तव्य है। इनका स्थान सर्वोपरी होता है। वहीं, बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश कर अतिथियों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम का संचालन तनु प्रिया और अर्चना ने किया। इस मौके पर प्रतिमा कुमारी, सुमन, किरण, सुनीता, सविता, सारिका, सुगंती, माधुरी, फ्लोरेंसिया, छविंद्र रुपेश, आशीष, नीरज, आदर्श, मिस्टी, मिताली, सुनिधि, अनामिका, आशु रानी, शशि और सीमा आदि उपस्थित रहे।

बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिले यह शिक्षक सुनिश्चित करें : शशि रंजन

पिस्कानगड़ी (आजाद सिपाही)। नगड़ी के लालगुटवा स्थित राजकीयकृत मध्य विद्यालय में शुक्रवार को अभिभावक- शिक्षक बैठक हुई। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में राज्य परियोजना निदेशक शशि रंजन, प्रशाखा पदाधिकारी सच्चिदानंद द्विवेदी, जिला शिक्षा अधीक्षक बादल राज, जिला परिषद सदस्य पूनम देवी, प्रखंड प्रमुख मदुवा कच्छप, उप प्रमुख अफ्साना परवीन, समाज सेवी बजरंग महतो सहित अभिभावक उपस्थित थे। इस अवसर पर राज्य परियोजना निदेशक शशि रंजन ने कहा कि बच्चों को उच्च एवं गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा मिले यह शिक्षक सुनिश्चित करें। साथ ही अभिभावक भी इस पर ध्यान दें। जिला परिषद सदस्य पूनम देवी ने कहा कि शिक्षा प्राप्त करने से कोई भी बच्चा वंचित न रहे यह सभी को मिलकर ध्यान देना चाहिए। इस मौके पर छात्राओं ने सांस्कृतिक रंगारंग कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम का संचालन प्राचार्य अनिल कुमार राय और धन्यवाद ज्ञापन शिक्षिका ज्योति एक्का ने किया।

चैनपुर में बॉक्साइट लदा हाइवा जब्त

चैनपुर (आजाद सिपाही)। कुरूमगढ़ वन प्रमंडल क्षेत्र के कोठी, गारीदानी पीएफ में अवैध बॉक्साइट खनन पर वन प्रमंडल पदाधिकारी बिलाल अहमद के निर्देश पर बड़ी कार्रवाई की गयी। वन प्रक्षेत्र पदाधिकारी के मार्गदर्शन एवं प्रभारी वनपाल डुमरी के नेतृत्व में एक संयुक्त टीम ने बॉक्साइट लदे हाईवा ट्रक संख्या जेएच 01 डीवी 5086 को जब्त कर लिया। इस कार्रवाई में डुमरी थाना प्रभारी टीम, गुमला फारेस्ट टीम, रायडीह फारेस्ट टीम, चैनपुर फारेस्ट टीम, रेंज ऑफिस स्टाफ और क्यू आर टी की टीमों ने सहयोग किया। जब्त किये गये हाइवा ट्रक को चैनपुर कैम्पस में लाकर सुरक्षित रखा गया है। वन प्रमंडल पदाधिकारी के निर्देश पर यह कार्रवाई की गयी है। वन विभाग की टीम ने अवैध खनन के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए हाइवा को जब्त कर लिया। वन विभाग की इस कार्रवाई से अवैध खनन पर लगाम लगाने की कोशिश की जा रही है। वन विभाग की टीम आगे भी अवैध खनन के खिलाफ कार्रवाई करती रहेगी। चैनपुर में अवैध बॉक्साइट खनन पर वन विभाग की बड़ी कार्रवाई से अवैध खनन पर लगाम लगाने की कोशिश की जा रही है। वन विभाग की टीम ने हाइवा ट्रक को जब्त कर लिया है और आगे भी अवैध खनन के खिलाफ कार्रवाई करती रहेगी।

प्रखंड स्तरीय ग्राम प्रधान संघ के अध्यक्ष बने बिरसा उरांव

सिसई (आजाद सिपाही)। प्रखंड स्तरीय ग्राम प्रधान संघ के गठन को लेकर पुराना प्रखंड कार्यालय परिसर में ग्राम प्रधानों की बैठक हुई। बैठक में सर्वसम्मति से डहुडीह के ग्राम प्रधान बिरसा उरांव को अध्यक्ष, बालेश्वर उरांव को उपाध्यक्ष, सिसकारी प्रधान माड़वारी उरांव को सचिव, मुर्गू के शंकर पाहान को सह सचिव और कुदरा के जयराम उरांव को कोषाध्यक्ष के रूप में चयन किया गया। इस दौरान नवनिर्वाचित अध्यक्ष बिरसा उरांव ने कहा कि भारत एक लोकतांत्रिक देश है। लोकतंत्र में जनता जनार्दन और जनता का निर्णय ही सर्वमान्य होता है। क्षेत्र और जनता के सर्वांगीण विकास में ग्राम सभा का महत्व सबसे बड़ा है। ग्राम प्रधानों को ग्राम सभा की अहमियत, ग्राम सभा की शक्ति व अधिकार के लिए जागरूक करना और ग्राम प्रधान के हितों की रक्षा मेरी पहली प्राथमिकता होगी। इस दौरान मौजूद सीओ अशोक बड़ाईक ने भी ग्राम प्रधानों की सुची उपलब्ध कराने, सभी प्रधानों का मासिक बकाया राशि दिलाने में सहयोग करने और भविष्य में ग्राम प्रधानों की बैठक के लिए प्रखंड कार्यालय में स्थित सभागार उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया। मौके पर नवनिर्वाचित पदाधिकारियों के अलावा ग्राम प्रधान सुदर्शन पहान, जोहन उरांव, भंडारी उरांव, ललित खड़िया, रतिया खड़िया, जितराम उरांव, मंगलेश्वर पहान, बुद्धेश्वर उरांव, सुरेश पहान,लक्ष्मण उरांव, विरसु पहान, विष्णु खड़िया, बासुदेव उरांव, रंथु उरांव, बुधनाथ टाना भगत, कलेश्वर उरांव, बंधन मुंडा, रोपना उरांव,एतवा पहान, शिवनारायण उरांव, रंजीत पहान, अमित उरांव, प्रदीप उरांव, दशई उरांव सहित दर्जनों गांव के ग्राम प्रधान उपस्थित थे।

जनशिकायत निवारण शिविर में 17 आवेदनों में से 12 का तुरंत निष्पादन

सिसई (आजाद सिपाही)। प्रखंड सह अंचल कार्यालय परिसर में प्रखंड विकास पदाधिकारी रमेश कुमार यादव की अध्यक्षता में जनशिकायत निवारण दिवस शिविर का आयोजन किया गया। शिविर के माध्यम से पेंशन योजना संबंधित 7, मंईयां सम्मान योजना संबंधित 5, बिजली विभाग से संबंधित 1, सड़क निर्माण से संबंधित 2, एवं अन्य से 2 आवेदन प्राप्त किए गये। कुल 17 आवेदनों में से 12 आवेदन का त्वरित निष्पादन किया गया एवं 5 आवेदन को संबंधित विभाग को निष्पादन हेतु अग्रसारित कर दिया गया। मौके पर अंचल अधिकारी अशोक बड़ाइक, प्रधान सहायक राकेश कुमार सुमन, अंचल निरीक्षक चंदरू उरांव, अंचल कर्मचारी प्रकाश उरांव, मुनेश्वर सिंह, कंप्यूटर ऑपरेटर बजरंग साहु सहित प्रखण्ड सह अंचल कार्यालय के संबंधित विभाग के कर्मी उपस्थित थे।

दिरगांव में दुष्कर्म के आरोपी के घर पुलिस ने चिपकाया इश्तेहार

घाघरा (आजाद सिपाही)। थाना क्षेत्र के सुदूरवर्ती इलाका दिरगांव गांव में घाघरा पुलिस ने दुष्कर्म के आरोपी के घर शुक्रवार को इश्तिहार चिपकाया। इस संबंध में एसआइ मनीष कुमार ने बताया कि कांड संख्या 41/25 के आरोपी प्रमोद जायसवाल के घर इतिहास चिपकाये गया है। प्रमोद के ऊपर नाबालिक के साथ दुष्कर्म करने का आरोप है। गिरफ्तार के डर से प्रमोद लगातार फरार चल रहा है कई बार छापेमारी की गयी पर पकड़ में नहीं आया। जिसके बाद उसके घर में जाकर इश्तिहार चिपकाए गया है। साथ ही परिजनों को यह जानकारी भी दी गयी कि आरोपी को जल्द-जल्द न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत होने की सलाह दें अन्यथा आगे की कार्रवाई की जायेगी।

गुमला में फिर से शुरू हुआ रेलवे आरक्षण टिकट काउंटर

आजाद सिपाही संवाददाता

गुमला। जिलेवासियों के लिए बड़ी राहत की खबर है। लंबे इंतजार के बाद गुमला में एक बार फिर रेलवे आरक्षण टिकट काउंटर की शुरूआत हुई। शुक्रवार को को-ऑपरेटिव बैंक परिसर में आयोजित कार्यक्रम में पूर्व सांसद सुदर्शन भगत, सांसद समीर उरांव, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष दिनेश उरांव और पूर्व विधायक कमलेश उरांव ने संयुक्त रूप से फीता काटकर काउंटर का उद्घाटन किया। मौके पर पूर्व सांसद सुदर्शन भगत ने कहा कि जिले में रेलवे आरक्षण काउंटर फिर से शुरू होने से यात्रियों को बड़ी सुविधा मिलेगी। अब जिलेवासियों को टिकट बुकिंग के लिए बाहर नहीं जाना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने जिलेवासियों को यह सुविधा दोबारा देकर राहत पहुंचायी है। सांसद समीर उरांव ने कहा कि इस काउंटर से लोग आसानी से अपनी रेल यात्रा के लिए टिकट प्राप्त कर सकेंगे। उन्होंने आमजनों से अपील की कि वे इस सुविधा का लाभ उठाएँ और अवैध या दलालों के माध्यम से टिकट लेने से बचें। इस अवसर पर जिला परिषद उपाध्यक्ष संयुक्ता देवी, भाजपा जिलाध्यक्ष विनय कुमार लाल, नगर परिषद के पूर्व अध्यक्ष दीपनारायण उरांव, भाजपा नेता मुनेश्वर साहू, दामोदर कसेरा, रूपन साहू, निर्मल गोयल, सविंद्र सिंह, बालकेश्वर सिंह और गोला चौधरी सहित कई लोग उपस्थित थे। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने रेलवे आरक्षण काउंटर की पुनः शुरूआत पर खुशी जाहिर करते हुए कहा कि यह सुविधा जिले के हजारों यात्रियों को राहत देगी। गुमला में आरक्षण काउंटर खुलने से न केवल यात्रियों का समय और पैसा बचेगा, बल्कि रेल सेवाओं के प्रति विश्वास भी बढ़ेगा।

युवक ने पत्नी की खोजबीन की गुहार लगायी

घाघरा (आजाद सिपाही)। थाना क्षेत्र के आदर मालगो ग्राम निवासी बलिराम महतो ने घाघरा थाना में लिखित आवेदन देकर अपनी पत्नी कलावती देवी के गुमशुदगी की जानकारी देते हुए खोजबीन का गुहार लगाया है। अपने आवेदन में बलिराम ने कहा है कि पत्नी चार सितंबर को दिन के 9 बजे घर से कहीं निकाली और चली गई। काफी खोज में किया गया पर कहीं पता नहीं चला अपने रिश्तेदारों के यहां भी पूछताछ की गया। अंत में घाघरा थाना में लिखित आवेदन देकर बलिराम ने खोजबीन का गुहार लगाया है। बलिराम ने लोगों से आग्रह भी किया है कि यदि उसकी पत्नी की पता चले तो मोबाइल नंबर 9546820239 व 9153543043 पर संपर्क कर जानकारी देने का आग्रह किया है।

अंडर 15 स्टेट कैंप के लिए गुमला की चार लड़कियों का हुआ चयन

आजाद सिपाही संवाददाता

गुमला। गुमला को खेल नगरी रूप में जाना जाता है। सुदूरवर्ती क्षेत्र के कई खिलाड़ियों को राज्य राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिनिधित्व का मौका मिला है। गुमला जिले में लड़कियां भी क्रिकेट के क्षेत्र में अपना जलवा दिखाने के लिए तैयार है। अंडर 15 स्टेट कैंप के लिए चार लड़कियों का गुमला से सेलेक्शन हुआ है। जिनमें श्वेता कुमारी, संगीता कुमारी, बिंदेश्वरी कुमारी और अलीशा तिर्की शामिल है। मेडिकल टेस्ट का रिजल्ट आने के बाद ये चारों झारखंड स्टेट में अपना दमखम दिखाएगी। शुक्रवार की सुबह 7 बजे ट्रेनर ज्ञान प्रकाश ने बताया परमवीर अल्बर्ट एक्का स्टेडियम 2 में प्रतिदिन सुबह-शाम करीब 40 से 50 लड़कियां व लड़कों को प्रशिक्षण दिया जाता है। सुबह शाम ये खिलाड़ी अपना पसीना बहाते हैं उन्हें क्रिकेट की बारीकीयों से अवगत कराया जाता है। कड़ी मेहनत का फल है कि गुमला जिला से आदिवासी लड़कियों का स्टेट कैंप के लिए चयन हुआ है। खिलाड़ियों ने कहा राज्य स्तर में खेलने के बाद राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर में खेल का प्रदर्शन उनका मुख्य लक्ष्य है।

कर्मचारी संकल्प महासम्मेलन को ऐतिहासिक बनाने की अपील

आजाद सिपाही संवाददाता

गुमला। झारखंड के सभी सरकारी कर्मचारियों की भांति शिक्षकों को भी एमएसीपी लाभ,सरकारी कर्मियों के सेवानिवृत्ति आयु 62 वर्ष और शिशु शिक्षण भत्ता की मांग को लेकर झारखंड ऑफिसर्स टीचर्स एंड एम्पलाइज फेडरेशन झारोटेफ जिला अध्यक्ष जयन्त कुमार पाण्डेय और सचिव हरेंद्र कुमार ने जिले के सभी शिक्षकों एवं कर्मचारियों से 20 सितंबर को आयोजित होने वाले कर्मचारी संकल्प महासम्मेलन को ऐतिहासिक बनाने की अपेक्षा की है। महासम्मेलन आगामी 20 सितम्बर जिला स्कूल मैदान रांची में होगा जहां राज्य भर से करीब पचास हजार से भी अधिक कर्मचारियों के महाजुटान की तैयारी प्रान्त द्वारा की गयी है। गुमला जिले से भी इस बार 1500 से 2000 की संख्या में शिक्षकों, कर्मचारी और पदाधिकारी इस कार्यक्रम में शामिल होने के लिए रांची पहुंचेंगे। उन्होंने कहा कि यह केवल शिक्षकों के लिए नहीं बल्कि राज्य सरकार के सभी कर्मचारियों और पदाधिकारी के लिए महत्वपूर्ण है। कर्मचारियों को अपनी शक्ति दिखाने का सुनहरा अवसर है। उन्होंने यह विश्वास दिलाया की हर बार की तरह इस बार भी गुमला जिला प्रान्त के कार्यक्रम में कार्यक्रम में बढ़चढ़ कर हिस्सा लेगा और अपने मांगों के समर्थन में जिला स्कूल मैदान, शहीद चौक रांची में जमा होगा।

घायल महिला की इलाज के क्रम में मौत

गुमला (आजाद सिपाही)। रायडीह प्रखंड के सुरसांग थाना क्षेत्र के कोन्डरा गांव निवासी 40 वर्षीय महिला एतवारी देवी पति धुंजू लोहरा की सदर अस्पताल में इलाज के क्रम में गुरुवार की आधी रात मौत हो गयी। शुक्रवार की दोपहर 12 बजे शव का पंचनामा के बाद पोस्टमार्टम कर परिजनों को सौंप दिया गया। घटना की जानकारी देते हुए पति धुंजू लोहरा ने बताया बीते बुधवार की शाम बारिश की आशंका को लेकर छत में सुख रहे चाकोड साग को नीचे उतारने के लिए लकड़ी की सीढ़ी से चढ़ी। इसके बाद नीचे उतर रही थी तभी सीढ़ी टूट गया और वह सर के बल जमीन पर गिर गयी। घटना में उसके सिर में गंभीर चोट लगी। इसके बाद बुधवार की रात में ही उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रायडीह लाया गया। प्राथमिक इलाज के बाद उसे सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया। सदर अस्पताल में वह इलाजरत थी।

पोषण माह के अवसर पर बानागुटू और बसिया में जागरूकता कार्यक्रम

आजाद सिपाही संवाददाता

बसिया। प्रखंड के बानागुटू के राजकीयृत मध्य विद्यालय और बसिया हाइ स्कूल में पोषण माह के अवसर पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में प्रदान संस्था के प्रतिमा कुमारी,सीता कच्छाओ, शिवचरण गोप और बिभीषण साहू ने इस कार्यक्रम में भाग लिया और छात्रों को पोषण और स्वास्थ्य के महत्व के बारे में जानकारी दी।

माहवारी स्वच्छता और पोषण पर जागरूकता : कार्यक्रम के दौरान, छात्रों को माहवारी स्वच्छता और पोषण के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। उन्हें बताया गया कि कैसे वे अपने स्वास्थ्य का ध्यान रख सकते हैं और स्वस्थ जीवनशैली अपना सकते हैं। इस अवसर पर छात्रों ने पौष्टिक आहार खाने का संकल्प लिया और नारे लगाए। एचएम संजय कंसारी और ने भी पोषण माह के बारे में जानकारी दी और छात्रों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया।

पोषण माह का महत्व : पोषण माह का आयोजन कुपोषण के बारे में जागरूकता बढ़ाने और स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने के लिए किया जाता है। इस कार्यक्रम के माध्यम से छात्रों को पोषण और स्वास्थ्य के महत्व के बारे में जानकारी दी गई और उन्हें स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

अपनी जमीन से ताजिया हटाने की मांग उपायुक्त और एसपी को दिया आवेदन

आजाद सिपाही संवाददाता

गुमला। बड़ाईक मुहल्ला निवासी रूपेश कुमार सिंह ने उपायुक्त गुमला, पुलिस अधीक्षक गुमला और अनुमंडल पदाधिकारी गुमला को ज्ञापन देकर गुहार लगाई कि आजाद बस्ती स्थिति मुस्लिम बहुल क्षेत्र में इनके पूर्वजों का जमीन, सात आठ डिसमिल परती पड़ी हुई थी। इस जमीन के बीचोबीच 5सितंबर की रात्रि में अहमद लेन आजाद बस्ती गुमला के निवासी गण मुहर्रम में घुमाया जाने वाला ताजिया को गाड़ दिए हैं। इस घटना की खबर पूरे गुमला शहर में फैल गई और अनेक हिंदू धर्म के संगठनों के द्वारा इस कृत्य के विरोध में जिला प्रषासन के समक्ष धरना प्रदर्शन के लिए इन्हें प्रस्ताव दिया। परन्तु शहर में शांति व्यवस्था कायम रहे इस निहित इन्होंने ने अपने हिंदू धर्म के संगठनों का प्रस्ताव को अस्वीकार करते हुए कानून का पालन करते हुए गत 6 सितंबर को गुमला थाना में आवेदन दिया गया। परन्तु ताजिया गाड़ने वालो के सरगना का मुखिया आरिफ अंसारी जो जेएमएम गुमला जिला का सचिव जिनके राजनीतिक दबाव में गुमला थाना प्रभारी ने प्राथमिकी दर्ज नही की। और न ही इनके जमीन से विवादित ताजिया को हटाया गया है। इसी निहित में आवेदक रूपेश कुमार सिंह ने जिला के वरीय पदाधिकारियों के समक्ष गुरुवार को आवेदन देकर शहर में शांति व्यवस्था बनाए रखे जाने हेतु अविलंब कारवाई की मांग की है। उन्होंने कहा है कि गुमला शहर एक हिन्दू समुदाय के मुस्लिम बहुल क्षेत्र में स्थित जमीन पर ताजिया गाड़ कर सद्भावना को बिगाड़े जाने वाले लोगों में लगभग आधा दर्जन लोगों को नामजद आरोपी बनाया है।

बॉक्साइट माइंस रैयत मजदूर समिति की बैठक कल घाघरा में

गुमला (आजाद सिपाही)। बॉक्साइट माइंस रैयत मजदूर समिति की आवश्यक बैठक 14 सितंबर 2025 को घाघरा में बॉक्साइट माइन्स क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं को लेकर आयोजित की जाएगी। विदित हो कि माइंस क्षेत्र में स्कूल, अस्पताल, सड़क, रोजगार, सिंचाई, इत्यादि समस्याओं का अंबार है। डी.एम.एफ.टी फंड या सी.एस.आर के तहत माइंस प्रभावित गांवों में कोई भी कार्य योजनाबद्ध तरीके से नहीं की जा रही है। सिर्फ लूट और कमीशनखोरी के लिए योजनाएं संचालित की जाती है जिससे बुनियादी सुविधा माइंस क्षेत्र के संचालन के 50 साल के बाद भी लोगों को नहीं मिल पा रही है। यही कारण है कि आज भी माइंस क्षेत्र के आदिवासी तथा जंगल पहाड़ में रहने वाले मूलवासी दूषित पानी पीने को मजबूर हैं और पलायन की भी समस्या बॉक्साइट का भरमार वाली गांव क्षेत्र से दिनों-दिन बढ़ रही है। इस मामले को लेकर आगामी आंदोलन की रणनीति तय करने के लिए बैठक बुलायी गयी है।

कहासुनी के बाद प्रेमी जोड़े ने की आत्महत्या

संतोष साहू

बिशुनपुर (आजाद सिपाही)। कच्ची उम्र के प्रेमी युगल ने एक ही दिन अपने अपने घरों में फांसी लगा कर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। इस खबर को प्रखंड मुख्यालय में जिसने भी सुना दिल थाम कर रह गया। शुक्रवार को दिल दहला देने वाली यह घटना आठवीं कक्षा की छात्रा 14 वर्षीय अंतरा कुमारी और उसके प्रेमी नवागढ़ सेरका निवासी पवन उरांव के बीच घट गई। दोनों का शव जिसने भी देखा उसकी आँखें भर आईं। बताया गया कि अंतरा कुमारी और पवन उरांव के बीच पिछले कई वर्षों से प्रेम प्रसंग चल रहा था। दोनों ने साथ जीने साथ मरने की कसम खा रखी थी। शुक्रवार को घटना वाले दिन दोनों प्रेमियों के बीच कुछ कहा सुनी हो गई। फिर क्या था अंतरा ने अपने घर में दुपट्टे के सहारे फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। परिजन बता रहे कि घटना के समय घर में कोई मौजूद नहीं था। इसी बीच इस आत्महत्या की प्रेमी पवन को मिली। सूचना मिलते ही 16 वर्षीय पवन उरांव भी गहरे सदमे में चला गया। और मौका मिलते ही उसने भी अपने घर में फांसी लगाकर जीवनलीला समाप्त कर ली। दोनों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया। जहां चिकित्सकों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। घटना से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है और पंचनामा के उपरांत शव को पोस्टमार्टम के लिए गुमला सदर अस्पताल भेज दिया गया है। गांव का माहौल गमगीन है। मासूम उम्र में प्रेम का यह दर्दनाक अंजाम समाज के लिए एक बड़ा सवाल छोड़ गया है।

डीसी ने जन शिकायत निवारण दिवस में सुनी समस्याएं

आजाद सिपाही संवाददाता

गुमला। आज उपायुक्त प्रेरणा दीक्षित की अध्यक्षता में समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में साप्ताहिक जन शिकायत निवारण दिवस का आयोजन किया गया। इस जन संवाद कार्यक्रम में जिले के विभिन्न प्रखंडों एवं पंचायतों से आए नागरिकों ने भाग लिया और अपनी व्यथा, समस्याएं एवं आवश्यकताओं को उपायुक्त के समक्ष रखा। जन शिकायत निवारण दिवस में नागरिकों की समस्याएं राशन कार्ड, सहायता, आवास निर्माण की राशि, स्वास्थ्य, सड़क निर्माण, शिक्षा, सामाजिक सुरक्षा आदि विषयों से जुड़ी थीं, जिनमें कई समस्याओं का समाधान मौके पर ही किया गया, जबकि शेष मामलों पर त्वरित एवं संवेदनशीलता के साथ कार्रवाई के निर्देश दिए गए। घाघरा प्रखंड अंतर्गत शिवराजपुर के भुवलटोली निवासी एक मजदूर द्वारा आज उपायुक्त महोदया के समक्ष अपनी समस्या बताई गई। उनका कहना है कि ठेकेदार द्वारा इनसे एवं गांव के नया लोगों से मुख्यमंत्री नल जल योजनाके तहत चबूतरा एवं नल लगवाने का कार्य करवाया गया। और कार्य समाप्ति के पश्चात अबतक मजदूरी भुगतान नहीं किया गया। जिससे इन्हें आर्थिक एवं मानसिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इन्होंने उपायुक्त से गुहार लगाई है कि इन्हें इनकी मजदूरी का भुगतान शीघ्र करवाया जाए। जन शिकायत निवारण दिवस में कई मामले जमीन से जुड़े थे।

रेलवे रिजर्वेशन सेंटर का उद्घाटन के बाद दामोदर कसेरा ने किया प्रश्न

आखिर गुमला को रेलवे से कब जोड़ा जायेगा

आजाद सिपाही संवाददाता

गुमला। भारत सरकार द्वारा संचालित रेलवे रिजर्वेशन सेंटर का उद्घाटन होने के बाद चैंबर ऑफ कॉमर्स के निवर्तमान अध्यक्ष दामोदर कसेरा ने प्रश्न किया है कि आखिर गुमला को रेलवे से कब जोड़ा जायेगा। उन्होंने कहा कि पूर्व में भी रेलवे टिकट काउंटर गुमला में खोला गया था लेकिन रेलवे से गुमला को जोड़ने का सपना आज तक पूरा नहीं हुआ। आजादी के बाद से गुमला के नागरिक व्यापारिक गुमला को रेलवे से जोड़ने की मांग कर रहे हैं। कई बार चर्चा होती है कि सर्वे चल रही बहुत जल्द गुमला को रेलवे जोड़ा जायेगा फिर बात आई गई हो जाती है। चेंबर के ओर से भी लगातार इसकी मांग होती रही है। गुमला में रेल लाओ संघर्ष समिति बनाई गयी और आंदोलन कर रेलवे को जोड़ने की मांग की गई। लोहरदगा के सांसद के सुदर्शन भगत और राजसभा सांसद समीर उरांव के भी द्वारा भी रेलवे को जोड़ने की मांग की गई थी। वर्तमान के लोहरदगा लोकसभा सांसद सुखदेव भगत ने रेल मंत्री से मिलकर लोहरदगा से गुमला भाया कोरबा जोड़ने की मांग की है। रेल मंत्री ने उनको भी आश्वासन मिला है लेकिन सवाल उठता है कि सरकार के मंत्री गुमला में रेल को जोड़ने पर रुचि क्यों नहीं लेते हैं? आजादी की लंबी अवधि बीत जाने के भी गुमला व्यापारी आम नागरिकों को रेलवे की सुविधा नहीं मिली है। गुमला को रेलवे से जोड़ने से व्यापारियों को एक दूसरे राज्य से सामग्री मांगने में सुविधा होगी आमलोगों को आवागमन में सुविधा होगी

डीसी ने मनरेगा नियुक्ति समिति की बैठक की, दिया जरूरी निर्देश

एक से अधिक जिलों में आवेदन करने वाले आठ अभ्यर्थियों की नियुक्ति रद्द

- जनता दरबार में 61 मामलों की सुनवाई की, मौके पर ही कई मामलों का किया निष्पादन

आजाद सिपाही संवाददाता

बोकारो। समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में डीसी अजय नाथ झा ने शुक्रवार को मनरेगा नियुक्ति समिति की बैठक की। इसमें पूर्व में हुई नियुक्ति में एक से अधिक जिलों में आवेदन करने वाले आठ अभ्यर्थियों की नियुक्ति रद्द कर दी गयी। वहीं, तीन अभ्यर्थियों द्वारा विभिन्न पदों से इस्तीफा दिए जाने के कारण पद रिक्त हो गया था। डीसी ने सभी सदस्यों से सहमति लेते हुए प्रतिक्षा सूची से संबंधित कोटी से अभ्यर्थियों को नियुक्त करने का निर्देश दिया।

इसमें कनीय अभियंता पद पर छह, सहायक अभियंता पद पर दो एवं प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी पद पर एक शामिल है। दो पद रिक्त है, संबंधित कोटी में प्रतिक्षा सूची रिक्त है। बैठक में डीडीसी शताब्दी मजूमदार, डीआरडीए निदेशक मेनका, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी रवि कुमार नोडल पदाधिकारी पंकज दूबे आदि उपस्थित थे।

आत्महत्या का प्रयास करने पहुंची महिला को डीसी ने दिया संबल, कहा- जीवन अनमोल है

आजाद सिपाही संवाददाता

बोकारो। समाहरणालय सभागार में शुक्रवार को आयोजित जनता दरबार में डीसी अजय नाथ झा ने आम जनता से जुड़ी समस्याओं पर क्रमवार सुनवाई की। इस दौरान कसमार थाना क्षेत्र के धधकिया गांव की रहने वाली शांता मुखर्जी ने निराशा एवं पीड़ा से आहत होकर आत्महत्या जैसा कठोर कदम उठाने को विवश होने की बात कहीं। इसपर डीसी ने न सिर्फ संवेदनशीलता के साथ महिला को रोक लिया, बल्कि उसे यह भरोसा दिलाया कि जीवन सबसे बड़ा उपहार है। हर कठिनाई का समाधान संभव है। उन्होंने मौके पर ही संज्ञान लेते हुए त्वरित कार्रवाई की। उन्होंने बेरमो एसडीपीओ और कसमार बीडीओ को तुरंत आवश्यक कदम उठाने का निर्देश दिया। संबंधित आरोपितों को स्पष्ट चेताया कि शांता मुखर्जी या उसके परिजनों को तनिक खरोंच भी पहुंचाने की कोशिश की गई तो प्रशासन कठोरतम कार्रवाई करेगा। डीसी ने निर्देश दिया है कि अगले आदेश तक महिला अपने उसी घर में रहेगी। पुलिस-स्थानीय प्रशासन घर के एक हिस्से में शांता मुखर्जी एवं उसके परिजनों का सुरक्षित आवासन कराये। उन्होंने पीड़ित महिला को निष्पक्ष जांच और न्याय का भरोसा भी दिया। इसके अलावा जनता दरबार में भूमि अतिक्रमण, भूमि पर कब्जा, शिक्षा विभागराजस्व संबंधित विवाद, अनुमंडल कार्यालय चास-बेरमो, चास अंचल कार्यालय, बीएसएल, नगर निगम, जिला नियोजन कार्यालय, सामाजिक सुरक्षा आदि से संबंधित आवेदन प्राप्त हुए थे। इस दौरान जिले के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों से पहुंचे 61 से ज्यादा लोगों की क्रमवार समस्याओं-शिकायतों पर सुनवाई की और कई मामलों का मौके पर ही निष्पादन भी कर दिया। इस मौके पर डीडीसी शताब्दी मजूमदार, डीपीएलआर मेनका, अपर समाहर्ता मो मुमताज अंसारी, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी रवि कुमार, सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा पियुष आदि उपस्थित थे।

लोगों की समस्याएं सुनते डीसी अजय नाथ झा।

जामताड़ा में बाल विवाह के खात्मे के लिए धर्म गुरुओं की साझा पहल

मिहिजाम (आजाद सिपाही)। बाल विवाह को समाप्त करने के लिए 12 से 14 सितंबर तक वैश्विक अंतर धार्मिक सप्ताहांत की शुरुआत हुई है। इसी आलोक में जामताड़ा बनवासी विकाश आश्रम की पहल पर मां चंचला मंदिर के पुरोहित सोमेन मिश्रा और मस्जीद-ए-मोहम्मदी नूर मोहल्ला के धर्मगुरु मोहम्मद अलीमुद्दीन ने बाल विवाह मुक्त विश्व के लिये लोगों के समक्ष मंदिर, मस्जिद में संकल्प लिये। लोगों को अपने संदेश के माध्यम से बताया कि कभी भी किसी बच्चे का विवाह ना करायें। इस दौरान सभी ने बाल विवाह के खिलाफ कदम उठाने और इसकी रिपोर्ट करने की प्रतिज्ञा ली। धर्मगुरुओं ने बच्चों की शिक्षा, बालश्रम एवं बाल यौन शोषण सहित अन्य किसी भी प्रकार के शोषण और दुर्व्यवहार से बच्चों की सुरक्षा के लिए आवाज उठाने का शपथ लिया।कहा कि किसी भी रूप में बाल विवाह होने नहीं दिया जाएगा। इस मौके पर बनवासी विकाश आश्रम के समन्वयक मनोरंजन कुंवर, सीएसडब्ल्यू राज किशोर यादव, शतिगोपाल महतो खुशबू देवी आदि मौजूद थे।

केंद्रीय इस्पात मंत्री से मिले अर्जुन मुंडा बीएसएल विस्तारीकरण पर हुई बात

बोकारो (आजाद सिपाही)। बोकारो स्टील प्लांट के विस्तारीकरण को प्रारंभ होने में हो रही विलंब को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुण्डा ने दिल्ली में केंद्रीय इस्पात मंत्री एचडी कुमारस्वामी से मुलाकात की। उन्होंने केन्द्रीय इस्पात मंत्री से इस परियोजना को झारखंड के विकास के लिए अहम बताया। साथ ही, विस्तारीकरण में आ रही समस्याओं के निराकरण के लिए झारखण्ड सरकार के साथ भी बात करने के प्रति इस्पात मंत्री को आश्वस्त किया। इसकी जानकारी भाजपा के प्रदेश कार्यसमिति सदस्य कुमार अमित ने शुक्रवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर दी।

सड़क हादसे में कंटेनर चालक की हुई मौत

राजगंज (आजाद सिपाही)। डालूडीह हाईवे पर शुक्रवार की सुबह हुए सड़क हादसे में कंटेनर चालक की मौत हो गई। पता चला है कि दुर्घटनाग्रस्त कंटेनर बरेली से कोलकाता जा रहा था। वहीं, मृतक चालक की पहचान शिवा के रूप में हुई है। जानकारी के मुताबिक कंटेनर आगे खड़े एक टेलर से टकरा गया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि चालक उसमें बुरी तरह फंस गया। मौके पर मौजूद लोगों की मदद से उसे बाहर निकाल रप धनबाद अस्पताल ले जाया गया जहां उसकी मौत हो गयी।

बीसीसीएल को अवैध मुहाने की भराई करने का दिया निर्देश

धनबाद (आजाद सिपाही)। डीसी आदित्य रंजन की ओर से जिला खनन टास्क फोर्स की बैठक में दिये गये निर्देश के आलोक में शुक्रवार को पुटकी के अंचल अधिकारी विकास आनंद की अध्यक्षता में पीबी एरिया स्थित गेस्ट हाउस में बीसीसीएल के महाप्रबंधक एवं पदाधिकारी, सीआइएसएफ के पदाधिकारी, थाना और ओपी प्रभारी के साथ बैठक हुई। इसमें कोयला, बालू व अन्य खनिज के अवैध खनन, परिवहन एवं भंडारण की रोकथाम पर विस्तृत चर्चा की गई। इसमें थाना प्रभारी को अधिक छापामारी कर प्राथमिकी दर्ज करने और बीसीसीएल के पदाधिकारियों को अवैध खनन के हॉट स्पॉट की निगरानी एवं अवैध मुहाने की भराई का निर्देश दिया गया।

डिजिटल इंटेलिजेंस फॉर ग्रीन माइनिंग एंड इंडस्ट्रियल नेटवर्क्स पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

एआइ और डिजिटल इंटेलिजेंस आने वाले समय में खनन क्षेत्र की कार्यप्रणाली को पूरी तरह बदल देंगे : जयदीप दासगुप्ता

आजाद सिपाही संवाददाता

धनबाद। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (भारतीय खनि विद्यापीठ) धनबाद के खनन इंजीनियरिंग विभाग की ओर से संस्थान के शताब्दी वर्ष समारोह के तहत दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन 'डिजिटल इंटेलिजेंस फॉर ग्रीन माइनिंग एंड इंडस्ट्रियल नेटवर्क्स' का शुभारंभ शुक्रवार से गोल्डन जुबली लेक्चर थियेटर में हुआ। शनिवार तक आयोजिन होने वाले सम्मेलन का उद्घाटन एनएमडीसी लिमिटेड के निदेशक (उत्पादन) जयदीप दासगुप्ता ने किया। इस अवसर पर आइआइटी इंदौर की प्रो नीलिमा सत्याम और फ्रांस स्थित डाटामाइन/जियोवेरिएंसेस के डॉ पेड्राम मसौदी मौजूद रहे। संस्थान के उपनिदेशक प्रो धीरज कुमार, खनन इंजीनियरिंग विभागाध्यक्ष प्रो बीएस चौधरी, सम्मेलन के संयोजक प्रो अनिंद्य सिन्हा और सह-संयोजक प्रो सिद्धार्थ अग्रवाल भी मौजूद रहे। इस अवसर पर जयदीप दासगुप्ता ने कहा कि खनन का भविष्य डिजिटल तकनीक और ग्रीन माइनिंग से जुड़ा है। यह सम्मेलन इस दिशा में नई राह दिखा रहा है। कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआइ) और डिजिटल इंटेलिजेंस आने वाले समय में खनन क्षेत्र की कार्यप्रणाली को पूरी तरह बदल देंगे। वहीं, प्रो नीलिमा सत्याम ने टेक्समिन की उपलब्धियों की सराहना की। कहा कि खनन राष्ट्र निर्माण की रीढ़ है, जिसमें डिजिटलीकरण से नई संभावनाएं जुड़ेंगी। संस्थान के उपनिदेशक प्रो धीरज कुमार ने बताया कि माइनिंग 4.0 और 5.0 की दिशा में भारत तेजी से बढ़ रहा और भविष्य में रियल-टाइम डिजिटल वातावरण से खदानों का संचालन संभव होगा। इस दौरान सम्मेलन के पहले दिन विभिन्न अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों ने भी अपने विचार रखे। इनमें यूनिवर्सिटी ऑफ यूटा (अमेरिका) के प्रो राजीव गांगुली, आइआइटी (आईएसएम) के पूर्व निदेशक प्रो डीसी पाणिग्रही, आईआईटी इंदौर की प्रो नीलिमा सत्याम और आईआईटी बॉम्बे के प्रो.आलोक पोरवाल शामिल थे।

झारखण्ड सरकार श्रम, नियोजन प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग, जिला नियोजनालय–सह–मॉडल कैरियर सेन्टर गुमला।

GOVERNMENT OF INDIA MINISTRY OF LABOUR & EMPLOYMENT

National Career Service

रोजगार मेला– 16 सितम्बर 2025

रिक्ति सूचना

राज्य के बेरोजगार युवक/युवतियों को निजी क्षेत्र में नियोजन का अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिला नियोजनालय–सह–मॉडल कैरियर सेन्टर गुमला के तत्वाधान में नगर भवन गुमला परिसर में दिनांक–16.09.2025 (मंगलवार) के पूर्वाह्न 10:00 बजे से 4:00 बजे तक एक दिवसीय रोजगार मेला का आयोजन किया जा रहा है। रोजगार मेला में निम्नांकित प्रमुख नियोजकों ने उपस्थित रहने की सहमति प्रदान की है :–

स्थान :– नगर भवन गुमला परिसर में।

Sl N0	Name of the Employer & Address	Name of the post	No. of Vacancy	Qualification Required	Experience	Age (Min. / Max)	(Pay/ Scale)	Job Location
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1	DISHA FOUNDATION AND SOCIAL WELFARE SOCIETY.	MST Food Processing Trainer. (For Both Male and Female Candidates).	02	Diploma or B.Tech Pass.	3-5 Years .	18 to 45 Years.	15,000/-to 20,000/- Per Month.	Gumla, Jharkhand.
		Fashion Designer Trainer (Only For Female Candidates).	02	B.A, MA, or Fashion Designing.	3-5 Years.	18 to 45 Years.	15,000/-to 20,000/- Per Month.	Gumla, Jharkhand.
		MIS Computer Operator. (For Both Male and Female Candidates).	02	Graduate Pass.	2-3 Years.	18 to 45 Years.	12,000/-to 15,000/- Per Month	Gumla, Jharkhand.
		Field Mobilizer. (For Both Male and Female Candidates).	05 (03 For Male, 02 For Female)	Graduate Pass.	2-5 Years.	18 to 45 Years.	12,000/-to 15,000/- Per Month.	Gumla, Jharkhand.
2	Gumla Private ITI.	Fitter Training Officer. (For Male and Female Candidates).	02	Degree in Mechanical Engineering From AICTE /UGC Engineering College/ University (Desirable : CITS)	1 Year Experience in Teaching.	21 to 45 Years.	9,000/-to 15,000/- Per Month.	Gumla, Jharkhand.
				Diploma in Mechanical Engineering From AICTE /UGC Engineering College/ University (Desirable : CITS)	2 Year Experience in Teaching.	21 to 45 Years.		
				NTC/NAC (ITI) Passed in the trade of Fitter/ Mechanic Diesel (Desirable : CITS)	3 Year Experience in Teaching.	21 to 45 Years.		
		Electrician Training Officer. (For Male and Female Candidates).	02	Degree in Electrical Engineering From AICTE /UGC Engineering College/ University (Desirable : CITS)	1 Year Experience in Teaching.	21 to 45 Years.		
				Diploma in Electrical Engineering From AICTE /UGC Engineering College/ University (Desirable : CITS)	2 Year Experience in Teaching.	21 to 45 Years.		
				NTC/NAC (ITI) Passed in the trade of Electrician. (Desirable : CITS)	3 Year Experience in Teaching.	21 to 45 Years.		
3	SCIENCE CENTRE GUMLA.	Physics Teacher for Intermediate Classes. (For Male and Female Candidates).	02	B.Sc or M.Sc in Physics Pass.	Nil.	20 to 30 Years.	10,000/-Per Month.	Gumla, Jharkhand.
		Maths Teacher for Intermediate Classes. (For Male and Female Candidates).	01	B.Sc or M.Sc in Mathematics Pass.	Nil.	20 to 30 Years.	10,000/-Per Month.	Gumla, Jharkhand.
		Chemistry Teacher for Intermediate Classes. (For Male and Female Candidates).	01	B.Sc or M.Sc in Chemistry Pass.	Nil.	20 to 30 Years.	10,000/-Per Month.	Gumla, Jharkhand.
4	SGRS Academic Private Limited.	Asst. Electrician Trainer (For Male and Female Candidates).	8	B.E/ B.Tech Electricals, ITI/ Diploma Electricals (TOT Certification From NSDC).	3 years Experience in Skill Sector as a Trainer (DDUKK).	24 to 30 Years.	20,000 /- Per Month.	Daltonganj,Thakurgaon,Ranchi, Jharkhand.
		Specialized Sewing Machine Operator (SSMO) (For Male and Female Candidates).	10	ToT Certification Experience, Working as a Trainer in Skill Sector (Good Presentation and Communication Skills / Batch Handling/ Stitching / Cutting/Garment/Construction).	2 years Experience in Skill Sector as an SSMO/ SMO Trainer.	22 to 30 Years.	15,000 /- Per Month.	Patamda, Potka, Lateher, Balumath, Jharkhand.
		MIS Executive Cum IT Trainer (For Male and Female Candidates).	04	BCA/ MCA/ B.Sc. IT (Fresher are also Eligible).	06 months to1 years Experience As an MIS cum IT Trainer profile.	22 to 30 Years.	14,000 /- Per Month.	Latehar, Jharkhand.
		Drivers (For only Male Candidates).	05	10th Pass/ 12th Pass, Driving License Mandatory.	3 Years Working Experience of Four wheeler Driving as a driver in school.	20 to 35 Years.	14,000 /- Per Month.	Gumla, Patamda, Potka, Ranchi, Jamshedpur, Jharkhand.
		Sewing Machine Operator Trainer (SMO) (For Male and Female Candidates).	10	TOT Certification Experience Working as a Trainer in Skill Sector (Good presentation and communication skill/ Batch Handling / Stitching/ Cutting /Garment/ Construction).	2 years Experience in Skill Sector as an SMO Trainer.	22 to 30 Years.	15,884 /- Per Month.	Gumla, Tatisilwai, Jamshedpur, Dumka, Sahebganj, Jharkhand.
		Beautician cum Fashion Design Trainer (For Male and Female Candidates).	03	TOT Certification Experience Working as a Trainer in Skill Sector (Good presentation and communication skill/ Batch Handling / Stitching/ Cutting / garment construction Beautician Skills.	2 years Experience in Skill Sector as an SMO Trainer.	22 to 30 Years.	15,000 /- Per Month.	Dumka, Jharkhand.
		Cook (For Male and Female Candidates).	03	Non Matric.	Experience in Making Indian Food	25 to 35 Years.	14,000 /- Per Month.	Jamshedpur, Thakurgaon,Ranchi, Jharkhand.
5	SIS Limited.	Security Guard For (TMH Hospital Jamsedpur).	40	10th Pass (Height 168cm) Only For Male Candidates.	Nil	19 to 40 Years.	16,000/- Per Month. (For 8 hours working).	Bistupur, Jamsedpur, Jharkhand.
		Security Guard For (Amalgam Steel, Gamahria).	60	10th Pass (Height 168cm)) Only For Male Candidates.	Nil	19 to 40 Years.	24,000/- Per Month. (For 12 hours working).	Gamahria, Saraikela-Kharshawan, Jharkhand.
		Security Guard For (Sree Cement Pvt L.td).	50	10th Pass (Height 168cm) Only For Male Candidates.	Nil	19 to 40 Years.	18,000/- Per Month. (For 12 hours working).	Sambalpur, Odisha.
		Security Guard For (JSW Jindal Group).	10	10th Pass (Height 170 cm) Only For Male Candidates.	Nil	21 to 40 Years.	26,000/- Per Month. (For 8 hours working).	Bokaro, Jharkhand.
6	SAHU NARSING HOME, GUMLA.	O.T Technician (For Male and Female Candidates).	01	O.T Technician.	Nil	18 to 30 Years.	5,000/-to 9,000/- Per Month.	Gumla, Jharkhand.
		Dresser (For Male and Female Candidates).	01	Dresser.	Nil	18 to 30 Years.	4,000/-to 8,000/- Per Month.	Gumla, Jharkhand.
		Medical Staff (For Male and Female Candidates).	01	12th Pass.	Nil	18 to 30 Years.	5,000/-to 8,000/- Per Month.	Gumla, Jharkhand.
7	V MART SISAI ROAD GUMLA.	Sales Man.	02	12th Pass	6 Month.	18 to 28 Years.	8,000/-to Per Month.	Gumla, Jharkhand.
		Floor Manager.	01	12th Pass.	1 Years.	18 to 28 Years.	11,000/-to Per Month.	Gumla, Jharkhand.
8	ANKIT ENTERPRISES, JASHPUR ROAD, GUMLA.	Accountant (For Male and Female Candidates).	01	Graduate and Tally + MS Office Pass.	3 Years.	18 to 28 Years.	15,000/- to 18,000/- Per Month.	Gumla, Jharkhand.
		Sales Executive (For Male and Female Candidates).	01.	Graduate and Tally + MS Office Pass.	1 Years.	18 to 28 Years.	11,000/- to 12,000/- Per Month.	Gumla, Jharkhand.
		Service Executive (For Male Candidates).	01	Graduate.	1 Years exp in Automobile sector.	18 to 28 Years.	11,000/- to 12,000/- Per Month.	Gumla, Jharkhand.
9	VIR SUBHASHCHANDRA BOSE SEVA SANSTHA.	Computer Trainer (For Male and Female Candidates).	03	BCA/ Graduate Pass.	2 Years.	21 to 25 Years.	10,000/- to 12,000/- Per Month.	Gumla, Jharkhand.
		Nursing (GDA) Trainer (For Female Candidates).	04	GNM/ ANM, B.Sc Nursing Pass.	1-3Years.	21 to 25 Years.	12,000/- to 20,000/- Per Month.	Gumla, Jharkhand.
		Beautician Trainer (For Female Candidates).	02	Graduate Pass.	2 Years.	21 to 25 Years.	10,000/- to 15,000/- Per Month.	Gumla, Jharkhand.
		Food Processing Trainer, Bakery and cake Specialist, (For Male and Female Candidates).	03	Graduate Pass.	2 Years.	21 to 25 Years.	15,000/- to 20,000/- Per Month.	Gumla, Jharkhand.
		IT / Soft Skill and Communication skill with Personality Development Trainer, (For Male and Female Candidates).	04	Graduate Pass.	2 Years.	21 to 25 Years.	10,000/- to 12,000/- Per Month.	Gumla, Jharkhand.
		Moblilizer (For Male and Female Candidates).	04	12th Pass.	2 Years	21 to 25 Years.	15,000/- to 20,000/- Per Month.	Gumla, Jharkhand.
		Trainer of fashion Designer (For Male and Female Candidates).	03	Graduate Pass.	3 Years	21 to 25 Years.	12,000/- to 15,000/- Per Month.	Gumla, Jharkhand.
		Receptionist (For Female Candidates).	02	12th Pass.	Fresher.	21 to 25 Years.	8,000/- to 10,000/- Per Month.	Gumla, Jharkhand.
		Female Warden (For Female Candidates).	02	10th Pass.	Fresher.	21 to 35 Years.	8,000/- to 10,000/- Per Month.	Gumla, Jharkhand.
		Cook (For Female Candidates).	01	Non Matric.	2 Years Experience in Making Indian Food.	20 to 35 Years.	12,000/- to 15,000/- Per Month	Gumla, Jharkhand.
10	QUESS CORPORATION L.td.	Trainee (For Male and Female Candidates).	500	12th /ITI Pass.	Fresher	18 to 23 Years.	17,000/-Per Month.	Gujrat.
		Associate (For Female Candidates).	500	10th , 12th Pass.	Fresher.	18 to 27 Years.	13,479/-Per Month.	Tamilnadu.
11	CHAITANYA INDIA FIN CREDIT PVT LTD.	Swatantra Field Officer. (For Male Candidates).	50	10th,12th Pass.	Fresher.	18 to 28 Years.	12,770/- Per Month Gross Plus Incentive Plus Fuel Expenses, Plus Accomodation Free.	Latehar, Daltanganj, Palamu, Jharkhand.
12	FRIENDS MOTORRAD, BULLET SHOWROOM, GUMLA.	C.R.E Customer Relationship Executive (For Female Candidates).	01	12th Pass	1Years Experience.	20 to 25 Years.	8,000/-Per Month.	Gumla, Jharkhand.
		C.D.M Customer Delight Manager (For Male and Female Candidates).	01	Graduate Pass .	2Years Experience.	20 to30 Years.	10,000/-Per Month.	Gumla, Jharkhand.
		Technician (For Male Candidates).	01	12th Pass.	2Years Experience as Mechanic.	20 to 30 Years.	10,000/-Per Month.	Gumla, Jharkhand.
13	ADEPTINFOSYS CONSULTANCY PRIVATE LIMITED.	Machine Operator (For Male and Female Candidates).	50	Graduate Pass.	Nil	18 to 30 Years.	19,500/-Per Month.	Ahmedabad.
		CNC Machine Operator (For Male and Female Candidates).	50	10th ,12th , ITI Pass.	Nil	18 to 30 Years.	15,000/-Per Month.	Haridwar.
		Machine Operator (For Male Candidates).	100	10th , 12th Pass, ITI pass, Graduate Pass.	Nil	18 to 35 Years.	17,000/-Per Month.	Ahmedabad.
		CNC Machine Operator (For Male Candidates).	50	ITI Pass.	Nil	18 to 30 Years.	15,000/-Per Month.	Haridwar.
		Sewing Machine Operator (For Female Candidates).	50.	10th Pass.	Nil	18 to 35 Years.	12,000/-Per Month Plus Lodging and Fooding.	Tamilndu.
14	LIC OF INDIA, GUMLA BRANCH.	LIC Bima Sakhi (Only For Female).	50.	10th, 12th Above Pass.	Nil.	30 to 65 Years.	Commission Plus 7,000/- Stipend, Per Month.	Gumla, Jharkhand.
15	MAHINDRA SHOWROOM GUMLA, (NEXGEN SOLUTION TECHNOLOGIES PVT. LTD).	Field Sales Consultant.	04	Graduate Pass.	Experience .	21 to 50 Years.	12,000 to 15,000 /- Per Month Plus Incentive Plus TA.	Gumla, Jharkhand.
					Fresher.	21 to 35 Years.	10,000 to 12,000 /- Per Month Plus Incentive Plus TA.	

नोट :– योग्य एवं इच्छुक उम्मीदवार जो निबंधित नहीं है वे अपने निकटतम नियोजनालय में अथवा नजदीकी नियोजनालय पर अपना निबंधन कराते हुए उपरोक्त रोजगार मेला में नियोजक/नियोजकों के प्रतिनिधि के समक्ष अपने सभी मूल प्रमाण **Self Attested Copies of Aadhar Card, Pan Card, Educational Mark sheet and Residential, Caste Certificate** (यदि हो तो) उसकी एक छायाप्रति तथा दो पासपोर्ट साईज फोटो के साथ रोजगार मेला में उपस्थित हो। जो उम्मीदवार पूर्व से निबंधित है, उन्हें पुनः निबंधन कराने की आवश्यकता नहीं है, चूँकी रिक्ति निजी क्षेत्र की है, अतः चयन प्रक्रिया में नियोजनालय का किसी भी प्रकार का हस्तक्षेप नहीं होगा।

❖ किसी भी प्रकार का यात्रा भत्ता देय नहीं है।

PR 361708 Labour Employment and Traning(25-26)D

जिला नियोजन पदाधिकारी,
जिला नियोजनालय, गुमला।

दिल्ली-एनसीआर ही क्यों, देशभर में पटाखे बैन होने चाहिए

पूरे देश को साफ हवा का हक : सुप्रीम कोर्ट

- दिल्ली के लिए पॉलिसी नहीं बना सकते

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को दिल्ली में पटाखों को बैन करने के आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई की। चीफ जस्टिस बीआर गवई ने कहा कि अगर दिल्ली-एनसीआर के शहरों को साफ हवा का हक है तो दूसरे शहरों के लोगों को क्यों नहीं? प्रदूषण नियंत्रण को लेकर चीफ जस्टिस गवई और जस्टिस के विनोद चंद्रन की बेंच ने सुनवाई करते हुए कहा कि अगर पटाखों पर प्रतिबंध लगाना है, तो पूरे देश में बैन करना चाहिए। साफ हवा का अधिकार सिर्फ दिल्ली-एनसीआर तक सीमित नहीं रह सकता, बल्कि पूरे देश के नागरिकों को मिलना चाहिए।

उन्होंने कहा कि पर्यावरण संबंधी जो भी नीति हो वह पूरे भारत में होनी चाहिए। हम सिर्फ दिल्ली के लिए इसलिए नीति नहीं बना सकते, क्योंकि यहां देश का एलीट क्लास हैं। अगली सुनवाई 22 सितंबर को होगी।

दरअसल, सुप्रीम कोर्ट के 3 अप्रैल 2025 के उस आदेश को चुनौती दी गयी है, जिसमें दिल्ली-एनसीआर में पटाखों की बिक्री, स्टोरेज, परिवहन और निर्माण पर पूर्ण प्रतिबंध के आदेश को संशोधित

करने की मांग की गयी है। इससे पहले दिल्ली-एनसीआर में पटाखा बैन मामले पर अप्रैल में सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने इसे बेहद जरूरी बताया था। कोर्ट का कहना था कि प्रतिबंध को कुछ महीनों तक सीमित करने से कोई मकसद पूरा नहीं होगा। लोग पूरे साल पटाखों को इकट्ठा करेंगे और उस समय बेचेंगे, जब बैन लगा होगा।

कोर्ट रूम में दलील और बेंच की टिप्पणी

बेंच ने कमीशन फॉर एयर क्वालिटी मैनेजमेंट को इस मामले में नोटिस जारी किया और दो हफ्ते में जवाब दाखिल करने को कहा। न्यायमित्र सीनियर एडवोकेट अपराजिता सिंह ने कहा कि कुलीन वर्ग अपना ध्यान रखता है। प्रदूषण होने पर वे दिल्ली से बाहर चले जाते हैं। बेंच ने केंद्र की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी से कहा कि वे प्रदूषण के मामले में डिटेल रिपोर्ट लें। लॉ ऑफिसर ने कहा कि नेशनल एनवायरमेंटल इंजीनियरिंग रिसर्च इंस्टीट्यूट जांच कर रहा है कि क्या ग्रीन पटाखों से प्रदूषण कम हो सकता है या नहीं। पटाखा बनाने वाली कंपनियों के वकील ने सुझाव दिया कि नेशनल एनवायरमेंटल इंजीनियरिंग रिसर्च इंस्टीट्यूट यह बताये कि पटाखों में कौन-कौन से केमिकल कितनी मात्रा में इस्तेमाल किए जा सकते हैं, ताकि कंपनियां उन्हें अपने पटाखों में शामिल कर सके। कुछ अन्य पक्षों की तरफ से पेश वरिष्ठ वकील के. परमेश्वर ने चिंता जताई कि पटाखों पर बैन के साथ-साथ अधिकारियों ने उनके मौजूदा लाइसेंस भी रद्द करना शुरू कर दिए हैं। बेंच ने कहा कि फिलहाल पटाखों के लाइसेंस रद्द करने के मामले में स्थिति जैसी है वैसी ही बनी रहेगी।

भाजपा के सेवा पखवाड़ा को लेकर कार्यशाला का आयोजन

आजाद सिपाही संवाददाता

गिरिडीह। गिरिडीह बीजेपी कार्यालय में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा चलाये जा रहे 15 दिवसीय सेवा पखवाड़ा कार्यकम की शुरुआत की गयी। इसमें केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी, पूर्व बोकारो विधायक बिरंची नारायण, पूर्व आइजी लक्ष्मण प्रसाद सिंह, जिला अध्यक्ष महादेव दुबे अन्य लोक सम्मिलित हुए। इसमें सूर्या हंसदा की हत्या की सीबीआइ जांच और आदिवासियों के हक के समर्थन में भाजपाइयों ने जोरदार आवाज उठाया गया।

सेवा पखवाड़ी में वर्तमान समय में अमेरिका द्वारा 50% टैरिफ को लेकर पीएम मोदी द्वारा यहां निवास कर रहे व्यापारियों,

किसान वर्ग को ध्यान में रखते हुए सारी उपयोगी वस्तुओं पर जीएसटी को कम कर महंगाई को नियंत्रण में रखने का काम किया, इसकी सराहनी की गयी।

जीएसटी को कम करने का एलान अगले 22 सितंबर से लागू भी हो जायेगा। इससे यहां के सभी वर्ग के लोगों को बहुत राहत मिलेगी। कार्यशाला में प्रत्येक मंडल से नेता और कार्यकर्ता उपस्थिति थे।

प्रधानमंत्री मोदी ने लांच किया ज्ञान भारतम पोर्टल

- प्राचीन पांडुलिपियों को मिलेगा डिजिटल जीवन

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रीय राजधानी नयी दिल्ली के विज्ञान भवन में पांडुलिपि धरोहर पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में ज्ञान भारतम पोर्टल की शुरूआत की। ज्ञान भारतम एक डिजिटल मंच है, जिसका उद्देश्य भारत की प्राचीन पांडुलिपियों का संरक्षण, डिजिटलीकरण और उनके पारंपरिक ज्ञान का प्रचार-प्रसार करना है। इस सम्मेलन का विषय पांडुलिपि धरोहर के माध्यम से भारत की ज्ञान परंपरा की पुनर्प्राप्ति है, जो कि 11 से 13 सितंबर तक संस्कृति मंत्रालय द्वारा आयोजित किया गया है।

बता दें कि ज्ञान भारतम एक डिजिटल गेटवे के रूप में काम करेगा, जो भारत के प्राचीन ज्ञान को दुनिया के सामने लाने में मदद करेगा। इसके तहत पूरे देश में फैली एक करोड़ से अधिक पांडुलिपियों को चिन्हित कर उन्हें डिजिटाइज,

संरक्षित और सार्वजनिक रूप से उपलब्ध कराया जायेगा। ये पांडुलिपियां विश्वविद्यालयों, संग्रहालयों, पुस्तकालयों और निजी संग्रहों में रखी गयी हैं।

पोर्टल के लिए बने आठ विशेष समूह : ज्ञान भारतम पोर्टल के तहत बनाये गये आठ विशेष कार्य समूहों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मौजूदगी में अपने-अपने क्षेत्रों में हो रहे कार्यों की प्रस्तुति दी। ये समूह पांडुलिपियों के संरक्षण, डिजिटलीकरण तकनीक, मेटाडेटा मानकों के निर्धारण, कानूनी ढांचे के विकास, सांस्कृतिक कूटनीति, और प्राचीन लिपियों को पढ़ने व समझने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर काम करेंगे। इन कार्य समूहों का उद्देश्य भारत की प्राचीन ज्ञान धरोहर को संरक्षित कर डिजिटल रूप में भविष्य की पीढ़ियों तक पहुंचाना है।

नौ महीने तक गिरने के बाद अगस्त में फिर बढ़ी खुदरा महंगाई, मुद्रास्फीति दर 2.07 प्रतिशत हुई

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। अगस्त में खुदरा मुद्रास्फीति मामूली बढ़कर 2.07 प्रतिशत हो गई, जो इससे पिछले महीने 1.61 प्रतिशत थी। इसका मुख्य कारण सब्जियों, मांस और मछली की कीमतों में वृद्धि है। शुक्रवार की ओर से जारी सरकारी आंकड़ों में यह बात कही गई। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआइ) पर आधारित मुद्रास्फीति अगस्त 2024 में 3.65 प्रतिशत थी। लगातार नौ महीने तक घटने के बाद खुदरा महंगाई में एक बार फिर से इजाफा दिखा है।

राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) की ओर जारी आंकड़ों के अनुसार अगस्त 2025 के दौरान वार्षिक मुद्रास्फीति अगस्त 2024 की तुलना में (-) 0.69 प्रतिशत थी।

एनएसओ ने कहा कि अगस्त 2025 के महीने के दौरान हेडलाइन मुद्रास्फीति और खाद्य मुद्रास्फीति में वृद्धि मुख्य रूप से सब्जियों, मांस और मछली, तेल और वसा, व्यक्तिगत देखभाल

और अंडे की मुद्रास्फीति में वृद्धि के कारण है। सरकार ने रिजर्व बैंक को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है कि मुद्रास्फीति 4 प्रतिशत पर बनी रहे, और दोनों तरफ 2 प्रतिशत का मार्जिन हो।

नवंबर 2024 के बाद महंगाई दर में जारी थी गिरावट : उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआइ) में नौ महीनों तक लगातार गिरावट के बाद मुद्रास्फीति में यह वृद्धि देखी गई है। नवंबर 2024 से इसमें गिरावट जारी थी। अगस्त 2024 में मुद्रास्फीति 3.65 प्रतिशत थी। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, अगस्त 2025 में वार्षिक खाद्य मुद्रास्फीति (-) 0.69 प्रतिशत थी। एनएसओ ने कहा कि अगस्त 2025 के महीने के दौरान हेडलाइन मुद्रास्फीति और खाद्य मुद्रास्फीति में वृद्धि मुख्य रूप से सब्जियों, मांस और मछली, तेल और वसा, व्यक्तिगत देखभाल और अंडे की मुद्रास्फीति में वृद्धि के कारण है।

ग्रामीण भारत में मुद्रास्फीति बढ़कर 1.69 हुई : ग्रामीण भारत में मुद्रास्फीति अगस्त में बढ़कर 1.69 प्रतिशत हो गई, जो जुलाई में 1.18 प्रतिशत थी। देश के शहरी इलाकों में यह क्रमिक आधार पर 2.1 प्रतिशत की तुलना में 2.47 प्रतिशत रही।

चार्ली किर्क को गोली मारनेवाला संदिग्ध गिरफ्तार

यूटा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को बताया है कि अमेरिका के दक्षिणपंथी कार्यकर्ता चार्ली किर्क का संदिग्ध हत्यारा पकड़ा गया है। ट्रंप ने कहा है कि बड़े पैमाने पर चलाये गये तलाशी अभियान के बाद हत्या के संदिग्ध को हिरासत में ले लिया गया है। फॉक्स न्यूज को दिये एक लाइव स्टूडियो इंटरव्यू में ट्रंप ने यह भी कहा है कि संदिग्ध के किसी करीबी ने ही उसे पकड़वाया है। ट्रंप ने बताया कि ट्रंप ने बताया, मुझे पूरा यकीन है कि वह हमारी हिरासत में है। उसके किसी बेहद करीबी ने ही उसे पकड़वाया है। गौरतलब है कि बीते बुधवार को ट्रंप के करीबी सहयोगी और रूढ़िवादी कार्यकर्ता चार्ली किर्क की अमेरिका के यूटा में गोली मारकर हत्या कर दी गयी थी।

स्पाइसजेट फ्लाइट का टायर टेकऑफ के दौरान रनवे पर गिरा पायलट ने उड़ान रोकी नहीं, मुंबई एयरपोर्ट पर सुरक्षित लैंडिंग

मुंबई (आजाद सिपाही)। गुजरात के कांडला से मुंबई आ रही स्पाइसजेट की फ्लाइट में बड़ा हादसा टल गया। शुक्रवार को कांडला एयरपोर्ट पर टेकऑफ के दौरान बॉम्बार्डियर द400 प्लेन का एक टायर रनवे पर गिर गया। इसके बावजूद पायलट ने सूझबूझ दिखाते हुए उड़ान जारी रखी। मुंबई एयरपोर्ट पर विमान की लैंडिंग से पहले फुल इमरजेंसी घोषित कर दी गयी। हालांकि विमान ने सुरक्षित लैंडिंग की और खुद टर्मिनल तक पहुंचा। सभी 75 यात्रियों को सुरक्षित उतार लिया गया। एयरलाइन ने घटना की पुष्टि की है। घटना की जांच शुरू कर दी गयी है इसके पहले मुंबई एयरपोर्ट पर इंडिगो के ए321 प्लेन की टेल (पिछला हिस्सा) रनवे से टच हो गया था। पायलट ने लैंडिंग के बजाय गो-अराउंड करने का फैसला लिया। इसी दौरान विमान की टेल रनवे से टकरा गयी थी।

खूंटी : कर्रा प्रखंड के कई गांवों में कुंवारी लड़कियां करती हैं जीवित्पुत्रिका का व्रत

- लड़कियां बिना अन्न-जल के निर्जला उपवास करती हैं। शाम में अखड़ा में एकत्र होती हैं, जहां पाहन जितिया की कथा सुनाता है

अनिल मिश्रा

खूंटी। झारखंड के जनजातीय समाज और सदानों के सबसे प्राचीन पर्व-त्योहारों में जितिया या जीवित्पुत्रिका एक पर्व है। यह पर्व माताएं अपनी संतान के दीघार्यु और सुख-समृद्धि की कामना के लिए करती हैं। जिस महिला के बाल-बच्चे ना हों, तो उसे जितिया का उपवास या पूजा करने की मनाही है, लेकिन खूंटी जिले के कर्रा प्रखंड के कई गांवों में कुंवारी लड़किया जितिया का उपवास करती हैं। बताया जाता है कि अच्छा वर और समृद्ध घर-परिवार पाने की कामना के लिए कुंवारी लड़किया जितिया की पूजा-अर्चना करती हैं। कर्रा प्रखंड के पहाड़ टोली, बिरदा, बमरजा, कुरकुरिया, बुढ़ीरोमा, डुमरगड़ी, खटंगा सहित कई गांवों में बच्चियां और कुंवारी लड़कियां जीपित्पुत्रिका का उपवास करती हैं। जितिया की पौराणिक कथाओं में भी इस बातत का वर्णन मिलता है कि माताएं अपनी संतान के दीघार्यु और संकट से बचाने के लिए निर्जला उपावास करती हैं। पहाड़टोली गांव के केडी गुरु और उपेंद्र पाहन बताते हैं कि जितिया का व्रत करने वाली लड़कियां भाद्रपद महीने की पूर्णिमा तिथि को पत्ते के बड़े दोना या किसी बांस के

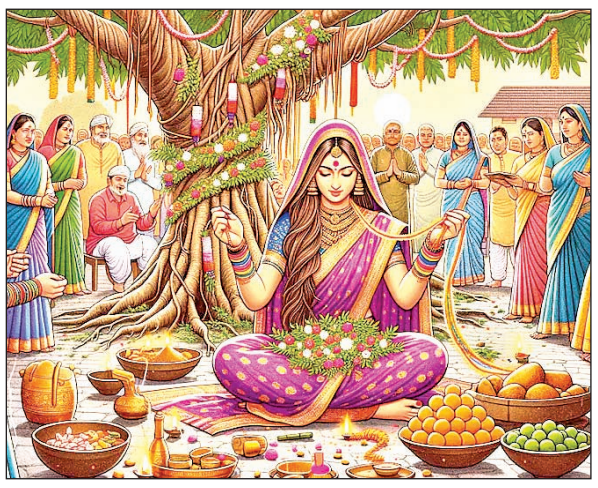

बने पात्र में नहा-धोकर नदी से पवित्र बालू लाती हैं और उसमें गेहूं, धान, मकई आदि आठ प्रकार के अनाज के बीज डालती हैं और हर दिन स्नान करने के बाद उसमें पवित्र जल डालती हैं। कुछ ही दिनों में वहां पौधे तैयार हो जाते हैं, जिसे जावा कहा जाता है। जिस व्रती का जावा जितना अधिक बड़ा और पुष्ट होगा, उसे काफी अच्छा माना जाता है। जावा रोपने के आठ दिनों के बाद आश्विन महीने के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि की शाम को गांव का पाहन पीपल पेड़ की तीन छोटी टहनियों को लाकर लोगों के घरों में गाड़कर पूजा-अर्चना करता है। गांव के अखड़ा में करम की डाली को गाड़कर पूजा-अर्चना की जाती है। उस दिन सभी लड़कियां बिना अन्न-जल के निर्जला उपवास करती हैं। शाम को पूरे गांव के लोग अखड़ा में जमा होते हैं, जहां पाहन पूजा कराता है और जितिया की कथा सुनाता है। पूजा के बाद लड़किया सभी लोगों को प्रसाद के साथ जावा देती हैं। सूर्योदय से पहले ही जितिया (पीपल की टहनियां) को किसी नदी जलाशय में प्रवाहित कर दिया जाता है। कही-कहीं पर टहनियों को चौराहे पर फेंकने की भी परंपरा है। सबसे बड़ी बात कि जब तक घर में जावा रहता है, तब तक घर में मांस मदिरा के सेवन पर पूरा प्रतिबंध रहता है। गुफू पहाड़ओली गांव के सेना के सेवानिवृत्त जवान और जानेमाने समाजसेवी केडी गुरु बताते हैं कि कुछ गांवों में जितिया के दिन पीपल की टहनियों की जगह करम की डालियों को गाड़कर पूजा-अर्चना की जाती है, पर पूजा जितिया के दिन ही होती है। आमतौर पर करमा का पर्व भाद्रपद के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि को मनाया जाता है, पर कर्रा के पश्चिमी क्षेत्र में करमा का पर्व जितिया के दिन मनाया जाता है। उपेंद्र पाहन ने फोन पर बताया कि यह परंपरा सदियों से चली आ रही है और आज भी भी जितिया का त्योहार उसी हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है।

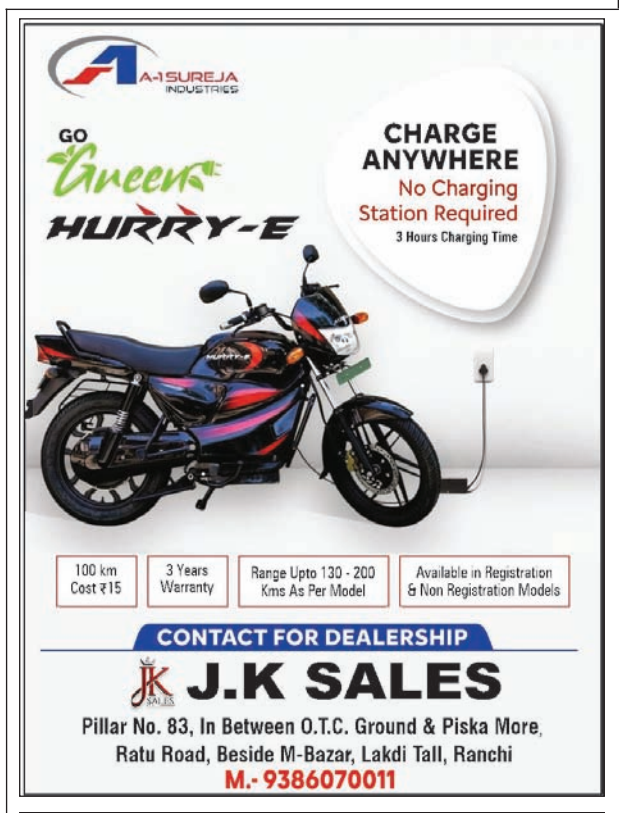

आजाद सिपाही की ओर से स्वत्वाधिकारी लैंडस्केप मीडिया प्रा. लि., प्रकाशक एवं मुद्रक हरिनारायण सिंह के लिए 176 कोकर चौक, ओल्ड एचबी रोड, रांची 834001 (झारखंड) से प्रकाशित तथा डीबी प्रिंट सोल्यूशंस (ए यूनिट ऑफ डीबी कार्प लिमिटेड), प्लॉट नं. 535 एवं 1272, ललगुटवा, पुलिस स्टेशन, रातू, रांची, झारखंड से मुद्रित। **संस्थापक प्रधान संपादक :** स्व. हरिनारायण सिंह, **संपादक :** राकेश सिंह, **स्थानीय संपादक* :** विनोद कुमार, ***पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के लिए जिम्मेदार, **राज्य समन्वय संपादक :** अजय शर्मा। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 9264434560, **R.N.I. No.-JHAHIN/2015/65109,** Postal Registration No. **RN/249/2019-21**